धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट - 13

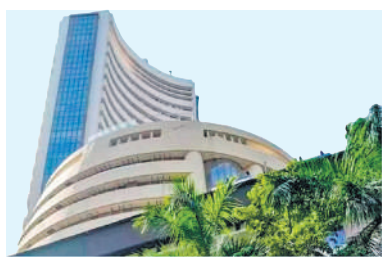

सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद - 13

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी - 2

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 103, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई

- वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना
- अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण
- मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'

अजय दयाल, अयोध्या

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो

> यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धातों का उद्घोष करेगा। – प्रधानमंत्री मोदी

अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुई थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष में डूब गया।

ध्वज रघुकुल परंपरा और धर्म का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ये यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहूति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव विधि/विधि परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं। अदालत ने मामले को पहले दिए गए आदेश के तहत 26 नवंबर को सुनवाई के लिए पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में इसी वर्ष स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज कराई गई जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामे में 9149 अदालतों के गठन मामले में पहले दिए गए आदेश के तहत हुई प्रगति का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था।

दुर्घटना में मौत पर 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दोपहिया वाहन दुर्घटना में एक युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। युवती की दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने सात दिसंबर 2020 को हुई दुर्घटना में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। शिल्पा और उसकी दोस्त अंजलि दोपहिया वाहन पर सवार थे, जबकि उनका दोस्त रोहित उस वाहन को चला रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि वाहन किसी अन्य व्यक्ति का है और उसका बीमा नहीं था। वाहन चालक और मालिक संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी हैं।

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3 .60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4 .33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

इथोपिया से उठी ज्वालामुखी की राख से दिल्ली में कुछ उड़ानें रद्द, कई लेट

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को दिया नियमों के पालन का निर्देश

इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के गुबार के कारण मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं और 10 से ज्यादा विदेशी उड़ानें देर से रवाना हो पाईं। अकेले एअर इंडिया ने सोमवार से अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दीं।

दरअसल, इथियोपिया में हाल ही में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के बादल उड़ानों के संचालन को प्रभावित कर रहे हैं और ऐसी खबरें हैं कि ये बादल भारत के पश्चिमी हिस्सों की ओर बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक ज्वालामुखी के राख के गुबार के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर आने और जाने वाली सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया और 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित रहीं। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जहां रोज 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है।

मंगलवार को अन्य भारतीय विमानन कंपनियों की ओर से स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई। हालांकि उनकी भी कई उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को विमानन कंपनियों से कहा था कि वे ज्वालामुखी की राख से प्रभावित क्षेत्रों व उड़ान स्तर पर नियमों का सख्ती से पालन करें।

गंभीर संकट | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2 .5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

- राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता ''बेहद खराब'' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 26 नवंबर 2025

अयोध्या राम मंदिर। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

विशाल तिवारी, अयोध्या

अमृत विचार : रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत व ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज। अमृत विचार

- सभी फोटो शुभांकर चक्रवर्ती और प्रशांत शेखर

राम बारात में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

गाजे-बाजे व हाथी-घोड़ा के साथ धूमधाम से निकली श्रीराम बारात

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की नगरी में मंगलवार को एक अलग उल्लास और उत्साह रहा जहां एक तरफ राम मंदिर के शिखर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। वहीं दूसरी ओर विवाह पंचमी के मौके पर भगवान श्री राम और माता सीता का विवाह उत्सव की धूम दिखाई दी। शाम ढलते अलग-अलग मंदिरों से भगवान राम की बारात मुख्य सड़क मार्ग पर रवाना हो गई। अपने आराध्य के विवाह उत्सव में झूमते नाचते गाते भगवान राम के पावन पुनीत विवाह उत्सव में शामिल है।

अयोध्या के प्रसिद्ध रंग महल, दशरथ महल, राम वल्लभा कुंज, जानकी महल, विहूति भवन सहित अन्य मंदिरों से राम बारात निकाली गई। आकर्षण दशरथ महल में दिखाई दिया। पांच अलग-अलग राज्यों के बैंड बाजों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से जब भगवान राम की बारात निकाली गई तो अपने आराध्य के विवाह की उत्सव की खुशी में श्रद्धालु जमकर नाचते हुए नजर आए।विवाह पंचमी तिथि पर आज पूरी रात मंदिरों में भगवान राम और सीता का विवाह आयोजन होगा। रंग महल मंदिर के महंत रामशरण दास ने बताया कि जिस समय भगवान राम ने धनुष तोड़ा था विवाह तो उसी समय हो गया था, लेकिन समाज में प्रेम और सनातन धर्म की प्रगति के लिए भगवान राम ने विवाह की उन सारी परंपराओं को निभाया। जिसे आज हम अनुसरण कर रहे हैं। भगवान राम सीता का विवाह सनातन धर्म की परंपरा का प्रमाण है। दशरथ भवन मंदिर के उत्तराधिकारी महंत रामभूषण दास कृपालु ने बताया कि आज बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। अयोध्या नरेश महाराजा दशरथ के पुत्रों का विवाह संपन्न हुआ था।

पीएम के रोड शो ने एक किमी. की दूरी सात मिनट में की तय

अयोध्या, अमृत विचार : तीन चॉपर के पीएम का हवाई बेड़ा मंगलवार सुबह 10:02 बजे साकेत महाविद्यालय पर बने हैलीपैड पर उतरा। यहां उनका स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके बाद उनका रोड शो करीब 10:12 बजे साकेत महाविद्यालय से बाहर निकला व निषादराज चौराहा होता हुआ क्रॉसिंग नंबर-11 जगदगुरु आद्य शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर में प्रवेश किया। करीब एक किमी. की दूरी तय करने में उन्हें सात मिनट लगे। इस दौरान राज्यपाल व मुख्यमंत्री भी उनके साथ रहे। प्रधानमंत्री काले रंग की एसयूवी में सवार थे, जिसे उनके सुरक्षाकर्मी दिल्ली से लेकर आए थे। रास्ते में 12 स्थान पर लगे सांस्कृतिक मंचों पर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

छावनी में बदली रामनगरी

अयोध्या, अमृत विचार : पूरी अयोध्या सुरक्षा के कड़े घेरे में रही। रामपथ, धर्मपथ समेत गलियों में भी वाहनों के चलने पर रोक थी। शहर की गलियों से रामपथ पर निकलने वाले सभी मार्ग को पूरी तरह से बंद रखा गया था। किसी को रामपथ पर आने की अनुमति नहीं थी। शहर में 10 हजार सुरक्षा कर्मियों का घेरा रहा, एसपीजी, एटीएस, एनएसजी से लेकर कई सुरक्षा इकाईयां मुस्तैद रहीं।

दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने जाना संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम का हाल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रारंभिक दौर के साक्षी, विहिप की प्रबंध समिति के सदस्य व संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नारायण सिंह की तबीयत की जानकारी लेने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। दोनों के मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही हड़कंप मच गया। वे सीधे लिफ्ट से मेडिकल वार्ड चले गए। उनके साथ विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा भी मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा से पुरुषोत्तम नारायण का हाल जाना। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा पुरुषोत्तम जैसे संत-समर्पित कार्यकर्ता राम मंदिर आंदोलन की रीढ़ रहे हैं। ब्रजेश पाठक ने भी उनके प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि ऐसे वरिष्ठ प्रचारकों का सम्मान और सेवा करना सरकार का दायित्व है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को अपना हाल बताते पुरुषोत्तम नारायण सिंह, साथ में डिप्टी सीएम केशव मौर्य व विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा। अमृत विचार

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं : मोदी

भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा राम मंदिर का दिव्य प्रांगण

- अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। जबसे प्राण-प्रतिष्ठा हुई है, तबसे आज तक करीब 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों की आय में वृद्धि हुई है। विकास के पैमाने में अयोध्या कभी बहुत पीछे थी, लेकिन आज यूपी के अग्रणी शहरों में एक है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

श्रीराम के व्यवहार को करना होगा आत्मसात

पीएम ने कहा हमें राम व उनके व्यक्तित्व को सीखना होगा। उनके व्यवहार को आत्मसात करना होगा। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी सत्य-पराक्रम का संगम। राम यानी धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, राम यानी धर्म और क्षमा का दरिया, राम यानी ज्ञान व विवेक की पराकाष्ठा, राम यानी कोमलता में दृढ़ता, राम यानी कृतज्ञता का उदाहरण, राम यानी श्रेष्ठ संगति का चयन, राम यानी विनम्रता में महाबल, राम यानी सत्य का अडिग संकल्प, राम यानी जागरूक, अनुशासित व निष्कपट मन। राम सिर्फ व्यक्ति नहीं, राम मूल्य हैं, मर्यादा हैं।

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। कृतार्थता का दिवस है। आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी।

उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका: आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है। यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं। कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

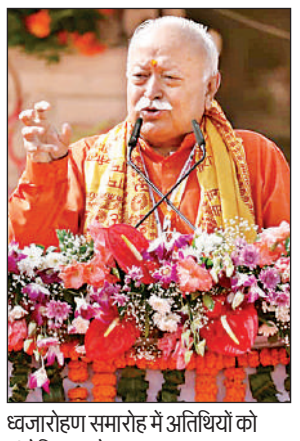
ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

प्रतीक चिह्नों से सीखें सत्पुरुष का कर्तव्य

डॉ. भागवत ने कहा कि इस धर्म ध्वज पर कोविदार का प्रतीक रघुकुल की परंपरा से जुड़ा है। यह कचनार जैसा लगता है। यह मंदार व पारिजात दोनों वृक्षों के गुणों का संयुक्त रूप है। वृक्ष स्वयं धूप में खड़े रहकर सबको छाया देते हैं, फल देते हैं। "वृक्षा : सत्पुरुषा : इव" अर्थात वृक्ष सत्पुरुषों के समान हैं। यदि ऐसा जीवन जीना है तो चाहे कितनी प्रतिकूलता हो, साधनहीनता हो, दुनिया स्वार्थ में बहती हो फिर भी हमारा संकल्प है कि हमें धर्म के पथ पर चलना है। भागवत बोले, कचनार के औषधीय गुण हैं, खाद्य उपयोग में भी आता है। सब प्रकार से उपयोगी यह प्रतीक धर्म जीवन का पर्याय है। सूर्य भगवान धर्म के तेज और संकल्प के प्रतीक हैं। उनके रथ का चक्र एक है, रास्ता नहीं है, सात घोड़े हैं, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए सर्प की लगाम है, सारथी के पैर नहीं हैं। क्या ऐसी गाड़ी चल सकती है? फिर भी वे बिना थके प्रतिदिन पूरब से पश्चिम जाते आते हैं। कार्य की सिद्धि स्वयं के भरोसे होती है।

झलकियां

- अयोध्यावासियों ने जय श्रीराम, जय जय हनुमान के जयकारे संग पुष्पवर्षा से प्रधानमंत्री का किया स्वागत।
- राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साकेत हैलीपेड पर किया प्रधानमंत्री को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।
- साकेत महाविद्यालय पर पीएम का हेलीकॉप्टर उतरा। वहां से काफिले संग टेढ़ी बाजार होते हुए उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर में प्रवेश किया। इस दौरान लोग एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा लहराते हुए स्वागत करते रहे।
- प्रधानमंत्री ने श्रीराममंदिर परिसर में महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह्य और माता शबरी मंदिर में पहुंचकर प्रधानमंत्री ने शीश झुकाया। प्रधानमंत्री ने शेषावतार मंदिर व माता अन्नपूर्णा मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया।
- श्री राम मंदिर परिसर में राम दरबार पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दर्शन-पूजन व आरती की। यहां पुजारियों ने तीनों विशिष्टजनों को राम नामी गमछा ओढ़ाया व प्रसाद दिया। पीएम मोदी व आरएसएस के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत ने पूजन-अर्चन कर रामलला का आशीर्वाद प्राप्त किया।
- भव्य राम मंदिर में धर्म ध्वजारोहण के लिए रामनगरी में पहुंचे पीएम मोदी का अभूतपूर्व स्वागत हुआ। साकेत महाविद्यालय के मुख्य द्वार से पीएम का काफिले के रामपथ पर आते ही संपूर्ण वातावरण जय श्री राम से गूंज उठा। रामपथ पर एक किमी. लंबे रोड शो के दौरान 1000 क्विंटल से अधिक पुष्पों की वर्षा हुई। काली बीएमडब्लू 7 सीरीज पर पहली सीट पर विराजमान पीएम ने कभी गाड़ी में बैठे-बैठे तो कभी बाहर आकर हाथ हिला कर लोगों का मुस्कान के साथ उत्तर दिया।
- साकेत महाविद्यालय के सामने 556 संस्कृत विद्यालय के छात्र केसरिया वस्त्र धारण कर खड़े थे। जैसे ही पीएम का वाहन नजदीक आया, सभी ने एक स्वर में वैदिक मंत्रों में स्वस्तिवाचन किया। ॐ स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवा :... की गूंज पूरे रामपथ पर फैल गई। पीएम ने मुस्कुराते हुए हाथ जोड़ अभिवादन स्वीकार किया।
- यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ से आए करीब 600 लोक कलाकारों ने रामपथ को रंगमंच बना दिया। कोई रामधुन गा रहा था, कोई फूल बंगला नृत्य प्रस्तुत कर रहा था, कोई राजस्थानी घूमर का प्रदर्शन कर रहा था। बुन्देलखण्ड झांसी से राई नृत्य प्रस्तुत कर पीएम का अभिवादन किया। स्थानीय कलाकारों ने फरवाई नृत्य से अपनी सहभागिता दिखाई।
- रोड शो के दौरान कई महिलाएं भावुक हो गईं। श्रद्धा अवस्थी ने कहा मोदी जी, आप महादेव के अवतार हो, आपने राम मंदिर बनवाया, हमारी सात पुश्तें आपका नाम लेंगी। ममता पाठक ने कहा 500 साल का इंतजार खत्म किया आपने। भाजपा महानगर मंत्री स्वाति ने कहा पीएम चमत्कार हैं, राम मंदिर की केवल कल्पना थी वह आज पूर्ण साकार हो गया है। विद्यार्थी परिषद की सदस्य स्मृति निषाद बोलीं पहली बार मोदी जी को देख रहीं हूं। कई महिलाएं तो राखी लेकर आईं थीं।

रामपथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में अभिवादन प्रस्तुत करतीं कलाकार। अमृत विचार

पीएम ने संबोधन में कहे रामचरितमानस के 26 श्लोक

अयोध्या, अमृत विचार: राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करने के बाद पीएम ने अपने संबोधन में रामचरितमानस की 26 श्लोक का जिक्र किया। काशी के मुख्य आचार्य गणेश्वर शास्त्री गजानन ज्योतकर सतीश ने बताया कि पीएम ने देश को संदेश देने का काम किया है। इन श्लोक के मंत्रों से एक समुचित समाज को जोड़ने का प्रयास है। आचार्य संदीप शर्मा ने बताया रामचरितमानस में भी लिखा है कि मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वज के दर्शन मात्र से भगवान के दर्शन करने जितना पुण्य प्राप्त होता है। जिसके बारे में भी प्रधान मंत्री जी ने अपने भाषण में किया है।

धर्म ध्वजारोहण के साक्षी बने 161 वनवासी संत

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए विभिन्न प्रांतों से 161 वनवासी संतों को आमंत्रित किया गया। अयोध्या प्रांत व अयोध्या धाम के धर्माचार्य च विशिष्ट धर्माचार्यों को जोड़ लिया जाए तो इनकी संख्या 500 के ऊपर ही रही। विभिन्न प्रांतों से आमंत्रित वनवासी संतों में चित्तुर, दक्षिण बंग, बंसवरा परियोजना, छत्तीसगढ़, दक्षिण कर्नाटक, देवगिरी, उत्तर कर्नाटक, विदर्भ, महाकौशल, मालवा, मेरठ, पश्चिम महाराष्ट्र, त्रिपुरा, गुजरात दक्षिण, गुर्जर परियोजना व हरियाणा के हैं। इनमें 14 मालवा, 12 गुजरात दक्षिण एवं 11 दक्षिण कर्नाटक के भी समारोह में मौजूद रहे। अयोध्या के धर्माचार्यों में महापौर गिरीशपति त्रिपाठी के अलावा अन्य विशिष्ट धर्माचार्यों में डॉ. भरतदास महराज, महंत जगन्नाथदास महराज, बलरामदास महराज, मुरलीदास महराज, प्रेममूर्ति कृष्णकांतदास महराज, आशीषदास वेदांती, विश्वेश प्रपन्नाचार्य महराज, वैदहीवल्लभशरण महाराज, प्रियाप्रीतम शरण महराज, वैदेही शरण महराज, महंत पवन कुमार दास, सियाकिशोरी शरण, मिथिलानंदिनी शरण, रामानुज शरण महाराज, महंत धर्मदास महाराज, शशिकांतदास महाराज, जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य व जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य रहे।

प्रसाद में दिया देशी घी का लड्डू, इलाइची दाना और अंगवस्त्र

अयोध्या, अमृत विचार: राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने आए लगभग 7500 अतिथियों के साथ 2500 से अधिक कार्यकर्ताओं व अधिकारियों को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा विशेष प्रसाद दिया गया। हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास ने बताया कि रामलला के प्रसाद में जूट के थैले में विशेष लड्डू, इलाइची दाना, रामनामी वस्त्र के साथ एक ध्वज का चिन्ह प्राप्त हुआ है। डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि सुबह से लोग इस कार्यक्रम शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इसलिए प्रसाद के रूप में लंच पैकेट और पानी की बोतल भी प्राप्त हुई है।

ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित अतिथियों के मंदिर परिसर से बाहर निकलने पर बब्लू खान ने सबको लगे लगाकर बधाई दी। अमृत विचार

एक हाथ में त्रिशूल व दूसरे में डमरू लिए यह साधु आकर्षण का केंद्र बना रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रामपथ पर निकल रहे काफिले को देखकर लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। अमृत विचार

साकेत महाविद्यालय के निकट मंच पर बुंदेलखंड का राई नृत्य पेश करतीं कलाकार।

मंदिर परिसर में विराजमान अतिथिगण। अमृत विचार

आस्था व अर्थव्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुकी है रामनगरी : योगी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा रामलला की नगरी आस्था व आधुनिकता के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। वह मंगलवार को श्रीरामजन्मभूमि परिसर में धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कहा यहां बेहतर कनेक्टिविटी है। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, पंचकोसी और 14 कोसी के साथ 84 कोसी की परिक्रमा श्रद्धालुओं व भक्तों को नया मार्ग व आस्था को नया सम्मान प्रदान कर रही है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रही है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम में आस्था, आधुनिकता, आस्था और अर्थव्यवस्था का नया केंद्र दिख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ध्वजारोहण उस सत्य का उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है। रामराज्य के मूल्य कालजयी हैं। पीएम मोदी ने 2014 में जब नेतृत्व संभाला था, उसी दिन कोटि-कोटि भारतवासियों के मन और हृदय में जिस संभावना, संकल्प व विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या, अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा आपके कर कमलों के माध्यम से साकार होकर भव्य राम मंदिर के रूप में भारतवासियों व सनातन धर्मावलंबियों के समक्ष है। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय व राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। इस अवसर पर पीएम मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज आदि मौजूद रहे। संचालन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने किया।

साकेत महाविद्यालय के निकट मंच पर बुंदेलखंड का राई नृत्य पेश करतीं कलाकार।

इतिहास में दर्ज हुआ 25 नवंबर | धर्मध्वज ने बदल दी राममंदिर की तस्वीर, बदल गई चेहरों की रंगत, तीन मिनट में इतिहास बढ़ गया अतीत से भविष्य की ओर

मोदी जोड़े रहे हाथ, योगी के हाथ से निकलती रही करतल ध्वनि

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: तीन मिनट में पूरी तस्वीर बदल गई। ध्वजविहीन श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज प्रत्यक्ष हुआ, लहराने लगा। नेताओं के साथ मौजूद जनसमूह के चेहरों के भाव भी बदल गए। पीएम मोदी हाथ जोड़े रहे। सीएम योगी के हाथ से करतल ध्वनि निकलती रही। इन्हीं तीन मिनटों में इतिहास की सुई अतीत से भविष्य की ओर बढ़ गई।

समय सबसे बड़ा है। दूसरों को अतीत, वर्तमान और भविष्य का अहसास करा देता है। ध्वजारोहण में मंगलवार को इसे करीब से महसूस किया गया, 11 बजकर 55 मिनट पर घोषणा होती है। पीएम मोदी ध्वज का आरोहण करने पहुंच रहे हैं। पहुंचते हैं, गांभीर्य के साथ चेहरे का भाव बदलता है। 11:56 बजे संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के साथ बिंबों से युक्त केसरिया ध्वज का आरोहण शुरू करते हैं। उनके हाथ स्वतः प्रणाम की मुद्रा में जुड़ जाते हैं। प्रसन्नता के भाव से युक्त बगल खड़े सीएम योगी के हाथ स्वयं जुड़ने और खुलने लगते है, करतल ध्वनि होने लगती है। सभी शनैः-शनैः ध्वज को चढ़ते हुए देखते हैं। जैसे-जैसे ध्वज शिखर की ओर बढ़ता है। चेहरों पर खुशी के भाव छलकने लगते हैं। ऊपर चढ़ने के साथ ध्वज फहरता है। लहराते ध्वज पर बने प्रतीक सूर्य, ऊं के साथ कोविदार प्रत्यक्ष होने लगते हैं। 191 फिट ऊपर पहुंचते देखने के लिए सभी को सिर उठाना पड़ता है। धर्म ध्वज को शिखर पर पहुंचने में लगभग तीन मिनट लगे। मोदी ने ताली बजाई। उधर सुई ने 11:58 बजाए, इधर जय श्रीराम के जय घोष से श्री राम मंदिर के साथ अयोध्या गूंजने लगी। चेहरों पर स्थिरता और उल्लास के भाव सृजित हो गए। पीएम मोदी और सीएम योगी के चेहरों पर संकल्प से सिद्धि के भाव तैरने लगे। केवल तीन मिनट वर्तमान रहा। इसके पहले श्री राम मंदिर निर्माण के संकल्प का अतीत था। अब भविष्य की शुरूआत हो गई थी। इस तीन मिनट के वर्तमान पर पीएम मोदी ने अपने भाषण में भविष्य की बुनियाद रख दी। उन्होंने श्री राम मंदिर के ध्वज के रंग, सूर्यवंश की ख्याति और कोविदार वृक्ष से रामराज्य की कृति के प्रतिरूपित किए जाने के हवाले से संकेतों में बहुत कुछ कह दिया।

शिखर पर जा रहे ध्वज को देखते समय भावुक हो गए पीएम मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व सीएम योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

प्रधानमंत्री ने ग्रहण किया प्रसाद

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खान-पान के लिए अयोध्या में तमाम व्यवस्थाएं की गई थीं, 50 से भी अधिक तरह के खाद्य पदार्थों का इंतजाम था। इसमें 33 तरह की वेलकम ड्रिंक्स थी, लेकिन अपनी सादगी के लिए पहचाने जाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ भी नहीं खाया। सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी जब आरजेबी पहुंचे तो उन्होंने सिर्फ चाय के साथ बिस्किट लिया था। इसके बाद रामलला और राम दरबार का दर्शन पूजन किया। प्रसाद के तौर पर इलायची दाना इत्यादि ग्रहण कर पानी पीया।

ध्वजारोहण को कैमरे में कैद करते लोग। अमृत विचार

ध्वजारोहण के बाद राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु। अमृत विचार

बीएलओ ड्यूटी में तैनात शिक्षक की संदिग्ध हालात में मौत

सीआरओ को जांच, तीन अस्पतालों में चला उपचार भी नहीं बचा सका, शिक्षकों में शोक

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : नवाबगंज थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जैतपुर माझा में तैनात शिक्षक विपिन यादव, निवासी मल्हनी गांव, जौनपुर की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ने के बाद लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। विपिन की एसआईआर कार्य में बीएलओ के तौर पर ड्यूटी लगी थी और वह मंगलवार की सुबह विपिन यादव स्कूल जाने के लिए निकले थे कि रास्ते में उनकी तबीयत बिगड़ गई।

बताया जा रहा है कि काम के दबाव में विपिन ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद उनकी स्थिति तेजी से बिगड़ती चली गई। साथी शिक्षकों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत उन्हें नवाबगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से स्थिति गंभीर होने पर उन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उन्हें लखनऊ भेजने का निर्णय लिया गया। घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन खुद मेडिकल कॉलेज पहुंचीं। उन्होंने इलाज कर रहे डॉक्टरों और सीएमएस से पूरी जानकारी ली और तुरंत एसडीएम सदर व नवाबगंज के नायब तहसीलदार की निगरानी में उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कराया लेकिन वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बता दें कि विपिन यादव की मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के लिए बीएलओ की ड्यूटी लगी थी। वे अपना लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा भी कर चुके थे। गोंडा मेडिकल कॉलेज के ऑन-ड्यूटी डॉक्टर आफताब आलम ने बताया कि "शिक्षक विपिन यादव को बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। प्रोटोकॉल के तहत हर जरूरी उपचार दिया गया, सीपीआर भी दिया गया, लेकिन हालत खराब होने पर लखनऊ रेफर करना पड़ा।"

विपिन यादव (फाइल फोटो)।

जिला अस्पताल में मौजूद डीएम प्रियंका निरंजन। अमृत विचार

रास्ते में बिगड़ी थी तबीयत : डीएम

डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि विपिन यादव सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे और रास्ते में ही उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल, फिर गोंडा मेडिकल कॉलेज और अंत में लखनऊ भेजा गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। उन्होंने काम के दबाव में विपिन के जहरीला पदार्थ खाने की खबर का खंडन किया है।

मुख्य राजस्व अधिकारी को सौंपी गई जांच

इस संवेदनशील मामले की गहन जांच के लिए जिलाधिकारी ने मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। डीएम ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जायेगी। शिक्षकों में शोक की लहर है।

एसआईआर में शिथिलता पर 55 बीएलओ का वेतन अदेय

- **छपिया, बेलसर वजीरगंज, करनैलगंज व कटरा बाजार के बीएलओ शामिल**
- **खंड शिक्षा अधिकारियों की रिपोर्ट पर बीएसए ने की कार्रवाई**

गोंडा : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लापरवाही बरतने वाले पर जिले की चारों तहसीलों के 55 बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। एसडीएम व खंड शिक्षा अधिकारियों की रिपोर्ट पर बीएसए ने इन सभी का वेतन अदेय कर दिया है। 51 बीएलओ का एक दिन व 4 बीएलओ का दो दिन का वेतन अदेय किया गया है। वेतन अदेय करने के साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी से तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण भी मांगा है। स्पष्टीकरण न मिलने पर एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी गयी है।

विधानसभा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को आगामी चार दिसंबर तक पूरा किया जाना है। एसआईआर कार्य में जिला काफी पीछे चल रहा है। जिला प्रशासन इस कार्य को समय से पूरा कराने को लेकर पूरा जोर लगा रहा है। जिले की सातों विधानसभाओं में बूथवार बीएलओ लगाए गए हैं। उन्हें घर घर जाकर फॉर्म वितरण करने और मतदाताओं से उनका डाटा भरवाकर उसका डिजिटाइजेशन कराना है। जिला प्रशासन की मानें तो अब तक 80 प्रतिशत से अधिक फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं और करीब एक तिहाई मतदाताओं की ऑनलाइन फीडिंग भी हो चुकी है। बावजूद इसके कुछ बीएलओ ऐसे हैं जिन्होने अभी अपना काम ही नहीं शुरू किया है। उनकी लापरवाही से पूरे जिला प्रशासन की किरकिरी हो रही है।

बीएलओ की निगरानी के लिये लगाए गए अधिकारियों ने 23 व 23 नवंबर को एसआईआर कार्य की समीक्षा की तो 55 बीएलओ की लापरवाही सामने आई। इसकी रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजी गयी थी। इस रिपोर्ट पर बीएसए डा रामचंद्र ने इन सभी का वेतन अदेय करते हुए उनसे तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया है।

न्यूज ब्रीफ

एंटी-रोमियो टीम की कार्रवाई तेज

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत पुलिस की एंटी-रोमियो टीम ने सोमवार को क्षेत्र में अभियान चलाया। टीम ने बाजार, स्कूल-कॉलेजों के आसपास तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर मनचलों पर सख्ती दिखाई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चली इस कार्रवाई में टीम ने महिलाओं और छात्राओं से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 और अन्य सुरक्षा सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया। कोतवाली पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान संदिग्ध युवकों से पूछताछ की गई तथा शांति व्यवस्था भंग करने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई। पुलिस ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और अभियान लगातार जारी रहेगा।

मंगल गिरी बने आजाद अधिकार सेना के मंडल अध्यक्ष

धानेपुर, गोंडा, अमृत विचार : धानेपुर इलाके के ग्राम पंचायत त्रिलोकपुर के मजरा बाबा मठिया के रहने वाले मंगल गिरी गोस्वामी को आजाद अधिकार सेना का मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। गोस्वामी ने बताया कि आजाद अधिकार सेना की राष्ट्रीय महासचिव नूतन ठाकुर की ओर से पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण को देखते हुए उन्हें देवी पाटन मंडल का मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बताया कि पार्टी की ओर से समाज में होने वाले अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार के विरोध में एवं आम नागरिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है उसको वह बखूबी निभायेंगे।

घर में घुसकर महिला की पिटाई

इटियाथोक, गोंडा। इटियाथोक थाना क्षेत्र के वादीपुर की रहने वाली महिला ने घर में घुसकर विपक्षी पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने पर शिकायती पत्र देकर न्याय की मांग की है। दिए हुए शिकायती पत्र के अनुसार गांव के ही रघुनंदन पुत्र सत्रोहन ने बच्चों के विवाद को लेकर रात्रि 9:00 बजे घर में घुसकर लाठी व डंडे से मारा पीटा है। पीड़िता अपने बच्चों के साथ घर में अकेली रहती है। उसका पति रोजी–रोटी के लिए बाहर है। विपक्षी दुष्ट प्रवृत्ति का आदमी है। पीड़ित महिला ने यह भी कहा है कि गांव में कई महिलाओं को मार चुका है। उसे व उसके बच्चे को जान से मार डालने की धमकी दी है।

निजी शिक्षण संस्थानों में भी हो रोड सेफ्टी क्लब का गठन

गोंडा, अमृत विचार : मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रश्मि वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सीओ ट्रैफिक, एआरटीओ प्रवर्तन, डिप्टी सीएमओ, जेई पीडब्लूडी के साथ चीनी मिलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के ही तरह प्रत्येक निजी शिक्षण संस्थानों में भी रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया जाये। जिससे सभी छात्र–छात्रायें यातायात नियमों के प्रति जागरूक हो सकें। इमरजेंसी मेडिकल एक्शन प्लान के लेकर अवगत कराया गया कि वर्तमान में जनपद में प्रत्येक 16 ब्लॉक पर आकस्मिक सेवा के लिये दो, दो ऐम्बुलेंस आवंटित है। जिले में कुल 3 एएलएस एम्बुलेंसेस आवंटित हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में मेडिकल कॉलेज में 420 बेड व 9 वेंटिलेटर, निजी चिकित्सालयों यथा एससीपीएम में 300 बेड व 10 वेंटिलेटर, आरएन पाण्डेय चिकित्सालय में 100 बेड व 3 वेंटिलेटर, अवध चिकित्सालय में 100 बेड व 2 वेंटिलेटर तथा गोनार्द चिकित्सालय में 150 बेड व 1 वेंटिलेटर की व्यवस्था है।

एसआईआर के कार्य में आई तेजी

तरबगंज, अमृत विचारः तरबगंज ब्लाक क्षेत्र मे एसआईआर का कार्य तेज हो गया है। सभी प्राथमिक व कम्पोजिट विद्यालय में कैम्प लगाकर बीएलओ फार्म भर रहे हैं। डीएम की सख्ती का असर साफ दिखाई पड रहा है। कम्पोजिट विद्यालय धौरहराघाट में प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष आरडी तिवारी की अगुवाई में कैम्प लगाकर बीएलओ द्वारा गांव के मतदाताओं का फार्म भराया जा रहा है। जिसमें बीएलओ शिक्षामित्र दीपचन्द्र मिश्र, सहायक अध्यापक शालू, शिक्षामित्र अमिता देवी सहित कई लोग शामिल हैं। कम्पोजिट विद्यालय गौहानी में बीएलओ पति द्वारा कैम्प लगाकर गांव के मतदाताओं का फार्म भरवाया जा रहा है जिसमे शिक्षामित्र के पति संतोष पाण्डेय व रविन्द्र पाण्डेय शामिल है। वहीं सेझिया अकबरपुर, रामपुर टेंगरहा, रांगी, किन्धौरा करनीपुर, घांचा, सुसेला, जुझारीपुर आदि में मतदाता पहचान पत्र के साथ फार्म भरवाने की जिम्मेदारी बीएलओ के साथ ग्राम प्रधान ने सम्भाल रखी है। गांवों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है। जिससे कार्य तेजी से चल रहा है। तरबगंज के सभी गांवों में कैम्प लगाकर फार्म भरवाया जा रहा है। बीडीओ तरबगंज रवि कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी बीएलओ से साफ शब्दों में बता दिया गया कि किसी भी हालात में अन्तिम तारीख तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। लापरवाही करने वाले बीएलओ खुद जिम्मेदार होंगे।

तरबगंज में एसआईआर फार्म भरते बीएलओ। अमृत विचार

एसआईआर में कोटेदारों को भी मिली जिम्मेदारी

करनैलगंजः नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक चल रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान में अब कोटेदारों की भी जिम्मेदारी बढ़ा दी गई है। बीएलओ के सहयोग में सभी कोटेदारों को बूथ स्तर पर तैनाती का निर्देश दिया गया है, ताकि मतदाता सूची संशोधन कार्य समय पर और सटीक रूप से पूरा हो सके।उधर, पाँच सहायक अध्यापकों द्वारा बीएलओ के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संस्तुति करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को पत्र भेजा गया है। आरोप है कि संबंधित बीएलओ अपने कार्यों में लापरवाही बरत रहे थे। एसडीएम नेहा मिश्रा ने करनैलगंज तहसील क्षेत्र के चारों पूर्ति निरीक्षकों के साथ बैठक कर सभी कोटेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को प्राथमिकता से निपटाया जाए। लापरवाही मिलने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

तीन हजार किसानों को तीन करोड़ से अधिक का भुगतान

संवाददाता, मनकापुर, गोंडा

अमृत विचारः मनकापुर चीनी मिल दत्तौली ने गन्ना किसानों को बड़ा राहत देते हुए 20 नवम्बर तक क्रय गए गन्ने का मूल्य भुगतान कर दिया है। मिल प्रशासन ने कुल 373.24 लाख की राशि 3,312 किसानों के बैंक खातों में 24 नवम्बर को भेज दी है। मिल के अधिशासी अध्यक्ष अजय दूबे ने बताया कि बलरामपुर चीनी मिल्स ग्रुप किसानों के भुगतान के मामले में हमेशा अग्रणी रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि मिल में साफ-सुथरा, जड़-मिट्टी रहित तथा अगोला मुक्त गन्ना की आपूर्ति करें और गन्ने को हरे बंधन से न बांधें, जिससे मिल संचालन सुचारू रहे। अधिशासी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि मिल किसानों के हितों को प्राथमिकता देती है और गन्ना खेती के विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न योजनाएं लागू करती रहती है। किसानों का भुगतान होने से वे संतुष्ट नजर आए।

श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का गवाह बनी गोचारण भूमि

- **समारोह का लाइव प्रसारण देख पुलकित दिखे राम भक्त**

गोंडा, अमृत विचारः अयोध्या में श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ आज पूरा श्रीरामनगरी भक्ति, रोमांच और राष्ट्रीय ध्यान का केंद्र बना रहा, जहां हजारों भक्तों के जयघोष के बीच यह क्षण ऐतिहासिक आध्यात्मिक उत्सव में बदल गया। मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पंचमी, जिसे विवाह पंचमी के रूप में भगवान श्रीराम और माता सीता के दिव्य विवाह दिवस के तौर पर मनाया जाता है, ने इस उल्लास को और भी पावन बना दिया। अयोध्या में भक्ति का चरम सुबह से ही सरयू तट से लेकर श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक जय श्रीराम के जयघोष, घंटा-घड़ियाल और वैदिक मंत्रोच्चार गूंजते रहे, जिनके बीच मंदिर के सुनहरे शिखर पर 21 फुट के भगवा ध्वज का आरोहण हुआ।

ध्वजारोहण के इस ऐतिहासिक क्षण के लिए पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया, सड़कों पर रोशनी, पुष्प सज्जा और सांस्कृतिक स्वागत द्वारों ने तीर्थनगरी को दीपोत्सव जैसी आभा से भर दिया। इस समारोह में गोंडा के सौ से अधिक राम भक्तों को शामिल गया गया था। शामिल होने गए विहिप के प्रांतीय नेता राकेश वर्मा ने बताया कि सभी लोग राम जन्मभूमि आंदोलन के गवाह हैं। किसी ने भाग लिया तो किसी ने अपना परिवार खोया था। 500 वर्षों के बाद यह स्वप्न साकार हुआ है।

84 कोसी सीमा में गोंडा की रौनक अयोध्या की 84 कोसी शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक परिधि का प्रमुख अंश होने के नाते गोंडा जनपद में भी आज दिनभर विशेष उल्लास और आस्था का माहौल नजर आया। नगर और कस्बों के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजन, भजन-कीर्तन, शोभायात्राओं और राम दरबार की झांकियों के माध्यम से लोगों ने स्वयं को सीधे श्रीराम जन्मभूमि की दिव्यता से जुड़ा महसूस किया। गोंडा में स्थानीय रामलीला समितियों, संतों और सामाजिक संगठनों ने विवाह पंचमी और ध्वजारोहण के योग पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें राम-सिया विवाह की झांकी और संध्या आरती मुख्य आकर्षण रहे। बाजारों, मंदिरों और मुख्य मार्गों पर भगवा ध्वज, पुष्पमालाएं, तोरणद्वार और विद्युत सजावट के बीच महिलाओं ने मंगल गीत और सुहाग के गीत गाकर जन-जन की आस्था को स्वर दिया।

शास्त्रों के अनुसार मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी को राम और सीता के दिव्य विवाह की तिथि के रूप में मनाया जाता है, और इस वर्ष यही तिथि श्रीराम मंदिर ध्वजारोहण के साथ दुर्लभ संयोग लेकर आई। भक्तों ने इसे धर्म और संस्कृति के पुनर्जागरण का दिवस मानते हुए अपने घरों और मंदिरों में राम-सीता विवाह की प्रतीकात्मक रस्में, हवन और मंगलाचार के साथ मनाया, मानो अयोध्या और 84 कोसी क्षेत्र एक साथ वैवाहिक बारात के रूप में झूम उठे हों।

मंडलायुक्त ने किया एसआइआर का निरीक्षण

निरीक्षण करते कमिश्नर। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचारः देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने सोमवार की शाम मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सबसे पहले विकास भवन, गोण्डा पहुंचकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और पुनरीक्षण कार्य को तेज गति से गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूर्ण हों, इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी फील्ड स्तर पर सतर्कता रखें।

समीक्षा के बाद आयुक्त श्री सुशील तहसील सदर पहुंचे, जहां उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीएम के साथ पुनरीक्षण कार्यक्रम की वास्तविक प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों, फार्मों और प्रगति रिपोर्ट को बारीकी से जांचते हुए निर्देशित किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके उपरांत आयुक्त ने शहर गोंडा के पोलिंग बूथ संख्या 89, 86, 88 और 83 का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां उन्होंने पुनरीक्षण कार्य में लगे बीएलओ से फार्मों के डिजिटाइजेशन की स्थिति, नए मतदाताओं के पंजीकरण और त्रुटि संशोधन से संबंधित जानकारी ली।

करनैलगंज मंडी का संचालन बेपटरी

संवाददाता, करनैलगंज, गोंडा

अमृत विचार : नवीन गल्ला एवं फल-सब्जी मंडी की व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है। अनियमितताओं पर कार्रवाई करते हुए एसडीएम द्वारा मंडी सहायक को हटाने के बाद व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी मंडी निरीक्षक को दी गई थी, लेकिन 18 दिन बीतने के बावजूद निरीक्षक ने जिम्मेदारी लेने से इंकार कर दिया। इससे वसूली ठप पड़ गई है और अतिक्रमण इतना बढ़ गया है कि पूरी मंडी उसके शिकंजे में आ गई है।

एसडीएम नेहा मिश्रा ने हाल ही में मंडी का निरीक्षण कर गंदगी, अवैध कब्जा, अवैध दुकानदारों की भरमार और उनसे की जा रही मनमानी वसूली जैसी गंभीर अनियमितताएं पकड़ी थीं। इसके बाद अक्टूबर में कार्रवाई करते हुए कर वसूली देख रहे मंडी सहायक अभय श्रीवास्तव को हटाकर कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। उनकी जगह मंडी निरीक्षक अजीत गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई थी। मगर 07 नवंबर को निरीक्षक अजीत गुप्ता ने एसडीएम को पत्र भेजकर यह कहते हुए हाथ खड़े कर दिए कि जब तक पिछले कई वर्षों की पत्रावलियां उपलब्ध नहीं कराई जातीं, तब तक वह व्यवस्था नहीं संभाल सकते। मंडी से जुड़े जानकारों का दावा है कि निरीक्षक द्वारा मांगी गई कुछ पत्रावलियां मंडी में हुए लगभग सवा दो करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जुड़ी हैं और इन्हीं पत्रावलियों के गायब होने या नष्ट कर दिए जाने की आशंका जताई जा रही है।

करनैलगंज मंडी स्थल। अमृत विचार

- **मंडी निरीक्षक ने चार्ज लेने से किया इंकार, वसूली ठप, अतिक्रमण व गंदगी से व्यापारी परेशान**

> मंडी में अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई जारी है। जिम्मेदारी से बचने का कोई भी प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। व्यवस्था दुरुस्त करना प्राथमिकता है और इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।
> **-नेहा मिश्रा,** उपजिलाधिकारी करनैलगंज

> पिछले वर्षों की पूर्ण पत्रावलियां उपलब्ध कराए बिना जिम्मेदारी संभालना संभव नहीं है। दस्तावेज स्पष्ट होंगे तभी पारदर्शी ढंग से काम किया जा सकता है।
> **-अजीत गुप्ता,** मंडी निरीक्षक

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया जागरूक

बूथ पर एसआईआर फार्म भराते भाजपा पदाधिकारी। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी प्रदेश एवं क्षेत्र नेतृत्व के निर्देश पर मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान के कार्य को गति देने के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। बूथों पर हो रहे कार्य उसमें बीएलओ, बूथ अध्यक्ष तथा बूथ प्रवासी की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मण्डल एवं बूथ प्रवास के अन्तर्गत विधानसभा तरबगंज के नगदही, अकोहरी आदि बूथों पर जिला महामंत्री, जिला संयोजक मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान भाजपा राकेश तिवारी के नेतृत्व में जिला उपाध्यक्ष राजेश रायचंदानी, नीरज मौर्या, मण्डल अध्यक्ष बेलसर राकेश भारती मण्डल महामंत्री अमदही संदीप तिवारी सहित कार्यकर्ताओं के साथ भ्रमण प्रवास करते हुए कार्यकर्ताओं से सम्पर्क संवाद करते हुए भारत निर्वाचन आयोग के इस राष्ट्र हित कार्य में पार्टी के राष्ट्र प्रेमी कार्यकर्ताओं की अधिक से अधिक सहभागिता हो। मतदाता सूची के निर्माण मे सभी दायित्व धारी, पार्टी कार्यकताओं को प्राण प्रण से लगकर 30 नवम्बर तक प्रत्येक घर के प्रत्येक सदस्य का गणना फार्म भरा कर जमा कराने का आवाहन किया गया।

आठ वर्षीया बालिका के साथ छात्र ने किया दुष्कर्म

संवाददाता, मनकापुर, गोंडा

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की 8 वर्षीय मासूम के ननिहाल में रह कर पढ़ाई कर रहे 15 वर्षीय छात्र ने दुष्कर्म किया। मामले में पीड़िता के मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी छात्र को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी छात्र जनपद बलरामपुर के थाना रेहरा क्षेत्र अंतर्गत बन्धोवीर गांव के कुसमौरा टोला में रहने वाला छात्र पढ़ाई करने के लिए अपने ननिहाल में रहता था। पड़ोस में रहने वाली 8 वर्षीय मासूम लड़की सोमवार शाम करीब 4 बजे साइकिल में हवा भरवाने के लिए घर से निकली थी जिसे उसने खींचकर बलपूर्वक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी तरह जब वहां से निकल कर घर आई और पूरा घटना क्रम अपनी मां को बताया। पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है। मामले में प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

तीन पग भूमि का दान कर राजा बलि ने बढ़ा दिया दान का महत्व

इटियाथोक : इटियाथोक क्षेत्र के ग्राम पंचायत करूवापारा में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ चल रहा है। 28 नवंबर को विशाल भंडारे के साथ कथा की समाप्ति होगी। कथा पर मुख्य विकास आचार्य रामानंद दास जी महाराज के मुखारविंद से कथा चल रही है। आचार्य रामानंद जी महाराज ने कथा के चौथे दिन के प्रसंग में कहा कि देवताओं की प्रार्थना पर भगवान हरि विष्णु महर्षि कश्यप और माता अदिति के पुत्र के रूप में वामन अवतार के रूप में प्रकट हुए। जब राजा बलि एक महायज्ञ कर रहे थे वामन रूपी भगवान राजा बलि की आयोजित यज्ञ में पहुंचे और राजा बलि से दान मांगा। राजा बलि अपने स्वभाव के अनुसार दान देने से पीछे नहीं हटे और उन्होंने तीन पग भूमि वामन भगवान को देना सहर्ष स्वीकार कर लिया।

सहूलियत | लेखाधिकारी न होने से अटका था वेतन, डीएम के हस्तक्षेप के बाद शिक्षकों को मिली राहत

महीने भर की जद्दोजहद के बाद 10 हजार शिक्षकों का वेतन रिलीज

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार IMPACT

अमृत विचार : महीने भर की जद्दोजहद के बाद जिले के 10 हजार शिक्षकों का वेतन आखिरकार रिलीज हो गया। मंगलवार को ट्रेजरी से उनका वेतन बैंक खातों में भेज दिया गया, जिससे लंबे समय से चल रही चिंता दूर हुई। शिक्षक अक्टूबर माह से वेतन न मिलने के कारण आर्थिक संकट से गुजर रहे थे। वेतन अटकने का मुख्य कारण जिले में लेखाधिकारी का पद खाली होना था। लेखा संबंधी अनुमोदन न होने से वेतन बिल पास नहीं हो पा रहा था, जिससे भुगतान की प्रक्रिया लगातार लंबित चल रही थी। अमृत विचार ने शिक्षकों की पीड़ा को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। शिक्षक संघर्ष समिति ने कई बार अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर वेतन निर्गत करने की मांग उठाई थी।

समस्या गंभीर होती देख जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने हस्तक्षेप किया था और अस्थायी व्यवस्था के तहत बीएसए को वित्त लेखाधिकारी का प्रभार सौंपकर तुरंत वेतन निर्गत करने के निर्देश दिए थे। आदेश के बाद बीएसए द्वारा वेतन बिल तैयार कराए गए और मंगलवार को ट्रेजरी से शिक्षकों के बैंक खातों में भुगतान भेज दिया गया। वेतन जारी होने के बाद शिक्षकों ने राहत जताई।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उदयभान वर्मा ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जिले में लेखाधिकारी की नियमित तैनाती की मांग भी उठाई। उनका कहना है समय पर वेतन न मिलने से न सिर्फ शिक्षक परेशान होते हैं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

लेखाधिकारी न होने से 10 हजार शिक्षकों को नहीं मिला वेतन

गंभीर रोगों से लड़ रहे शिक्षकों की पीड़ा बढ़ी, पैसे के अभाव में इलाज प्रभावित

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : मनकापुर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय जैदवा में तैनात शिक्षक सुरजीत मौर्य कैंसर रोग से पीड़ित हैं। डॉक्टरों ने उन्हें ऑपरेशन कराने की सलाह दी है लेकिन पैसे अभाव में उनका इलाज प्रभावित है। उन्हें अक्तूबर महीने से वेतन नहीं मिला है। नवंबर का वेतन मिलने की उम्मीद भी नहीं दिखाई दे रही है।

मनकापुर के ही प्राथमिक विद्यालय बसवरिया मेहरबान में तैनात शिक्षक सन्तोष कुमार की किडनी खराब है। उनका इलाज चल रहा है। प्रतिदिन डायलिसिस हो रही है लेकिन वेतन नहीं मिलने से आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और पैसे के अभाव में इलाज प्रभावित हो रहा है। परिजन भी परेशान हैं।

न किसी समस्या से परेशान हैं। किसी को इलाज कराना है तो किसी को बैंक लोन की किश्त भरनी है मगर वेतन नहीं मिला है। वित्त लेखाधिकारी बेसिक रहे सिद्धार्थ दीक्षित के तबादले के बाद बेसिक शिक्षा विभाग जिले में लेखाधिकारी की तैनाती नहीं कर सका है। कोई भी अधिकारी गोंडा आने को तैयार नहीं है। शिक्षकों की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने खाद्य विभाग के वित्त लेखाधिकारी राजीव राय को बेसिक का कार्यभार ग्रहण करने का आदेश ... इंकार कर दिया। ऐसे में शिक्षकों के वेतन भुगतान की उम्मीद पर पानी फिरता दिखाई रहा है।

जिले में लेखाधिकारी की तैनाती न होने से बेसिक शिक्षा विभाग के लगभग 10 हजार शिक्षकों का वेतन पिछले एक महीने से अटका हुआ है। वेतन न मिलने से शिक्षक आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं और दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो गया है। विभागीय प्रक्रियाएं लंबित होने के कारण पूरा भुगतान सिस्टम ठप पड़ा है। ... खर्चों के लिए हर माह की आय पर निर्भर रहते हैं। कई शिक्षक इलाज के अभाव में परेशान हैं, वहीं कुछ लोग अपने नियमित मेडिकल चेकअप तक नहीं कर पा रहे। इससे शिक्षकों में गहरी नाराजगी और चिंता व्याप्त है। बैंक लोन और ईएमआई न चुका पाने की वजह से शिक्षकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी बढ़ गया है। कई शिक्षकों को बैंकों से नोटिस मिलने लगे हैं। घर का किराया, बिजली बिल और अन्य जरूरी भुगतान भी समय से न

> जनपद में लेखाधिकारी के न होने से करीब 10 हजार शिक्षक अक्टूबर माह के वेतन से वंचित हैं। कई शिक्षक गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। [illegible]
> -उदयभान वर्मा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

अमृत विचार में प्रकाशित खबर। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

गन्ना क्रय केंद्र पर चौकीदार की मनमानी के खिलाफ भड़के किसान

महराजगंज तराई, बलरामपुर, अमृत विचार। गन्ना क्रय केंद्र पटोहाकोट पर चौकीदार द्वारा बैलगाड़ियों से गन्ना चोरी करने के आरोपों को लेकर ग्रामीण गन्ना किसानों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में ग्राम बरगदही निवासी वीरपाल सिंह, मुन्ना, शिवप्रसाद, कृपाराम, बेकारू, नकछेद, सुशीला, बड़का समेत कई किसान शामिल रहे। किसानों ने आरोप लगाया कि उनके द्वारा लाए गए गन्ने को चौकीदार अक्सर बैलगाड़ियों से चोरी कर लेता है। इसकी शिकायत कई बार कांटा बाबू से भी की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और चौकीदार को हटाया जाए। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला गन्ना अधिकारी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। जिला गन्ना अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि चौकीदार के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच कराई जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम हरनहवा परसिया के मजरा सिरसिहवा में शुक्रवार को गांव के उत्तर–पूर्व स्थित सागौन के बाग में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान गांव के ही चंद्रभान गौतम (30) पुत्र प्रभु गौतम के रूप में हुई है। चंद्रभान मूल रूप से भगवानपुर शिवपुर पचपेड़वा का निवासी था और अपने ननिहाल सिरसिहवा में रहता था। परिजनों के अनुसार मृतक की पत्नी पूनम का रो–रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंचे उप निरीक्षक रमाकांत त्रिपाठी ने बताया कि अभी तक किसी की ओर से तहरीर नहीं मिली है। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से शराब भी मिली है और वह नशे का आदी बताया जा रहा है। घटना की पुष्टि ग्राम प्रधान संतोष चौधरी ने की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किशोरियों को शिक्षित बनाने के लिए हुई चर्चा

बलरामपुर, अमृत विचार। देहात इंडिया बलरामपुर के तत्वाधान में मंगलवार को ब्लॉक बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत ज्यौनार में आंगनबाड़ी केंद्र के परिसर में किशोरी समूह बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों से जुड़े मुद्दों, किशोरी समूह के उद्देश्यों, बाल अधिकारों, बाल विवाह, बाल श्रम, टोल–फ्री हेल्पलाइन तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। देहात संस्था के प्रोग्राम एसोसिएट विशाल उनियाल ने कहा कि ऐसे बालहित समाज का निर्माण आवश्यक है, जहाँ बच्चों के अधिकार सुनिश्चित हों और वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें। किशोरी समूह लीडर सोनी ने कहा कि बेटियों की शिक्षा रोकना समाज के विकास में बाधक है, इसलिए सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक होना चाहिए। बैठक में शालू, नंदिनी, गुड़िया, रूपाली, ईशा, दीपाली, उन्नति, खुशबू, परी, वंदना, मिताली, खुशी सहित ग्राम की महिलाएँ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सोनम कन्नौजिया एवं देहात संस्था से विशाल उनियाल उपस्थित रहे।

आनलाइन जमा करें जीवित प्रमाण पत्र

सीतापुर। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि सभी पेंशनर जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में जमा करें, जो पेंशनर जिस माह में जीवन प्रमाण पत्र जमा करता है, अगले वर्ष उसी माह में जमा करें। जीवन प्रमाण पत्र जमा करने कोषागार नहीं आना है, अपने मोबाइल से ही जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन किया जा सकता है। इसके लिए अपने मोबाइल में जीवन प्रमाण ऐप और आधार फेस आरडी ऐप प्ले स्टोर से डॉउनलोड करें।

मजीद मोड़ से नहर बाला गंज तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

नगर पालिका की बड़ी कार्रवाई, कड़ी सुरक्षा में ढहे अवैध निर्माण

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। नगर के मुख्य व्यस्त क्षेत्र मजीद मोड़ में मंगलवार को नगर पालिका परिषद ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। सुबह करीब 11 बजे नगरपालिका का बुलडोज़र बाजार में पहुँचते ही पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद मजीद मोड़ से पानी टंकी होते हुए नहर बाला गंज तक सड़क किनारे के अवैध निर्माण चरणबद्ध तरीके से हटाए गए।

कार्रवाई के दौरान नालियों पर बने छज्जे, शेड और पक्के-कच्चे निर्माण जेसीबी की सहायता से ध्वस्त किए गए। कई स्थानों पर स्थिति भांपते हुए लोगों ने स्वयं ही अपना अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया। बाजार में दुकानदार और घरों के सामने से सामान समेटते लोगों की भारी हलचल दिखी।

बलरामपुर नगर में अतिक्रमण हटाता नगर पालिका का बुलडोजर। अमृत विचार

अभियान के समय भीड़ बढ़ने लगी तो पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस की मौजूदगी में पूरा अभियान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि शहर को सुव्यवस्थित बनाने और यातायात सुचारु रखने के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इसी बीच कुछ स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि पूर्व चिन्हांकन वीर विनय चौराहा, बहराइच रोड, गोंडा मार्ग और तुलसीपुर मार्ग पर हुआ था, लेकिन कार्रवाई की शुरुआत मुस्लिम बहुल इलाकों से की गई, जिससे असंतोष देखा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभियान क्रमबद्ध है और चिन्हित सभी क्षेत्रों में कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाएगी।

एसआईआर अभियान तेज, टीम ने घर-घर किया मतदाता सत्यापन

- गोविंदबाग ईदगाह, पुरानिया तालाब व गद्दुरहवा में किया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मंगलवार को नगर के मोहल्ला गोविंदबाग ईदगाह, पुरानिया तालाब, गद्दुरहवा सहित आसपास के क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा व्यापक सत्यापन कार्य किया गया। अभियान के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि शाबान अली, सभासद शमशाद अहमद और तारिक पठान भी मौके पर उपस्थित रहे तथा टीम को सहयोग प्रदान किया।

बीएलओ मनोज कुमार मिश्रा और रोहित देव त्रिपाठी ने घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम, पते

गहन मतदाता पुनरीक्षण में लोगों को उपयोगी जानकारी देते शाबान अली। अमृत विचार

और आयु की जानकारी का मिलान किया। पात्र युवाओं के नए नाम जोड़ने, मृतक तथा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और त्रुटियों के संशोधन की प्रक्रिया को विशेष प्राथमिकता दी गई।

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों में मतदाता सूची सुधार के प्रति उत्साह देखा गया और उन्होंने स्वेच्छा से आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए। अधिकारियों ने बताया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाता है और यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।

महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले जारी

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करतीं डॉ. पूनम तिवारी। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचारः खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिला प्रशासन गोंडा के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय गोंडा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष अवसर पर आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 20 से 27 नवंबर 2025 तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के छठे दिन नॉकआउट राउंड मैचों का शुभारंभ उपक्रीड़ा अधिकारी अशोक सोनकर, डॉ. पूनम तिवारी और अनीता सोनकर ने संयुक्त रूप से किया। पहले मैच में वाराणसी ने अलीगढ़ को 2-0 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में आजमगढ़ की टीम ने लखनऊ को रोमांचक मुकाबले में 4-2 से हराया, जबकि तीसरे मैच में आगरा ने मेरठ को 1-0 से मात दी।इस अवसर पर मैच कमिश्नर आशीफ नजबी, बहराइच मंडल सचिव आयुब शाह, सीनियर रेफरी एवं मऊ फुटबॉल सचिव हाजी मनुव्वर, व्यायाम शिक्षक एवं फुटबॉल संयोजक संजय सिंह, खेल सचिव राजेश पांडेय, ताइक्वांडो प्रशिक्षक डॉ. प्रत्यूष राज, खेलो इंडिया प्रशिक्षक मोहम्मद तौकीर, क्रिकेट प्रशिक्षक विशाल तिवारी, हरिओम जायसवाल और रोमी साहू मौजूद रहे।

11 जोड़ों ने लिए सात फेरे

सामूहिक विवाह महोत्सव में वर–वधू को आशीर्वाद देते अतिथि गण। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। छोटा धुसाह स्थित समय माता मंदिर परिसर में सोमवार को राम विवाह उत्सव के उपलक्ष्य में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। सामाजिक समरसता और पारंपरिक वैवाहिक संस्कारों को संजोने वाले इस कार्यक्रम में ग्यारह जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह बंधन में बंधकर नया जीवन शुरू किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रतिवर्ष की भांति वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा क्षेत्रीय सह-संयोजक (अवध क्षेत्र) विनय कुमार मिश्रा ने किया। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पहुँचकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। विवाह संस्कारों के बाद वर–वधू को गृहस्थ जीवन की आवश्यकताओं हेतु बेड, गद्दा, रजाई, सोफा, श्रृंगारदान, जेवरात सहित उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। विनय मिश्रा ने बताया कि बलरामपुर व श्रावस्ती के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की ग्यारह बेटियों का इस वर्ष भी विधिवत विवाह कराया गया है। कहा कि गरीब व निराश्रित कन्याओं का विवाह कराना ही उनके जीवन का संकल्प है, और भविष्य में भी यह अभियान निजी व्यय से जारी रहेगा।

मंदिर परिसर में भण्डारे का आयोजन भी हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, भाजपा नेत्री शेरावाली शुक्ला, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, नगर पालिका चेयरमैन धीरेन्द्र प्रताप सिंह (धीरू) सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। संचालन रमेश पाठक एडवोकेट ने किया।

एसआईआर अभियान में उमड़ी जन सहभागिता

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को विकास खंड तुलसीपुर की ग्रामसभा कोहरौड़ा में बूथ संख्या 282 पर मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोच सकेत मिश्रा ने ग्रामीणों के साथ मिलकर मतदाता सूची सुधार प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

आयोजन में चन्द्रगोपाल, अशोक मिश्रा, उदयभान, श्रमवीर सिंह, बीपत साहू, राजेश शाहू, दिनेश, सूरजलाल गुप्ता (प्रधान, बदलपुर), विनय मिश्रा (प्रधान, भभरी), रवि जैसवाल (प्रधान प्रतिनिधि, परसिया कला), पूर्व प्रधान दुंदरा अटल वर्मा एवं मदन तिवारी सहित कई सम्मानित जन उपस्थित रहे। इसी क्रम में धर्माराम नगर, मंडल गुमड़ी में भी बूथ संख्या 362 पर कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहां भी मुख्य अतिथि सदस्य

एसआईआर के बारे में लोगों को जानकारी देते विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा।

विधान परिषद साकेत मिश्रा की उपस्थिति में मतदाता शुद्धिकरण व जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मंडल अध्यक्ष रामनिवास वर्मा के आवास पर हुए कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख हेमंत जायसवाल, राजेश भारती, रंजीत गुप्ता, विजय श्रीवास्तव, मनीष कौशल तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दोनों स्थानों पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने व सुधार की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य अतिथि ने पात्र नागरिकों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कराने की अपील की।

छात्र बनेंगे सड़क सुरक्षा दूत, करेंगे जागरूक

रोड सेफ्टी क्लब की कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी। अमृत विचार

जरवा, बलरामपुर, अमृत विचार। सीमा क्षेत्र जरवा स्थित बसंत लाल स्मारक इंटर कॉलेज में जिला विद्यालय निरीक्षक एवं परिवहन विभाग के निर्देशानुसार रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों चंचलदीप, रविता, निशा, अंशु, विद्या, आवेश, ओम, शनि, सतीश, मोहन समेत कई छात्र-छात्राओं ने सदस्यता ली। अब ये छात्र विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में बच्चों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाकर उन्हें जागरूक करेंगे। प्रधानाचार्य शब्बीर हसन ने कहा कि बच्चों को सड़क सुरक्षा की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय में प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से ट्रैफिक रूल्स से अवगत कराया जाएगा। कार्यशाला में अध्यापक पूजा, आरती, राजेश, हरि शंकर सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

सेंट जेवियर्स विद्यालय में हुई कार्यशाला

कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी और अधिकारीगण। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में बलरामपुर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों एवं नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर केंद्रित मिशन शक्ति के पाँचवें चरण के अंतर्गत जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य असीम रूमी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर उमेश सिंह, महिला थाना प्रभारी पूनम यादव एवं एसआई प्रीति वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन दिव्यांशी कसौधन एवं वीरभद्र त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में कक्षा 10, 11 और 12 के छात्र उपस्थित रहे। छात्राओं आस्था, आयुषी, वर्तिका, अनुष्का व प्रशंसा द्वारा सड़क सुरक्षा पर बनाई गई आकर्षक रंगोली विशेष आकर्षण रही। प्रथम सत्र में महिला थाना प्रभारी पूनम यादव व एसआई प्रीति वर्मा ने बच्चों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, साइबर हेल्पलाइन 1930, एम्बुलेंस 102 सहित विभिन्न सेवाओं की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने मिशन शक्ति कक्ष, महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, एंटी रोमियो स्क्वाड आदि की भूमिका भी बताई।

राम विवाह पर आयोजित रामलीला मंचन में संवादों ने किया उल्लासित

संवाददाता, खरगूपुर, गोंडा

अमृत विचारः भंगहा में आयोजित श्री राम विवाह महोत्सव में मुनि विश्वामित्र आगमन, ताड़का वध, अहिल्या उद्धार, गंगा दर्शन का मंचन किया गया। मंचन के दौरान मुनि के किरदार में राकेश गोस्वामी द्वारा राम व लक्ष्मण को मांगने पर दशरथ के किरदार में विश्वनाथ वर्मा ने कहा कि 'वैसे तो मेरे चार पुत्र बूढ़ी आँखों के तारें हैं पर उसमें राम मेरा प्राणों से ज्यादा प्यारे हैं। इस पर विश्वामित्र क्रोधित होकर बोले 'टाल-टूल अच्छी नहीं इस अवसर नर नाथ या तो साफ जवाब दे या कर दे मेरे साथ'।

इतने में कुल गुरु वशिष्ठ के रूप में अक्षय गोस्वामी ने राजा दशरथ को समझाते हुए कहा कि ये तेरे युगल कुमारों को रण विद्या ज्ञान सिखाएंगे, आनंद दुचंद वहां होकर

राम विवाह उत्सव पर आयोजित रामलीला मंचन का दृश्य। अमृत विचार

आनंद सहित घर आएंगे। इतना सुनते ही राजा दशरथ ने महल से राम व लक्ष्मण को बुलाकर विश्वामित्र को सौंप दिया।

दूसरे दृश्य में सुबाहु का मंचन कर रहे अवधेश पाण्डेय ने कहा कि जिन दांतों का सूखा न दूध दुख होता उसे तोड़ने में, इसलिए शीघ्र वापस जाओ खुश हूं मैं तुझे छोड़ने में'। जवाब में राम के रूप में भानु गोस्वामी ने कहा कि 'यदि खुद को वीर समझते हो तो छोड़ो ममता प्राणों की, लो संभलो वर्षा होती है दशरथ नंदन के बाणों की'। राम विवाह महोत्सव में मंचित उक्त संवादों को सुनकर दर्शक तालियां बजाकर कलाकारों का हौसला बुलंद किया।

आयोजन

गुरु तेगबहादुर की स्मृति में विविध कार्यक्रमों संग हुआ अटूट लंगर

गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में मना 350वां शहीदी पर्व

संवाददाता, करनैलगंज, गोंडा

अमृत विचार : नगर के स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में गुरु तेगबहादुर जी 350वें शहीदी दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें नगर सहित आसपास क्षेत्रों के श्रद्धालु गुरुद्वारे में मत्था टेकने पहुंचे। संगत ने अरदास के साथ शहीदों को नमन किया और गुरुद्वारा परिसर में आयोजित अटूट लंगर में लोगों ने प्रसाद छका।

शाम को आयोजित विशेष कार्यक्रम में ज्ञानी प्रिंसिपाल सिंह पटियाला, ज्ञानी सोहन सिंह रूद्रपुर सहित कई रागी जत्थों ने गुरुवाणी कीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्ति रस में डुबो दिया। दीवान

करनैलगंज के गुरुद्वारा में अरदास करते लोग। अमृत विचार

में गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान और भाई मती दास, भाई सती दास व भाई दयाला जी की शहादत को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका त्याग मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत है।

साहित्यकार गणेश तिवारी, शायर मुजीब सिद्दीकी, मोहम्मद इकबाल अहमद, सरदार रतनदीप सिंह, हरजीत सिंह आदि ने गुरु महिमा का बखान करने के साथ उनके जीवन पर प्रकाश डाला। मंगलवार को गुरुद्वारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सिख समुदाय के लोगों ने सुबह गुरुद्वारा पहुंचकर कीर्तन दरबार और गुरुग्रंथ साहिब दरबार में मत्था टेका। इस बार गुरुद्वारे में इस कार्यक्रम के लिए विशेष तैयारियां की गई थी।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि गुड्डू सिंह, अनोखेलाल मोदनवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष गिरि, डा. अमित गुप्ता, गुरुद्वारा गोंडा के प्रधान राजिन्द्र सिह भाटिया, स.अजीत सिंह सलुजा, ज्ञानी अशोक सिंह, पृथ्वीपाल सिंह, जोगिंदर सिंह जानी, मनोहर सिंह छाबड़ा, हरजीत सिंह, भूपेंद्र सिंह, डॉ गुरदीप सिंह, डॉ. पुनीत सिंह, रमनदीप सिंह लवी, इंदरजीत सिंह, अविनाश सिंह सहित नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महिला सफाईकर्मियों को भेंट की सूट व साड़ी

- नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने किया वितरण

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। आदर्श नगरपालिका परिषद बलरामपुर में महिला सफाईकर्मियों के सम्मान एवं प्रोत्साहन हेतु मंगलवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू एवं अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र मौर्य ने सभी महिला सफाई कर्मचारियों को तीन-तीन सूट और साड़ियाँ प्रदान कर सम्मानित किया।

अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने बताया कि रोजमर्रा के उपयोग के लिए कर्मचारियों को दो साड़ियां और एक सूट, जबकि त्योहारों पर पहनने हेतु एक अतिरिक्त साड़ी व

महिला सफाईकर्मियों को सूट व साड़ी भेंट करते नगरपालिका अध्यक्ष। अमृत विचार

सूट उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका परिषद हमेशा सफाईकर्मियों के योगदान को सम्मान की दृष्टि से देखती है और उनकी सुविधा व कल्याण को प्राथमिकता देती है।

अध्यक्ष डॉ. धीरू ने कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महिला सफाईकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका परिश्रम ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखता है। कार्यक्रम में सफाई निरीक्षक दिवाकर पांडेय, सफाई लिपिक अरविंद सिंह, गौरव मिश्र, शिवम मिश्र तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए जनपद के 12 खिलाड़ी चयनित

गोंडा, अमृत विचार : अयोध्या के अंतर्राष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल, डाभासेमर में 25 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय टेबल टेनिस पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता के लिए जनपद से कुल 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। पुरुष वर्ग में चयनित खिलाड़ियों में अंकित यादव, अली रौनक सिंह, सागर शुक्ला, आकर्षित हल्दिया और दिव्यांश सिंह शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में अंशिका चौबे, निहारिका चौबे, विधि चतुर्वेदी, शिवांशी चौबे, मोहिनी द्विवेदी और नव्या चौबे का चयन हुआ है। सभी चयनित खिलाड़ी मंगलवार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अयोध्या रवाना हो गए। टीम के प्रबंधन की जिम्मेदारी डॉ. प्रत्यूष राज को सौंपी गई है। चयनित सभी खिलाड़ी टेबल टेनिस मॉडल टीम का नेतृत्व करेंगे और उनके यात्रा, आवास तथा भोजन की संपूर्ण व्यवस्था खेल विभाग द्वारा नि:शुल्क कराई गई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सुलतानपुर

पत्रांक: 621 / न0पा0परि0सुल0/2025–26 दिनांक 24 नवम्बर 2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद सुलतानपुर में उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभाग एतद्वारा ''नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन तथा स्वच्छता उपविधि 2018'' तत्सम्बन्धी और प्रासैंगिक अथवा आनुसंगिक मामले के लिए निम्नलिखित नियमावली / उपविधि बनाती है। नगरवासियों से अपील है कि निम्न नियमावली/उपविधि पर आपत्ति एवं सुझाव 30 दिनों के अन्दर नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है।

नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन तथा स्वच्छता उपविधि 2018 (प्रारूप) अधिसूचना

नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर ने उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 293 व 298 के अन्तर्गत व वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्गत **''ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम 2016''** के अन्तर्गत वांछित व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन एवं विनियमन हेतु उपविधि (प्रारूप) बनायी है।

यह उपविधि ठोस अपशिष्टों के संग्रहण, भण्ड़ारण, परिवहन, प्रसंस्करण Processing एवं निपटान (Disposal) तथा स्वच्छता सम्बन्धी प्रकरणों के सभी मामलों एवं वस्तुओं के विनियमन के सम्बन्ध में है। इस उपविधि (प्रारूप) की स्वीकृति नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर के बोर्ड के संकल्प दिनांक 15.09.2025 द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। इसके सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित से समाचार में प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। उपविधि का प्रारूप नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर के सफाई विभाग कार्यालय में निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध है व नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर की वेबसाइट http://www.sultanpurnpp.in पर देखी जा सकती है। इस सम्बन्ध में पारित संकल्प निम्नवत है–

1. **''संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ''**
   1. इस उपविधि का नाम नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर की ''नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन तथा स्वच्छता उपविधि 2018'' कहलाएगी तथा सरकारी गजट में प्रकाशन के दिनॉक ....से लागू/प्रभावी होगीं।
   2. यह उपविधि उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 के अन्तर्गत संशोधित होने की तिथि तक प्रभावी रहेगी। इस प्रकार के संशोधन स्थानीय समाचार पत्र में पर्याप्त नोटिस देकर प्रकाशित किये जायेंगे।

2. **''लागू होना''**

यह उपविधि नगर पालिका परिषद्, सुलतानपुर जनपद सुलतानपुर की सीमा में (भविष्य में विस्तारण के फलस्वरूप संशोधित सीमाएं इसमें सम्मिलित मानी जायेगी) लागू होगी एवं सभी सार्वजनिक स्थलों, सभी ठोस अपशिष्ट उत्पादन करने वालों, प्रत्येक स्वामित्व/अध्यासन वाले परिसर से सम्बन्धित व्यक्तियों पर जो नगर पालिका परिषद **सुलतानपुर** की सीमा में है पर लागू होगी।

3. इस उपविधि में जब तक कि इस संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो उपविधि एवं परिशिष्ट में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा निम्नवत् है–

1. **''अभिकरण या अभिकर्ता''** से तात्पर्य नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति या संस्था या एजेन्सी या फर्म या संविदाकर्त्ता से है, जो उसकी ओर से गलियों की सफाई और अपशिष्ट के संग्रह, प्रबंधन, परिवहन, भण्डारण, पृथक्कीकरण संग्रहण, यूजर चार्ज, शमन शुल्क के संग्रह आदि कृत्य का निर्वहन करें।

2. **''जैवनाशित अपशिष्ट(बायोडिग्रेडिबुल वेस्ट)''** से तात्पर्य जीवाणु या अन्य जीवित प्राणियों द्वारा अपघटित या नाषित किये जाने योग्य कूड़ा–कचरा या अपषिष्ट सामग्री से है। उदाहरण स्वरूप पेड़ पौधों/जानवरों से जनित अपशिष्ट जैसे रसोई अपशिष्ट, भोजन एवं फूलों का अपशिष्ट, पत्तियों बगीचों का अपशिष्ट, जानवरों का गोबर, मीट/मछली का अपशिष्ट अथवा अन्य कोई पदार्थ जो माइक्रो आर्गेनिज्म द्वारा डिग्रेड/डिकम्पोज हो सकता है।

3. **''जैवचिकित्सा अपशिष्ट (बायोमेडिकल वेस्ट)''** से तात्पर्य ऐसे अपशिष्ट से हों जो किसी प्राणी या जन्तु के निदान या उपचार के दौरान या अनुसंधान क्रियाकलापों में या जीवों के उत्पादन या परीक्षण में सृजित हों। इसके अन्तर्गत अनुसूची तीन में उल्लिखित श्रेणिया भी सम्मिलित है।

4. **''शुष्क अपशिष्ट से तात्पर्य''** बायो डिग्रेडिबुल अपशिष्ट और गली के निष्क्रिय कूड़ा करकट से भिन्न अपशिष्ट से है और जिसके अन्तर्गत री–साइक्लेबुल अपशिष्ट, नान–रीसाइक्लेबुल अपशिष्ट, ज्वलनशील अपशिष्ट अपशिष्ट और सेनेटरी नैपकिन और डाइपर आदि से है।

5 **''घरेलू परिसंकटमय(हजार्डस) अपशिष्ट''** से तात्पर्य घरेलू स्तर पर उत्पन्न संक्रामक/हानि कारक अपशिष्टोजैसे फेंके हुए पेंट के ड्रम, कीटनाशी के डिब्बे, सी0एफ0एल0 बल्ब, ट्यूब लाइटें, अवधि समाप्त औषधियॉ, टूटे हुए पारा वाले थर्मामीटर, प्रयुक्त बैटरियॉ, प्रयुक्त सुइयॉ तथा सिरिंज और संदूषित पटिट्यॉ आदि से है।

6. **''बायो–मीथेनेशन से तात्पर्य''** ऐसी प्रक्रिया से है, जिसमें माइक्रोबियल एक्शन द्वारा कार्बनिक पदार्थ कइन्जाइमी डीकम्पोजीशन/ब्रेकिंग डाउन होता है, जिसके कारण मीथेन से भरपूर बायोगैस का उत्पादन होता है।

7. **''द्वार–द्वार संग्रहण से तात्पर्य''** घरों, दुकानों वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों, संस्थागत या किसी अन्य गैर आवासीय परिसरों के द्वार तक जाकर ठोस अपशिष्ट का संग्रहण करना और जिसके अन्तर्गत किसी आवासीय सोसायटी, बहु मंजिलें भवन या अपार्टमेन्ट, बड़े आवासीय, वाणिज्यिक या संस्थागत काम्पलेक्स या परिसरों में भूतल पर प्रवेश द्वार या किसी अभिहित स्थल से ठोस अपशिष्ट का संग्रहण करने से है।

8. **''विकेन्द्रित प्रसंस्करण''** से तात्पर्य बायोडिग्रेडिबुल अपशिष्ट के प्रसंस्करण को अधिकतम करने के लिए बिखरी हुई सुविधाओं की स्थापना और उत्पादन के स्रोत से निकटतम रीसाइक्लेबुल सामग्रियों की प्रति प्राप्ति करने से है ताकि प्रसंस्करण या निपटान के लिए अपशिष्ट का न्यूनतम परिवहन करना पड़े।

9. **''ब्रांड ओनर से तात्पर्य''** ऐसी किसी व्यक्ति अथवा कम्पनी से है जो किसी सामग्री की एक रजिस्टर्ड ब्रैड लेबल के अन्तर्गत वाणिज्यिक विक्रय करती है।

10. **''निपटान से तात्पर्य''** भूजल सतही जल, परिवेशी वायु के सदूषण तथा पशुओ या पक्षियों के आकर्षण को रोकने के लिए यथा विनिर्दिष्ट भूमि पर प्रसंस्करण उपरान्त अपशिष्ट, ठोस अपशिष्ट और निष्क्रिय गली का कूड़ा करकट और सतही नाली की सिल्ट का अंतिम तथा सुरक्षित निपटान से है।

11. **''नगर निकाय''** से तात्पर्य नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर जनपद सुलतानपुर से है।

12. **''बृहद् अपशिष्ट सृजक (बल्क वेस्ट जनरेटर)''** से तात्पर्य ऐसे अपशिष्ट उत्पादकों से है जो औसतन 50 किलोग्राम की दर से अधिक अपशिष्ट उत्पादित करते है तथा इनमें केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों अथवा उपक्रमों, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक या प्राइवेट सेक्टर की कम्पनियों, अस्पतालों, नर्सिंग होम, स्कूलों, कालेजों, विश्वविद्यालयों अन्य शैक्षिक संस्थओं, छात्रावासों, होटलों, वाणिज्यिक स्थापनाओं, बाजारों, पूजा स्थलों, स्टेडियमों और खेल परिसरों द्वारा अधिकृत भवन या अन्य प्रयोगकर्ता जैसे कि क्लब, जिमखाना, शादीघर, मनोरंजन परिसर भी शामिल है, आदि से है।

13. **''संग्रहण** से तात्पर्य नियत संग्रहण स्थलों या अन्य स्थानों से नगरीय ठोस अपशिष्ट के उठाने और हटाने से है।

14. **''स्रोत पर संग्रहण''** से तात्पर्य किसी भवन के परिसर या भवनों के किसी समूह के परिसरों के भीतर से नगर निकाय द्वारा नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रहण से है। इसे ''घर–घर संग्रहण'' भी कहा जा सकता है।

15. **''सामुदायिक अपशिष्ट भण्डारण केन्द्र''** से तात्पर्य किसी ऐसी भण्डारण सुविधा से है जिसकी व्यवस्था तथा रख–रखाव नगरीय ठोस अपशिष्ट के भण्डारण हेतु एक या उससे अधिक परिसरों के स्वामियों और/या अध्यासियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है।

16. **''कम्पोस्ट खाद निर्माण से तात्पर्य''** ऐसी नियन्त्रित प्रक्रिया से है जिसमें कार्बनिक पदार्थ का जैविकीय अपघटन एरोबिक/एनएरोबिक अन्तर्ग्रस्त है। इसके अन्तर्गत कृमिक खाद निर्माण भी है, जो जैव अव क्रमणीय अपशिष्ट को वानस्पतिक खाद में परिवर्तित करने हेतु केचुओं के प्रयोग की एक प्रक्रिया है।

17. **''निर्माण व ध्वस्तीकरण सम्बन्धी,** अपशिष्ट से तात्पर्य निर्माण, पुर्ननिर्माण, मरम्मत और ध्वस्तीकरण संक्रिया से निकलने वाली भवन सामग्री, मलवा और रोड़ी से उत्पन्न अपशिष्ट से है।

18. **''अपशिष्ट छॅटाई केन्द्र''** से तात्पर्य किसी ऐसी अभिहित भूमि शेड छतरी या ढांचे से है जो किसी नगर निकाय की या सरकारी भूमि पर या अपशिष्ट को प्राप्त करने या उसकी छॅटाई करने के लिए प्राधिकृत किसी सार्वजनिक जगह पर स्थित हो।

19. **''अपशिष्ट उत्पादक** से तात्पर्य नगर निकाय की सीमा में नगरीय ठोस अपशिष्ट का उत्पादन करने वाले किसी व्यक्ति या संस्था से है।

20. **''निष्क्रिय ठोस अपशिष्ट से तात्पर्य''** किसी ठोस अपशिष्ट या प्रसंस्करण के अवशेष से है, जिसके भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणधर्म उसे सफाई सम्बन्धी गड्ढ़े के लिए उपयुक्त बनाते है।

21. **''कूड़ा कचरा से तात्पर्य''** किसी प्रकार का ठोस या तरल घरेलू या वाणिज्यिक कचरा, मलबा या कूड़ा या किसी प्रकार का शीशा धातु आदि के टुकड़े कागज कपड़ा, लकड़ी खाना, वाहन के परित्यक्त भाग, फर्नीचर या फर्नीचर के भाग, निर्माण से ध्वस्त सामग्री, उद्यान अपशिष्ट, कतरन, ठोस बालू या पत्थर और किसी सार्वजनिक स्थान पर जमा की गयी कोई अन्य सामग्री पदार्थ या वस्तु से है।

22. **''संग्रहण** से तात्पर्य कूड़े कचरे को ऐसे स्थान पर रखने से है, जहां पर वह गिराया या उतारा जाता है अथवा बह कर आता है, रिसता या अन्य प्रकार से बह कर आता है या किसी सार्वजनिक स्थान में या उस पर उसके गिराने, उतारने, बहकर आने, रिसने या किसी प्रकार से आने की सम्भावना हो।

24. **''मार्ग विक्रेता (स्ट्रीट वेण्डर)''** से तात्पर्य किसी गली, लेन, पार्श्व–पथ, पैदल पथ, खड़न्जा, सार्वजनिक उद्यान या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर या प्राइवेट क्षेत्र, अस्थायी रूप से निर्मित संरचना या स्थान से स्थान घूम कर साधारण जनता को दैनिक उपयोग के वस्तु, माल, खाद्य सामग्री या वाणिज्यिक वस्तु के विक्रय करने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानान्तरित करने में लगे व्यक्ति से है जिसके अन्तर्गत फेरीवाला आदि सम्मिलित है।

25. **''नगरीय ठोस अपशिष्ट''** के अन्तर्गत नगर निकाय में उत्पादित ऐसा वाणिज्यक, आवासीय और अन्य अपशिष्ट भी है, जो ठोस या अर्द्धठोस रूप में।

26. **''गैर सरकारी संगठन या स्वयंसेवी संगठन''** से तात्पर्य नगर के ऐसे गैर सरकारी संगठन से है, जो नगर में सिविल सोसाइटी संगठन और गैर सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधत्व निकाय है, सुसंगत अधिनियमों के तहत पंजीकृत हो।

27. **''अध्यासी से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है,** जो किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भूमि या किसी भवन या उसके भाग का अध्यासी है या अन्यथा रूप से उपयोग कर रहा है।

28. **''स्वामी से तात्पर्य''** ऐसे व्यक्ति से है जो किसी भवन भूमि या उसके भाग के स्वामी के अधिकारों का प्रयोग कर रहा है। ''प्रसंस्करण'' से तात्पर्य ऐसे किसी वैज्ञानिक प्रसंस्करण से है जिसके द्वारा ठोस अपशिष्ट पुनर्चक्रण या भू–भरण स्थल हेतु।

29. उपयुक्त बनाने के प्रायोजन के लिए प्रसंस्करण हेतु अभिक्रियित किया गया है।

30. **''पुनर्चक्रण''** से तात्पर्य नये उत्पादों को उत्पादित करने हेतु पृथक्कत गैर जैव विकृत ठोस अपशिष्ट को ऐसी कच्ची सामग्री में परिवर्तित करने की प्रक्रिया से है, जो मूल उत्पादों के समान नहीं हो सकती है।

31. **''कचरा निस्तारण प्रभार से तात्पर्य''** नगर निकाय द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट उत्पादकों से नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रह, परिवहन और निस्तारण के लिए अधिसूचित फीस या प्रभार से है। इसमें विभिन्न प्रकार के लाईसेंसी के लिए यथा प्रयोज्य व्यापार कचरा प्रभार सम्मिलित है।

32. **''प्रयोक्ता शुल्क''** से तात्पर्य कचरा निस्तारण कार्य के सन्दर्भ में निर्धारित यूजर चार्ज से है।

33. **''पृथक्करण''** से तात्पर्य नगरीय ठोस अपशिष्ट को विनिर्दिष्टि समूह के जैव नाशित परिसंकटमय जैव चिकित्सीय निर्माण और ध्वंष सामूहिक उद्यान और बागवानी एवं समस्त अन्य अपशिष्ट को पृथक करने से है।

34. **''छंटाई''** करना से तात्पर्य मिश्रित अपशिष्ट से पुर्नचक्रण योग्य विभिन्न संघटकों और प्रवर्गो जैसे कागज प्लास्टिक, गत्ता, धातु कॉच आदि को समुचित पुनः चक्रण सुविधा से पृथक करना सम्मिलित है।

35. **''भण्डारण''** से तात्पर्य नगरीय ठोस अपशिष्ट के उस रीति से अस्थायी संग्रहण से है जिससे कि कूड़ा करकट के बिखराव, रोगवाहकों के आकर्षण, आवारा पशुओं और अतिशय दुर्गन्ध को रोका जा सके।

36. **''परिवहन''** से तात्पर्य नगरीय ठोस अपशिष्ट के एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने से है।

37. **''विहित प्राधिकारी''** में अधिशासी अधिकारी से सफाई कर्मचारी तक समस्त अधिकारी/कर्मचारी सम्मिलित माने जायेंगे।

इस नियमावली में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होगें, जो उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम 2016 में उनके लिए क्रमषः समुनिदेषित है जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो।

इस उपविधि के अर्न्तगत उपरोक्त दी गयी परिभाषा से सम्बन्धित दायित्वों/कर्तव्यो/कार्यों का विवरण, प्रतिषेध, शास्ति एवं प्रशमन आदि का विवरण निम्नवत् हैः–

अपशिष्ट उत्पन्नकर्ताओं के सामान्य कर्तव्य		प्रत्येक अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता– (क) उनके द्वारा उत्पन्न किये गये अपशिष्ट को पृथक्कृत और तीन पृथक शाखाओं अर्थात बायोडिग्रडिबुल(गीला कूड़ा), नान–बायोडिग्रेबल (सूखा कूड़ा) और हजार्जस अपशिष्ट के तीन अलग–अलग रंग के डिब्बों क्रमशः हरा, नीला एवं काला में भंडारित करेगा और समय–समय पर नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा निर्गत या अधिसूचना के अनुसार पृथक किये गये अपशिष्टों को प्राधिकृत अपशिष्ट चुनने वालों या अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं को सौंपेगा। (ख) प्रयोग किये गये स्वास्थ्यकर अपशिष्ट जैसे डायपरों और स्वास्थ्यकर पैडों आदि इन उत्पादों के निर्माताओं द्वारा यथा निर्देशित उपयुक्त लपेटन (रैपर) सामग्री में शुष्क अपशिष्ट या नान–बायोडिग्रेबिल अपशिष्ट हेतु बनाये गये डिब्बे में उसे डालेगा। (ग) अपने परिसर से उत्पन्न कृषि उद्यान अपशिष्ट और उद्यान अपशिष्ट को अपने ही परिसर में पृथक रूप से भंडारित करेगा और समय–समय पर स्थानीय निकाय के निर्देशानुसार इसका निपटान करेगा। (2) कोई अपशिष्ट उत्पादक उसके द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट को गली, खुले सार्वजनिक स्थानों, नाली/नालों या जलाशयों में न फेंकेगा, न जलायेगा और न गाड़ेगा। (3) सभी अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता ऐसी उपयोक्ता फीस अनुसूची–4 का भुगतान करेंगें जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर की उपविधि में विनिर्दिष्ट किया गया है। (4) कोई व्यक्ति अग्रिम रूप से कार्यक्रम की तिथि से कम से कम तीन कार्य दिवस पूर्व स्थानीय निकाय को सूचित कर अनुमति प्राप्त किये बिना किसी गैर अनुज्ञप्ति वाले स्थान पर एक सौ व्यक्तियों से अधिक का ऐसा कोई आयोजन या समारोह आयोजित नहीं करेगा। ऐसी व्यक्ति या ऐसे आयोजन का आयोजक स्रोत पर अपशिष्ट के पृथक्करण की व्यवस्था करेगा। और पृथक्कृत अपशिष्ट को नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा अभिहित अपशिष्ट चुनने वाले को या अपशिष्ट संग्रहण अभिकरण को सौपेगा तथा इस सन्दर्भ में दी गयी अनुमति की सभी शर्तो का अनुपालन सुनिश्चित करेगा। (5) प्रत्येक मार्ग विक्रेता (स्ट्रीट वेन्डर) अपने कार्यकलाप के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट जैसे कि खाद्य अपशिष्ट प्रयोज्य (डिस्पोजेबल) प्लेटों, कपों, डिब्बों, रैपरों, नारियल के छिलकों, शेष बचे भोजन, सब्जियों फलों आदि के लिए उपयुक्त पात्र रखेगा और ऐसे अपशिष्ट को नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा अभिहित अपशिष्ट चुनने वाले को या अपशिष्ट संग्रहण अभिकरण को सौंपेगा अन्यथा समीपस्थ सम्बन्धित अपशिष्ट संग्रह पात्रों में डालेगा। (6) 5000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी गेट लगे समुदाय और संस्थान नगर पालिका परिषद् की भागीदारी में इन नियमों में यथा विहित उत्पादकों द्वारा अपशिष्ट को स्रोत पर ही पृथक करना, पृथक किये गये अपशिष्ट को अलग–अलग पात्रों में संग्रहण करने में सहायता करना तथा पुनर्चक्रों को सौंपना सुनिश्चित करेगें। बायोडिग्रबल अपशिष्ट का जहां तक पुनर्चक्रों को सौपना सुनिश्चित करेगें। बायोडिग्रेबल अपशिष्ट का जहां तक संभव होगा परिसर के अंदर संसाधित, उपचारित और कम्पोस्टिंग करके अथवा बायोमीथेनेशन के जरिये निपटान किया जायेगा। शेष अपशिष्ट नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा यथा निर्देशित अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं या अभिकरण को सौंप दिया जायेगा। (7) सभी वृहद् अपशिष्ट सृजक नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर की भागीदारी में इन नियमों में यथा विहित उप्तादकों द्वारा अपशिष्ट को स्रोत पर पृथक करने, पृथक किये गये अपशिष्ट को अलग–अलग पात्रों में संग्रहण करने और पुनर्चक्रों को सौंपना सुनिश्चित करेंगे। वृहद् अपशिष्ट सृजक द्वारा बायोडिग्रेबल अपशिष्ट का, परिसर के अंदर संसाधित, उपचारित और कंपोस्टिंग करके अथवा बायो मिथेनाइजेशन के जरिये निपटान अनिवार्य रूप से किया जायेगा। शेष अपशिष्ट नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा यथा निर्देशित अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं या अभिकरण का सौंप दिया जायेगा।
प्रतिषेध	3	(1) कोई व्यक्ति स्वयं या दूसरे व्यक्ति द्वारा किसी भी साधन सें जानबूझकर या अन्य किसी सार्वजनिक स्थान, निजी या सार्वजनिक जल निकासी कार्यों से सम्बद्ध नाली, गली, गडढा, सम्वातन पाईप और फिटिगों मे कोई कूडा कचरा, या अपशिष्ट नही फेंकेगा या
		फेंकवायेगा जिससे निम्नलिखित की सम्भावना हो– (1) जल निकास और मल नालियों को क्षति पहॅुचने की (2) नाली एवं मल पदार्थ के निर्बाध प्रवाह या उसके उपचार और व्ययन में बाधा पड़ने की खतरनाक होने या जनस्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने की। (3) कोई भी व्यक्ति विनिर्दिष्ट रूप से उपबंधित लोक सुविधाओं के सिवाय प्रसुविधाओं के किसी सार्वजनिक स्थल पर स्नान नहीं करेगा न ही थूकेगा न पेशाब करेगा न ही उसे बिकृत करेगा न पशुओं और चिड़ियों के समूह को खिलाएगा और न ही, पशुओं, वाहनों, बर्तनों या किसी अन्य वस्तु का प्रक्षालन करेगा। (3)(1) कोई व्यक्ति स्वामी या अधिभोगी स्वामित्व प्राप्त या अध्यासित किसी परिसर के सामने या उससे संलग्न किसी सार्वजनिक स्थल को किसी प्रकार के अपशिष्ट चाहे व द्रव, अर्द्धठोस या ठोस पदार्थ हो, जिसमें मल प्रवाह और अपशिष्ट जल भी सम्मिलित है, से गन्दा नहीं करेगा। (2) कोई भी व्यक्ति खुले में शौच/पेशाब न तो स्वयं करेगा और न ही अपने पालक से करायेगा। (3) कोई भी पशुओं के स्वामी किसी भी दशा में उन्हें खुला नहीं छोडगें क्योंकि इससे मार्गो/खुले सार्वजनिक स्थलों पर उनके मलमूत्र से गंदगी, आवागमन में अवरोध एवं दुर्घटनायें होने की सम्भावना बनी रहती है। (4) कोई भी व्यक्ति घाटो, सीढ़ियों, सड़कों के डिवाडर, नाम पटों, साइनेज या मार्ग दर्शक बोर्डो अथवा इसी प्रकार के सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर या अन्य सामग्री चिपकाकर या अन्य प्रकार से गंदगी नहीं करेगा। (5) कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं थर्मोकोल आइटम्स का प्रयोग, उत्पादन वितरण, भण्डारण एवं विक्रय नहीं करेगा। (6) कोई भी व्यक्ति सड़क मार्ग या अनाधिकृत स्थल पर जानवरों का गोबर, लीद, पचौनी या अन्य इसी प्रकार के पदार्थ न तो डालेगा और नही डलवायेगा। (7) कोई भी व्यक्ति, जानवरों का पालक/स्वामी ड्रेनेज/सीवरेज सिस्टम में गोबर इत्यादि डालकर गन्दगी नहीं करेंगा। (8) कोई भी व्यक्ति या उसका पालक किसी सार्वजनिक स्थल, सड़क, पार्क आदि में अपशिष्ट नहीं डालेगा। इन स्थानों की सफाई हो जाने के बाद अपशिष्ट डालकर गन्दगी करने पर अथवा सफाई कर्मी द्वारा घर–घर से अपशिष्ट एकत्रित करने के बाद यदि किसी व्यक्ति द्वारा गली या सडक पर कूड़ा डालते हुये पाया जाता है तो अपशिष्ट को स्थल से हटाकर निस्तारण स्थल तक ले जाने का व्यय सम्बन्धित उल्लंघनकर्ता से वसूल किया जायेगा।
नगरीय ठोस अपशिष्ट का संग्रहण	4	(1) घरेलू अपशिष्ट का द्वार–द्वारा संग्रहण (क) द्वार–द्वार संग्रहण में लगे प्रत्येक पालिका सफाईकर्मी/अधिकृत एजेंसी के सफाई कर्मी को कंटेनरयुक्त हाथठेला/रिक्शा तथा एक घण्टी या सीटी/सायरन उपलब्ध करायी जाएगी। प्रत्येक कर्मी का सफाई बीट में सफाई तथा निश्चित की गई संख्या में भवनों के अपशिष्ट संग्रहण का दायित्व सौंपा जायेगा। सफाईकर्मी घण्टी या सीटी/सायरन बजाकर सफाई तथा घरों से अपशिष्ट संग्रहण का कार्य यथा–निर्धारित समयावधि में एवं यथा–निर्धारित स्वरूप में करेगा। सफाई कर्मी सड़क/गली की सफाई से संग्रहित पेड़ों के पत्तों एवं कूडें को जलायेगा नही और उसे नगर पालिका परिषद् सुलतानपुर द्वारा प्राधिकृत अपशिष्ट संग्रहकर्ता को सौपेगा। (ख) नगर निकाय वैकल्पिक रूप में घर–घर से अपशिष्ट संग्रहण के लिए कन्टेनरयुक्त वाहन/मोटरवाहन की व्यवस्था कर सकेगा। वाहन चालक, घर या बीट में हार्न बजाकर अपने आने की सूचना देगा, स्वामी या अध्यासी अपने घरेलू अपशिष्ट को सीधे कन्टेनर में डालेगें।
		(ग) किसी कारणवश उप नियम (क) अथवा (ख) में अंकित व्यवस्था संभव न होने पर स्वयं सेवी संगठनों, अभिकरणों अथवा ठेकेदारों द्वारा प्रतिदिन घर–घर से अपशिष्ट से संग्रहण का कार्य कराया जा सकेगा। (2) होटल अपशिष्ट का संग्रहण– होटल या रेस्टोरेंट द्वारा अपशिष्ट संग्रहण के लिए स्वयं की व्यवस्था की जायेगी। नगर निकाय द्वारा यह व्यवस्था सम्पूर्ण लागत मूल्य के भुगतान के आधार पर की जा सकेगी। (3) शादी घरों, कल्याण मण्डपों एवं सामुदायिक केन्द्रों के अपशिष्ट का संग्रहण– शादी घरों, कल्याण मण्डपों, सामुदायिक केन्द्रों से प्रतिदिन अपशिष्ट संग्रहण के लिए नगर निकायों द्वारा सम्पूर्ण लागत मूल्य के भुगतान के आधार पर की जा सकेगी। यह व्यवस्था ठेकेदारों द्वारा अथवा अभिकरण/अभिकर्ताओं द्वारा भी करायी जा सकेगी। (4) वधशाला अपशष्टि यथा मृत पशुओं की अस्थियों का निस्तारण वैज्ञानिक रीति से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार की जायेगी इस अपशष्टि को नगरीय ठोस अपशष्टि मे सम्मिलित नही किया जायेगा। (5) औद्योगिक अपशष्टि का संग्रहण परिवहन और निस्तारण औद्योगिक संस्थानों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा निर्देशो अनुसार किया जायेगा। (6) अनुपचारित जैव चिकित्सीय अपशष्टि (जैसा अनुसूची–3 मे सूचीबद्ध है) का विनिर्दिष्ट उत्पादक द्वारा संग्रह वाहन को सौंपा जायेगा जिसकी व्यवस्था साप्ताहिक समयान्तर से नगर निकाय द्वारा या किसी अभिकरण द्वारा की जायेगी या ऐसे अपशिष्ट के संग्रह के लिए अभिहित केन्द्र को ऐसी रीति से निस्तारण कराने के लिए सौपा जायेगा जो जैव चिकित्सा अपशिष्ट (प्रबंधन और व्यवस्था)नियमावली 2016 के अनुसार अदेशित है। (7) निर्माण और ध्वस्तीकरण संबंधी अपशिष्ट के भण्डारण और निस्तारण के संबंध में लघु सृजकों (घरेलु स्तर) के लिए यह उत्तरदायित्व पूर्ण होगा कि अपशिष्ट का भण्डारण करेगें एवं नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा निर्धारित स्थल पर उसका परिवहन कर डालेगा, अन्यथा कि स्थिति में उत्पादक नगर निकाय या उसका अधिकर्ता से सम्पर्क स्थापित करेगें उत्पादक से पृथक–पृथक किये गये निर्माण और विध्वंस एक विनिर्दिष्ट प्रभार होगा तद्ोपरान्त इस अपशिष्ट प्रसंस्करण केन्द्र को भेजा दिया जायेगा। (8) सभी जैव अनाशित (नॉन बायोडिग्रेडिबुल) अपशिष्ट पुनः प्रयोग करने योग्य और पुनः प्रयोग न करने योग्य अपशिष्ट का भण्डारण अपशिष्ट के प्रत्येक उत्पादक द्वारा पृथक–पृथक किया जायेगा और उसे निर्दिष्ट अपषिष्ट संग्रह वाहन को सौंपा जायेगा जिसकी व्यवस्था नगर पालिका परिषद सुलतानपुर या उसके अभिकर्ताओ द्वारा ऐसे स्थानों और ऐसे समय पर किया जायेगा जैसा कि ऐसे अपशिष्ट को संग्रह करने के लिए समय–समय पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा अधिसूचित किया जायेगा या नगर निकाय या सरकारी या निजी भूमि पर स्थापित लाइसेंस प्रपन्त ऐसे अपशष्टि के छटान केंन्द्रो को दिया जायेगा। वेस्ट पिकर्सः–वेस्ट पिकर्स (कूडा बिनने वालों का) का सर्वेक्षण कर उनका व उनसे संबंधित सहकारी संस्थाओं को चिन्हित किया जायेगा तथा प्रत्येक वेस्ट पिकर को पहचान पत्र दिया जायेगा उन्हे अपने कार्य प्रक्षिण देते हुए उनका कार्य क्षेत्र निर्धारित कर पहचान पत्र में अंकित किया जायेगा तथा उन्हें घर–घर से रिसाइक्लेबल अपशष्टि संग्रह करने हेतु प्रेरित किया जायेगा। वेस्ट पिकर्स वाली सहकारी संस्थाओं लाइसेंस प्राप्त पुनः प्रयोगकर्ताओ या कबाडियों को संग्रह सेवाओं की व्यवस्था करने के लिए नगर निकाय के लाइसेंस के साथ ऐसे अपशिष्ट छटान केन्द्रों के संचालन के लिए नियुक्त किया ला सकता है।(पुनः प्रयोग करने योग्य अपशिष्ट के प्रकार की विस्तृत अनुसूचि दो मे दी गई है।) (9) उद्यान और बागवानी अपशिष्ट की प्रारंभिक अवस्था मे ही कम्पोस्ट खाद बनायी जायेगी। जहा स्थल पर ही कम्पोस्ट खाद बनाना संभव न हो नगर निकाय अधिसूचित उचित फीस लेकर पृथक–पृथक किये गये उद्यान और बागवानी अपशिष्ट संग्रह स्थल पर डाला जायेगा। (10) आवासीय और अन्य क्षेत्रों सें संग्रहित अपशिष्ट को हाथठेला गाडियो से सामूदायिक अपशिष्ट संग्रह स्थल पर डाला जायेगा।
		(11) किसी प्रकार के अपशिष्ट को जलाया नही जायेगा। (12) नाले व नालियों के सफाई से निकली हुई सिल्ट के संग्रह एवं परिवहन तथा निपटान हेतु अलग से व्यवस्थ की जायगी।
नगरीय ठोस अपशिष्ट का पृथक्करण	5	(1) प्रत्येक व्यक्ति, स्वामी या अध्यासी या अपशिष्ट उत्पादक नगरीय ठोस अपशिष्ट को अपशिष्ट उत्पादन स्रोत के आधार पर निम्नलिखित श्रेणियों में पृथक करेगा :– 1–जैव नाशित (बायोडिग्रेडिबुल) अपशिष्ट (गीला कूडा) 2– जैव अनाशित (नानबायोडिग्रेडिबुल) अपशिष्ट (सूखा कूडा) 3–जैव चिकित्सीय (बायोमेडिकल) अपशिष्ट 4–घरेलू परिसंकटमय (हजार्ड्स) अपशिष्ट (2) पृक्करण के लिए नगर निकाय द्वारा जनजागरण एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम चलाया जायेगा इस हेतू जन कल्याण समितियों, गैर सरकारी संगठनों, कक्ष समितियो, तथा नागरिक समूहों के सम्मिलित किया जायेगा।
नगरीय ठोस अपशिष्ट का भण्डारण	6	(1) नगर निकाय नगरीय ठोस अपशिष्ट के भंण्डारण के सुविधाओं की स्थापना और अनुरक्षण इस निति से करेगा कि आस–पास अस्वास्थ्यकर स्थिति न उत्पन्न हो। (2) भण्डारण सुविधा सुगम स्थान पर होगी। (3) भण्डारण सुविधा इस प्रकार की हो कि वहां किसी का प्रदूषण तथा गन्दगी न फैले। (4)) नगर निकाय नगरीय ठोस अपशिष्ट का भण्डरण व हथालन सुगमता पूर्वक हो सके, अतः यह कार्य मशीनों द्वारा किया जाना श्रेयस्कर होगा। (5) जहां किसी सामुदायिक अपशिष्ट भण्डारण केन्द्र चाहे खुले स्थान में हो या बन्द शेड मे जो किसी परिषर में हो या सार्वजनिक स्थान हो से नगर निकाय नगरीय वाहनों द्वारा सीधे ही नगरीय ठोस का संग्रह किया जाता हो वहा ठोस को पृथक–पृथक किये गये अपशिष्ट के विभिन्न प्रकारों के लिए व्यवस्था किये गये अनुसार जमा किया जायेगा।
सामुदायिक अपशिष्ट का भण्डारण केन्द्र	7	अपशिष्ट के उत्पादको द्वारा पृथक्कृत ठोस अपषिष्ट का निस्तारण इस हेतू उपबेधित अपशिष्ट भण्डार केन्द्रों में किया जाये जहां से नगर निकाय द्वारा संग्रह वाहन ऐसे अपशिष्ट का प्रतिदिन ऐसे समय पर संग्रहित करेगा जैसा अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अधिकारी/कर्मचारी समय–समय पर अधिसूचित करें।
ढॉचागत सुविधाओं की व्यवस्था	8	नगर निकाय इस नियमावली के प्रवधानों के अनुपालन में नागरिकों की सहायता करने के लिए पर्याप्त ढांचागत सुविधाओं की व्यवस्था करेगा। अपशिष्ट संग्रह सेवाओं के अतिरिक्त कूड़ा फैंकने के लिए डस्टबीन सामुदायिक भण्ड़ारण केन्द्र अपशिष्ट छटान केन्द्र और कम्पोस्ट खाद बनाने के केन्द्रो की स्थापना की जायेगी। जहां कहीं सम्भव और आवश्यक हो यह कार्य स्थानीय नागरिकों के परामर्श और सहभागिता से किया जायेगा। मलिन बस्तियों में सामुदायिक शौचालयों और प्रक्षालन सुविधाओं की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था की जायेगी, जिसमें संगठनों या स्थानीय क्षेत्र के नागरिक समूहों पर आधारित स्थानीय समुदायों की भागीदारी होगी। किसी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी मार्के कॉम्प्लेक्स की निर्माण योजना के अनुमोदन से पूर्व भवन योजना में पृथक किए गये अपशिष्ट के संग्रहण पृथक्करण और भण्ड़ारण के लिए अपशिष्ट संग्रहण केन्द्र स्थापित किए जाने का प्राविधान सम्बन्धित सक्षम प्राधिकरण द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। दिन प्रतिदिन के आधार पर बाजारों से सब्जियों, फलों, फूलों, मांस, कुकुट हेतु स्वास्थ्यकर स्थिति सुनिश्चित करते हुए उचित स्थानों पर विकेन्द्रिकृत कम्पोस्टिंग प्लांट या जैव मीथेनीकरण प्लांट की स्थापना को प्रोत्साहन दिया जायेगा।
सुविधा और सहायता उपलब्ध करना	9	अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई प्राधिकारी कम्पोस्ट खाद्य बनाने वाले विषेषज्ञों लाईसेंस प्राप्त कबाडियों पुनः प्रयोग करने वाले व्यपारियो, कूडेदान विनिर्माताओं, पुनः प्रयोग करने में सिद्धहस्त अभिकरणों की सूची बनायेगा और उसे प्रकाशित करेगा, जिससे कि अपशिष्ट को पुनः प्रयोग करने योग्य बनाने में नागरिकों को सुविधा और सहायता मिल सके। कर्मचारियों और पंजीकृत व्यक्तियों और संगठनों के नाम और टेलीफोन नंबर नगर निकाय के सम्बन्धित कार्यालयों से उपलब्ध कराये जायेगें। ये संगठन इस प्रक्रियाओ के संम्बन्ध में प्रशिक्षण, दिषा निर्देश और सहायता प्रदान कर सकते है। स्वयं सेवी संस्थाओ और क्षेत्रीय नागरिक समूह के माध्यम से इसके बारे में जारूकता
		उत्पन्न की जायेगी ।
कूड़ा निस्तारण प्रभार एवं प्रयोक्ता शुल्क का लगाया जाना	10	नगर निकाय होटलों, रेस्तरो और अपशिष्ट के अन्य सृजको पर कूड़ा कचरा निस्तारण प्रभार लगायेगा। अपषिष्ट प्रभार का निर्धारण अधिषासी अधिकारी द्वारा अपषिष्ट की मात्रा को दृष्टिगत रखते हुए अनुपातिक सिद्धान्त के आधार पर लगाया जायेगा। कूडे के समुचित निस्तारण के लिए प्रयोक्ता शुल्क लगाया जाएगा जो कि अनु सूचि–4 में वर्णित दरो के अनुसार होगा जोकि प्रत्येक 02 वर्ष में पुनरीक्षित किया जा सकेगा ।
कम्पोस्ट खाद को बनाया जाना	11	अपषिष्ट के सृजको को प्रोत्साहित किया जाये कि वे अपने जैवनाषित अपषिष्ट (बायोडिग्रबल) से कम्पोस्ट खाद बनायें और उसे अपने बगीचों और अपने निजी परिसरो में लगाये गये पेडों और आस पास के पेंडो में डाले। इस कार्य से बची हुई कम्पोस्ट खाद को नगर निकाय विनिर्दिष्ट निर्धारित मूल्य पर क्रय कर सकेगा।
नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण	12	(1) जहॉ कही सम्भव हो नगर निकाय सार्वजनिक पार्को, क्रीडा स्थल, मनोरंजन स्थल, उद्यानो, अधिक मात्रा में खाली भूमि चाहे वह नगर निकाय या किसी अन्य सार्वजनिक प्राधिकरण या सरकारी विभाग के स्वामित्व में हो या उसके द्वारा अनारक्षित हो पर लघु प्रसंस्करण इकाईयॉ (कम्पोस्ट खाद बनाना या जैव मीथेनीकरण) स्थापित करेगा। ऐसी इकाईयों की स्थापना तथा अनुरक्षण गैर सरकारी संगठनो अभिकर्ताओं व्यवस्था अधिकारियों, ठेकेदारों, किरायादारो, द्वारा भी की जा सकती है। ये संस्थायें स्थानीय समुदाय के लिए नमूनो का प्रदर्षन करेगी और इस प्रकार से कार्य करेगी जिससे समाज या पर्यावरण को कोई असुविधा या हानि न हो। (2) नगर निकाय नदियों, झीलों, तालाबों, पूजा स्थलों आदि के पास कतिपय निर्दिष्ट स्थलों से पूजा सामग्रियों (फूल, पत्ती, फल) को विषेष पात्र या कलषों में इकट्ठा करने हेतु या स्वयं दायित्व लगा या इच्छुक संगठनों को प्राधिकृत करेगा। इन कलषों या पात्रों से इकट्ठा की गयी सामग्री को उपयुक्त स्थान पर गाडा जायेगा या कम्पोस्टिंग इकाइयों द्वारा विषेष रूप से व्यवस्था की जाएगी । (3) अपशिष्ट के परिवहन लागत को कम करने और अपषिष्ट के स्थानीय प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने के वृहत्तर लक्ष्य को प्राप्त करने को प्राप्त करने की दृष्टि से सम्बन्धित अधिकारी से नोटिस प्राप्त करने वाले अपषिष्ट के किसी उत्पादक के लिए यह अपेक्षित होगा कि वह यथा विनिर्दिष्ट उपयुक्त नोटिस की अवधि के पष्चात उद्गम स्थल पर या नोटिस में इस प्रयोजनार्थ अभिहित स्थलों पर जैवनाषित अपषिष्ट को प्रसस्कृंत करें। (4) नगर निकाय ठोस अपशिष्ट के निस्तारण के लिए यथा–आवश्यक एक से अधिक भूमि भरण स्थलों का चिन्हींकरण विकास और अनुरक्षण करेगी और उसमें ऐसे निष्क्रिय ठोस अपषिष्टों को जो पुनर्चक्रण अथवा प्रसंस्करण के लिए समुचित न हो डाला जाएगा। (5) पुनःचक्रण योग्य अपषिष्टों में पुनर्चक्रण की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। (6) वह अपषिष्ट जो अनुपयोगी हो, पुनर्चक्रण के योग्य न हो, नॉन बायोडिग्रेबुल न हो, ज्वलनषील न हो तथा नॉन रीएक्टिव व इनर्ट हो तथा जो अपषिष्ट प्रसंस्करण सुविधा से छांट कर निकाला गया हो को, सैनिटरी लैण्डफिल साइट पर निस्तारित किया जायेगा। (7) छटे हुए अपशिष्ट को यथा सम्भव रीसाइकिल व रीयूज करने हेतु प्रयास किया जायेगा ताकि जीरो–वेस्ट के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। (8) खुली हुई डम्प साइट्स की बायो–माईनिंग व बायो–रेमेंडिएषन की व्यवस्था की जायेगी। उपयुक्त न होने पर अथवा अन्यथा की स्थिति में इनकी मानक के अनुसार कैपिंग की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा की जायेगी ताकि पर्यावरण प्रदूषित न हो । (9) घरेलू परिसंकट मय अपषिष्ट के एकत्रीकरण के लिए अपषिष्ट निक्षेपण केन्द्र की स्थापना, जिसको 10 किलो मीटर क्षेत्रफल के घरेलू परिसंकटमय अपषिष्ट के एकत्रीकरण के लिए बनाया जायेगा। इन केद्रों में घरेलू परिसंकट मय अपषिष्ट जमा अपषिष्ट जमा करने का समय अधिषासी अधिकारी द्वारा अधिसूचित किया जायेगा। (10) घरेलू परिसंकट मय अपषिष्ट के सुरक्षित भण्ड़ारण एवं परिवहन के लिए राज्य प्रदूषण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों अनुसार किया जायेगा ।

नगरीय ठोस अपषिष्ट का परिवहन	13	अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित प्राधिकृत कोई प्राधिकारी किसी सार्वजनिक या निजी स्थल पर अपषिष्ट एकत्रीकरण का बिन्दु चिन्हित करायेगा। जहाँ नगर निकाय द्वारा उपलब्ध करायी जाने वाली गाडी की दिये जाने के लिए एकत्रित (रूट) योजना के अनुसार एकत्रित कूडे को इकट्ठा करने के लिए उपलब्ध करायी जायेगी। अपषिष्ट के परिवहन हेतु प्रयुक्त होने वाले वाहन में रखा गया कूडा ढका रहेगा।
स्रोत पर ही एकत्रीकरण	14	भवन स्वामियों या अध्यासियों द्वारा भवनों या भवन समूहों के परिसर के भीतर उपलब्ध कूड़ा श्रोत स्थान से एकत्रीकरण की व्यवस्था की जा सकेगी और नगर निकाय की गाडियों/कर्मचारियों द्वारा उस कूड़ा पात्रों तक ऐसे समय तक पहुंचाई जायेगी जैसा अधिसूचित किया जाये।
सार्वजनिक स्थलों पर सामुदायिक अपषिष्ट भण्डारण केन्द्र	15	अपवादिक मामलों मे जहां स्थान–स्थान पर एकत्रीकरण या श्रोत पर ही एकत्रीकरण सम्भव न हो वहां नगर निकाय द्वारा सामुदायिक अपषिष्ट भण्ड़ारण केंन्द्र का सार्वजनिक सड़कों पर या अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जहां आवष्यक और संभव हो, रख रखाव किया जायेगा जैसा कि अधिषासी अधिकारी या उनके द्वारा इस निमित्त अधिकृत कोई प्राधिकारी द्वारा अवधारित किया जाये ।
अपषिष्ट छटाई केंन्द्र	16	पुनर्चक्रीय और अपुनर्चक्रीय अपशिष्ट की छटाई कार्य को विनियमित करने तथा सुविधापूर्ण बनाने के लिए संबंधित अधिकारी उतने अपशिष्ट छॅटाई केंन्द्रों की व्यवस्था करेगा जो आवश्यक और संभव हो। ये अपशिष्ट छटाई केन्द्र नगर निकाय की भूमि पर या सरकारी अथवा अन्य निकायों की भूमि पर हो सकते है, जो इस प्रयोज्यनार्थ विशेष रूप से खोखा, शेड या गुमटी के रूप में उपयुक्त सार्वजनिक स्थानों पर उपलब्ध कराये जाएगें। इनकी व्यवस्था कूडा बिनने वालो की रजिस्टर्ड सहकारी समितियों या अनुज्ञा प्राप्त रीसाइक्लर्स या नगर निकाय द्वारा नियुक्त अथवा प्राधिकृत अन्य अभिकरणो द्वारा भी की जायेगी। जैव अपघटन योग्य अपशिष्ट के भण्डारण के लिए हरे रंग के डिब्बे पुनर्चक्रमण योग्य अपशिष्ट के लिए नीले रंग एवं अन्य अपषिष्ट के लिए "लाल रंग" के डिब्बे का उपयोग किया जायेगा। छंटाई के बाद अवषेष अपुनर्चक्रीय कूडे का प्रसंस्करण या भूमि भराव के लिए ऐसे छंटाई केन्द्रों से कूडा निस्तारण स्थलों पर भेजा जायेगा। ऐसे अपषिष्ट छटाई केन्द्रों पर विभित्र प्रकार के कूडे को अधिसूचित दरों पर क्रय एवं विक्रय का कार्य अधिषासी अधिकारी या उनके द्वारा इस हेतु प्राधिकृत अधिकारी द्वारा दिया जाएगा।
समय सारिणी तथा एकत्रीकरण का मार्ग	17	नगरीय ठोस अपषिष्ट के दैनिक तथा साप्ताहिक एकत्रीकरण की समय सारिणी एवं मार्ग का निर्धारण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा किया जायेगा एवं अधिसूचित किया जायेगा। इनका विवरण सम्बन्धित कार्यालयो में भी उपलब्ध रहेगा।
स्थानीय नागरिक समूह	18	स्वंय सहायता समूहों के गठन को सुगम बनाना उन्हें पहचान कर पत्र उपलब्ध कराना तदोपरान्त घर–घर जाकर अपषिष्ट संग्रह करते सहित ठोस अपषिष्ट प्रबन्धन में एकीकरण को प्रोत्साहन दिया जायेगा। स्वैच्छिक संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों अथवा स्थानीय नागरिक समूहों का विनिर्दिष्ट प्रषासनिक प्रभार इकट्ठा करने हेतु अनुबन्ध के आधार पर नगर निकाय द्वारा प्राधिकृत किया जा सकेगा, जिससे वे अपने क्षेत्र को साफ रख सकें। सड़कों की सफाई कूडे के एकत्रीकरण, परिवहन, कम्पोस्टिंग आदि के लिए निर्धारित इकाई दरों पर नगर निकाय या स्वामियों या अध्यासियों से भुगतान प्राप्त कर सकेगें। पंजीकरण प्रक्रिया मॉडल उपविधियों तथा स्थानीय नागरिक समूहों स्वैच्छिक संस्थाओं अथवा गैर सरकारी संगठनों हेतु माडल अनुबन्ध का प्रारूप नगर पालिका की कार्याकारिणी समिति के अनुमोदन पर उपलब्ध करायी जायेगी ।
सफाई अभियान	19	उन क्षेत्रो में जिनको विषेष सफाई अभियान के लिए आवश्यक समझ कर चिन्हित किया जाये और जहॉ स्थानीय पार्षद या सदस्य नागरिक सहयोग के लिए आगे आते हो सफाई अभियान का आयोजन किया जायेगा। ऐसे विषेष अभियानों के लिए अपेक्षित संसधान और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा ।
जगरूकता शिक्षा और प्रषिक्षण	20	अधिषासी अधिकारी या उनके द्वारा इस हेतु प्राधिकृत अधिकारी स्वयंसेवी संस्थाओं, स्थानीय नागरिक समूहों, नगर निकायकर्मी और उसके अभिकर्ता नगर के स्कूल, आवसीय समितियों, गन्दी बस्तियों, दुकानों, फेरी वालो/अपशिष्ट चुनने वालों/संग्रहकर्ता को कार्यालय स्कूलों, औद्योगिक इकाईयों, वाणिज्यिक यूनियनों, सकल एरिया सिटिजन ग्रुप आदि से सफाई के सम्बन्ध में शैक्षणिक एवं प्रषिक्षण आवष्यकताओं का पता लगाया
		जायेगा। उसके पष्चात इन सबकी षिक्षा, जागरूकता, सहभागिता एवं प्रशिक्षण के लिए एक समन्वित योजना एवं रणनीती तैयार कर उसे कार्यान्वित की जायेगी। इसमें नगर निकाय की कक्ष समितियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जायेगा।
अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए जनसहभागिता को प्रोत्साहन	21	जन सहभागिता और सहयोग से किये गये सफाई कार्य और अपशिष्ट प्रबन्ध के सर्वोत्तम कार्यो के लिए नगर निकाय द्वारा प्रशंसा पत्र और पुरस्कार प्रदान किया जायेगा तथा प्रचारित किया जायेगा।
शिकायतों का निस्तारण	22	नगर निकाय इस नियमावली के प्राविधानों के क्रियान्वन हेतु कम्प्लेण्ट मैनेजमेण्ट सिस्टम को संचालित करेगा या एक समुचित नया आनलाईन कम्पलेण्ट मैनेजमेण्ट सिस्टम तैयार करेगा। शिकायतों और कृत कार्यवाही की रिपोर्ट के आंकडे ऑनलाईन ग्रिवान्स मैनेजमेण्ट सिस्टम (ओ0जी0एम0एस0)/ सिटिजन्स पोर्टल में प्रदर्शित की जायेगी।
नागरिकों की सफाई टीम	23	अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद् क्षेत्र में स्वच्छता एवं सफाई कार्यो में विशेष रूचि एवं सहयोग प्रदान करने वाले नागरिकों को स्वच्छाग्राही नामित कर सकता है। सम्बन्धित नागरिक नगर के प्रत्येक वार्ड में सफाई टीम का भी गठन कर सकते है तथा सर्वेक्षण करके सफाई के अनुश्रवण हेतु नियमित रिपोर्ट उपलब्ध करा सकते है। इन रिपोर्टो को नगर निकाय कार्मिकों को अग्रसारित किया जायेगा और सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित भी किया जायेगा ताकि इसके माध्यम से उस क्षेत्र की सफाई और अनुश्रवण सुनिश्चित हो सके। इसमें नगर निकाय की कक्ष समितियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जायेगा।
रूचि की अभिव्यक्ति	24	किसी क्षेत्र को साफ रखने या कूडे के पृथक्करण पुनरावर्तन या कूड़े के प्रसंस्करण की सुविधाओं की स्थापना, कम्पोस्टिंग, वर्मी कम्पोस्टिंग, बायो–मिथेनीकरण आदि की अधिशासी अधिकारी या उनके द्वारा इस हेतु प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सार्वजनिक विज्ञापन के माध्यम से रूचि की अभिव्यक्ति के ऐसे सभी आमंत्रण के विवरण सभी वार्ड कार्यालयों में तथा वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगी तथा प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा और मूल्याकंन नगर निकाय द्वारा किया जायेगा।
आकस्मिक निरीक्षण	25	अनुपालन को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से नगर निकाय की म्युनिसिपल सीमाओं में सम्बन्धित अधिकारी अपने अपने वार्डों के विभिन्न मार्गो में किसी भी समय (दिन या रात) आकस्मिक जॉच करेगे। किसी उल्लंघन के लिए अर्थदण्ड आरोपित किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान पाये जाने वाले कूडे कचरे की सफाई नगर निकाय द्वारा की जायेगी और उसमें अन्तर्गत व्यय उल्लघनकर्ता से वसूला जा सकेगा।
नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में दायित्व	26	(1) मलिन बस्तियों की सफाई के संबंध में दायित्वः– क– अधिशासी अधिकारी ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए जहॉ–जहॉ भी योग्य समुदाय आधारित संगठन आगे आयें, वर्तमान में अनाच्छादित क्षेत्रों में उनके वार्डो के अन्तर्गत दत्तक बस्ती योजना (मलिन बस्ती अपनाने के अन्तर्गत) का विस्तार करेगें। ख– जहाँ आवश्यक हो नगर निकाय की गाड़ी पृथकीकृत ठोस अपशिष्ट का संग्रह करने के लिए मलिन बस्ती के बाहर किसी स्थान पर नियत समय पर उपलब्ध करायी जायेगी। ग– अपवादित मामलों में जब तक गाडी की सेवायें तत्समय सार्वजनिक मार्ग या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर किसी चिन्हित बिन्दु पर अपेक्षित अन्तराल पर उपलब्ध नहीं करायी जा सकती हो, नगर निकाय द्वारा मानव सेवित सामुदायिक अपशिष्ट भण्ड़ारण कूड़ादान की व्यवस्था की जायेगी जहॉ कूड़ा उत्पन्न करने वालों के द्वारा पृथकीकृत अपशिष्ट जमा किया जायेगा और वहॉ से नगर निकाय ऐसे अपशिष्ट का संग्रह करेगी। (2) मुर्गी पालन, मछली और बूचड़खाना अपशिष्ट उत्पादक के दायित्वः– चिन्हित बूचड़खानों और बाजारों से भिन्न किसी भू–गृहादि का स्वामी या अध्यासी जो मुर्गी मछली और बूचड़खाना अपशिष्ट को किसी व्यावसायिक गतिविधि के फलस्वरूप उत्पन्न करता है ढकी हुई, स्वच्छ स्थिति में उसका पृथक भण्डारण करेगा और इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध कराये गये नगर निकाय के संग्रह वाहन को विनिर्दिष्ट समय पर दैनिक रूप से पहॅुचायेगा। किसी सामुदायिक कूड़ादान में ऐसे अपशिष्ट का जमा करना निषिद्ध है और अर्थदण्ड की अनुसूची में इंगित अर्थदण्ड का भागी होगा। (3) ठेले वालों/फेरी वालों के दायित्वः– घरेलू नाली वाले भू–गृहादि के स्वामी अथवा अध्यासी का यह दायित्व होगा कि व यह सुनिश्चित करें कि वह घर की नाली में कोई अपशिष्ट नहीं इकट्ठा करेगा और नगर निकाय द्वारा यथा अधिसूचित ऐसे सथान ऐसे
		समय पर नगर निकाय द्वारा और उपलब्ध कराये गये अपशिष्ट संग्रह वाहन तक ठोस अपशिष्ट को अलग अलग करके पहॅुचाया जाये। ऐसा करने में विफल रहने पर अर्थदण्ड की अनुसूची के अनुसार अर्थदण्ड का भागी होगा। (4) नाली की सफाई का दायित्वः– घरेलू नाली वाले भू–गृहादि का स्वामी अथवा अध्यासी का यह दायित्व होगा कि वह यह सुनिश्चित करें कि वह घर की नाली में कोई अपशिष्ट नहीं इकट्ठा करेगा और नगर निकाय द्वारा यथा अधिसूचित ऐसे स्थान, ऐसे समय पर नगर निकाय द्वारा और उपब्ध करये गये अपशिष्ट संग्रह वाहन तक ठोस अपशिष्ट को अलग अलग करके पहॅुचाया जाये। ऐसा करने में विफल रहने पर अर्थदण्ड की अनुसूची के अनुसार अर्थदण्ड का भागी होगा। जहाँ ऐसे भू–गृहादि का स्वामी या अध्यासी घर की नाली की सफाई के लिए नगर निकाय की सेवायें प्राप्त करने की इच्छा करता है तो उसे नगर निकाय से सम्बन्धित वार्ड कार्यालय में आवेदन करना होगा। नगर निकाय द्वारा यथा निर्धारित प्रयोक्ता शुल्क का भुगतान प्राप्त कर घर की नाली की सफाई कराई जा सकेगी। **(5) पालतु पशु स्वामी का दायित्वः–** किसी पालतु पशु के स्वामी का यह दायित्व होगा कि गली या सार्वजनिक स्थान पर पालतु पशु द्वारा फैलाई गयी किसी गन्दगी को शीघ्रता से हटा दें अन्यथा ऐसे अपशिष्ट के समुचित निस्तारण के लिए अर्थदण्ड की अनुसूची के अनुसार अर्थदण्ड का भागी होगा। **(6) सार्वजनिक सम्मेलन और समारोह आयोजनकर्ता का दायित्वः–** सार्वजनिक स्थान पर आयोजित किसी भी प्रकार के सार्वजनिक सम्मेलन और समारोह (जिसमें जुलूस प्रदर्शनी सर्कस मेलों या राजनैतिक दलों की रैली, व्यावसायिक धार्मिक सामाजिक सांस्कृतिक समारोह विरोध प्रदर्शन इत्यादि शामिल है) के लिए जिसमें पुलिस और/या नगर निकाय की अनुमति अपेक्षित है समारोह या सम्मेलन के संयोजक का यह दायित्व होगा कि वह उस क्षेत्र और संलग्न क्षेत्रों की सफाई सुनिश्चित करें। नगर निकाय द्वारा यथा अधिसूचित प्रतिदेय स्वच्छता प्रभार प्रयोक्ता आयोजक से समारोह की अवधि के लिए संबंधित कार्यालय मे जमा कराया जायेगा। यह प्रभार केवल सार्वजनिक स्थल की सफाई के लिए होगा। इसमें सम्पत्ति की क्षति आच्छादित नहीं होगी। (7) निपटान योग्य उत्पादों तथा स्वास्थ्यकर नैपकीनों और डाइपर के विनिर्माताओं या ब्राण्ड स्वामियों के कर्तव्यः– (1) निपटान योग्य उत्पादों जैसे टिन, कॉच, प्लास्टिक पैकेजिंग इत्यादि के सभी निर्माता या ऐसे उत्पादों को बाजार में लाने वाले ब्राण्ड स्वामी अपशिष्ट प्रबन्धन प्रणाली की स्थापना के लिए स्थानीय निकायों को आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध करायेंगे। (2) गैर नान बायोडिग्रेडबुल पैकेजिंग सामग्री में अपने उत्पादों की बिक्री या विपणन करने वाले ऐसे सभी ब्राण्ड स्वामी उनके उत्पाद के कारण उत्पन्न हुए पैकेजिंग अपशिष्ट को वापस ग्रहण करने के लिए प्रणाली की व्यवस्था करेंगे। (3) स्वास्थ्य कर नैपकीनों तथा डाइपरों के विनिर्माताओं या ब्राण्ड स्वामियों या विपणन कम्पनियों द्वारा अपनी उत्पादों में सभी पुर्नचक्रण योग्य सामग्रियों के प्रयोग की सम्भाव्यता का पता लगायेंगे या अपने स्वास्थ्य कर उत्पादों के पैकेट के साथ प्रत्येक नैपकीन या डाइपर के निस्तारण के लिए एक पाउच या रैपर उपलब्ध करायेंगे। (4) ऐसे सभी विनिर्माताओं या ब्राण्ड स्वामियों या विपणन कम्पनियों द्वारा अपनी उत्पादों को लपेटने और उनका निस्तारण करने के सम्बन्ध में लोगों को जानकारी दी जायेगी।
नियमों के उल्लंघन के लिए शास्ति	27	उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पालिका परिषद् निश्चित करती है कि इस उपविधि के किसी भी नियम का उल्लघंन करना अथवा उल्लघंन के दुष्प्रेरित करना दण्डनीय अपराध होगा। ऐसे व्यक्ति संस्था अथवा अन्य के विरूद्ध नियमानुसार अभियोजन संस्थित किया जायेगा।
अपराधों का प्रशमन	28	इस नियमावली के अधीन दण्डनीय कोई अपराध अधिशासी अधिकारी/ अधिशासी अधिकारी द्वारा अधिकृत किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा अथवा अधिशासी अधिकारी
		द्वारा उक्त कार्य के लिए अनुबन्धित संस्थाओं द्वारा शमन शुल्क की ऐसी धनराशि के जैसा कि अनुसूची–1 में उल्लिखित है वसूल करके प्रशमित किया जा सकता है। शर्त यह होगी कि निकाय में बाहरी संस्थाओं द्वारा वसूल की गयी प्रशमन शुल्क कि धनराशि का 75 प्रतिशत उसी दिन धन निकाय कोष में जमा करना होगा व इसकी लिखित सूचना व सूची नगर निकाय के सफाई विभाग में प्रस्तुत करनी होगी। शेष 25 प्रतिशत धनराशि संस्थाएं अपने पास रखेगी और जहां अपराध का इस प्रकार प्रशमन (क) अभियोजन संस्थित किये जाने से पूर्व किया जाता है वहां अपराधी ऐसे अपराध के लिए अभियोजन का भागी नहीं होगा और यदि व अभिरक्षा में हो तो स्वतंत्र कर दिया जायेगा। (ख) अभियोजन संस्थित किये जाने के पश्चात किया जाता है, वहां प्रशमन से अपराधी दोषमुक्त हो जायेगा। उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संस्था/समूह को विहित प्राधिकारी/कर्मचारी की पृक्षा पर अपना नाम व पता घोषित करना अनिवार्य होगा अन्यथा की स्थिति में भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अन्तर्गत कार्यवाही किये जाने हेतु विहित अधिकारी/कर्मचारी स्वतंत्र होगा और ऐसे व्यक्ति/संस्था अथवा समूह के भार साधक व्यक्ति को अपनी अभिरक्षा में लेते हुए स्थानीय थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी/पुलिस कर्मियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंप देगा।

अनुसूची–1

नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन तथा स्वच्छता उपविधि–2018

प्रशमन शुल्क तालिका (ड्राफ्ट)

क्र0 सं0	उल्लंघन	प्रशमन शुल्क (रू0 में)	02 वर्ष की अवधि में पुनः उल्लघंन की दशा में प्रशमन शुल्क
1	**व्यक्ति/संस्था द्वारा किसी अनाधिकृत स्थल पर :–**		
	1. अपशिष्ट फैलाना/ फेकना।	200	प्रशमन शुल्क का दो गुना
	2. थूकना	100	
	3. मूत्र विर्सजन करना।	100	"
	4. जानवरों के अनिर्दिष्ट स्थान पर खिलाना।	100	"
	5. वाहनों की धुलाई।	100	"
	6. कपड़े धोना	100	"
	7. सार्वजनिक स्थान, नदी, तालाब या कुंड में गंदगी फैलाना।	200	"
2	मार्ग, पार्क, घाटों आदि सार्वजनिक स्थल की सफाई हो जाने के बाद अपशिष्ट डालने पर।	500	"
3	घाटो, सीढ़ियों, सड़कों के डिवाडर, नाम पटों, साइनेज या मार्ग दर्शक बोर्डो अथवा इसी प्रकार के सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर या अन्य सामग्री चिपकाकर या अन्य प्रकार से गंदगी करने/कराने पर।	500	"
4	पालतु पशुओं को खुला छोड़कर मार्गो/ खुल सार्वजनिक स्थलों पर उनके मलमूत्र से गंदगी, आवागमन में अवरोध पैदा करने/कराने पर।	2000	"
5	नाले नालियों, ड्रेनेज/ सीवरेज सिस्टम में गोबर इत्यादि डालकर गन्दगी करने पर–		
6	पालतू मृत छोटे जानवर जैसे–बकरी/बकरा, कुत्ता/कुतिया इत्यादि का निस्तारण	1500	"
7	पालतू मृत बडे जानवर जैसे–गाय, भैस, बैल इत्यादि का निस्तारण	3000	
8	डस्टबिन/स्टोरेज कन्टैनर के बाहर अपशिष्ट फैलाना।	200	"
9	उपकरणों/कपड़ों अन्य किसी सामग्री अनिर्दिष्ट स्थल पर धुलाई।	200	"
10	किसी परिसर में 24 घंटे से अधिक की अवधि के लिए कूडा–करकट को बनाये रखना।	200	"
11	कानून का उल्लघंन करते हुए शव का अनियमित निस्तारण।	1000	"
12	अपने परिसर को स्वच्छ रखने में असफल रहनाः–		
	(क) भवन/फ्लैट	100	"
	(ख) दुकान/बूथ	100	"
	(ग) माल/मल्टीप्लेक्स /शापिंग और केड/होटल	1000	"
	(घ) शैक्षणिक/धार्मिक /अन्य संस्थान	100	"
13	प्रतिबन्धित पालीथीन आइट्म का उत्पादन, वितरण, भण्डारण एवं विक्रय करने पर।	25000	"
14	थर्मोकोल आइट्म का उत्पादन वितरण, भण्डारण एवं विक्रय करने पर।	25000	"
15	बिना पृथक्करण किये हुए तथा बिना अलग–अलग निर्धारित बिन में रखे हुए कूड़े को सौंपनाः		
	(क) व्यक्तिगत भवन	100	"
	(ख) दुकान/बूथ	200	"
	(ग) माल/मल्टीप्लेक्स /शापिंग आर केड/होटल	500	"
	(घ) शैक्षणिक/धार्मिक /अन्य संस्थान	100	"
	(ड.) औद्योगिक भूखण्ड/ यूनिट	5000	"
	(च) इवेन्ट आरगेनाइजर्स	2000	"
16	वृहद् अपशिष्ट (100 किलो ग्राम प्रतिदिन से अधिक उत्सर्जकों द्वारा अपशिष्ट के उपचार के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण न करना।	2000 प्रतिमाह	"
17	विनिर्दिष्ट परिसंकटमय अपशिष्ट (हजार्डस वेस्ट) को सार्वजनिक अथवा प्राइवेट स्थल पर डम्प करने पर।	200	"
18	बायोमेडिकल अपशिष्ट को अन्य अपशिष्ट के साथ डम्प करने पर।	1000	"
19	विनिर्दिष्ट परन्तु परिसंकटमय अपशिष्ट को यथाविनिर्दिष्ट पृथक्करण रीति से डिलीवरी न करने पर।	1000	"
20	जैव चिकित्सीय अपशिष्ट की यथा विनिर्दिष्ट पृथक्करण रीति से डिलीवरी न करने पर।	1000	"
21	फीकल स्लैज को नाला/नाली, खुले स्थान, खेत जलस्त्रोत, तालाब पोखर पर डालने पर	5000	"
22	शुष्क अपशिष्ट की यथा विनिर्दिष्ट पृथक्करण रीति से डिलीवरी न करने पर।	500	"
23	उद्यान अपशिष्ट और पेड़ों की छॅटाई के कूड़े की यथाविनिर्दिष्ट पृथक्करण रीति से डिलीवरी न करने पर।	1000	"
24	अपशिष्ट जलाकर निस्तारण करने पर।	500	"
25	खुले में शौच करने पर।	500	"
26	पालतू जानवरों के अपशिष्ट को सार्वजनिक गलियों/ सड़कों/पार्क में फेकना।	500	"
27	घरेलू अपशिष्ट से भिन्न मछली, मुर्गा और अपशिष्ट की यथानिर्दिष्ट पृथक्करण रीति से डिलीवरी न करने पर।	500	"
28	बिना डिब्बा/अपशिष्ट टोकरी के ठेले वालों/फेरी वाले/दुकानदारों के लिए।	200	"
29	पालतू रखे गये पशुओं द्वारा कूड़ा फैलाए जाने के लिए।	500	"
30	व्यक्ति/संस्था/प्रतिष्ठान द्वारा सार्वजनिक स्थल पर अनिधिकृत रूप से पानी बहाने पर।	500	"
31	सार्वजनिक सम्मेलन/ समारोह के पश्चात 24 घण्टें के भीतर सफाई न करने के लिए।	2000	"

नोटः–

1. उपरोक्त प्रशमन/समझौता शुल्क/चार्जेज के दो वर्षो के उपरान्त पुनः निर्धारण का अधिकारी अधिशासी अधिकारी में निहित होगा। इसके पुनः निर्धारण के उपरान्त पूर्व की दरें स्वतः निष्प्रभावी हो जायेगी।
2. अधिकृत अधिकारी/एजेन्सी द्वारा प्रतिबन्धित पालीथीन/थरमाकोल अथवा अन्य प्रतिबन्धित सामग्री का उत्पादन एवं वितरण उसी स्थान/यूनिट से बार–बार पाये जाने पर उनके द्वारा ऐसी यूनिट को बन्द करने की संस्तुति अधिशासी अधिकारी को की जायेगी एवं इस प्रकार की रिपोर्ट प्राप्त होने पर अधिशासी अधिकारी द्वारा उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से ऐसी यूनिट को बन्द करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु कहा जायेगा।
3 यदि अधिकृत अधिकारी/एजेन्सी या कोई भी सामान्य नागरिक किसी कर्मचारी को खुले में कूड़ा जलाते हुए पाता है तो वे उसकी रिपोर्ट निकाय के अधिकारी को उसके विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही हेतु प्रेषित करेगें।

अनुसूची–2

जैवनाशित और पुनर्चक्रीय अपशिष्ट की सूची

जैवनाशित अपशिष्ट (उदाहरणार्थ स्वरूप)	**पुनर्चक्रीय अपशिष्ट (उदाहरणार्थ स्वरूप)**
जैवनाशित अपशिष्ट से तात्पर्य जीवाणु या अन्य जीवित प्राणियों द्वारा अपघटित या नाशित किये जाने योग्य कूड़ा कचरा या अपशिष्ट सामग्री से है। रसोई घर का अपशिष्ट जिसमें चाय की पत्ती, अण्डे के छिलके, फल और सब्जियों के छिलके शामिल है। मांस और हड्डियॉ, उद्यान व पत्तियों का कूड़ा करकट जिसमें फूल भी है। पशुओं का कूड़ा करकट, गोबर सफाई के बाद घर की गंदगी, नारियल के छिलके, राख, अन्य इसी कोटि के अपशिष्ट	पुनर्चक्रीय अपशिष्ट का तात्पर्य ऐसे शुष्क अपशिष्ट से है जिसे नयी वस्तुओं के उत्पादन से है जिसे नयी वस्तुओं के उत्पादन के लिए कच्ची सामग्री में एक प्रक्रिया के माध्यम से परिवर्तित किया जा सके और जो मूल उत्पाद के समान हो सकता है और नहीं भी हो सकता है। समाचार पत्र, कागज, पुस्तकें, पत्रिकायें शीशा, धातु के पदार्थ और तार प्लास्टिक फटे कपड़े चमड़ा रेक्सीन रबर लकड़ी/फर्नीचर पैंकिग के सामान एवं अन्य इसी प्रकार के अन्य इसी कोटि के अपशिष्ट

अनुसूची तीन

जैव चिकित्सीय अपशिष्ट की सूची

जैव चिकित्सीय अपशिष्ट

जैव चिकित्सीय अपशिष्ट का तात्पर्य ऐसे अपशिष्ट से है जो मनुष्यों या पशुओं के निदान या बेहोशी के दौरान या उनके सम्बन्धी शोध कार्यो के दौरान या जीव विज्ञान के उत्पादन या परीक्षण के दौरान उत्पन्न होता है।

1. धारदार अपशिष्टः–
   सुईयॉ, सिरींज, छुरिया, ब्लेड, शीशा इत्यादि जिनसे छेद या कटाव हो सकता है इसमें प्रयुक्त और अप्रयुक्त धारदार दोनों है।
2. बेकार दवाइयॉ और साइटोटाक्सिक औषधियॉः–
   अवसान तिथि के बाद की दूषित और बेकार दवाईयों के अपशिष्ट
3. ठोस अपशिष्ट
   रक्त और शरीर द्रव से दूषित सामग्री जिनमें रूई, पट्टी, प्लास्टर पट्टी, कपड़े की पट्टी, बिस्तर, चादर और रक्त से दूषित अन्य सामग्री।

अनुसूची–4

आवासीय/अनावसीय भवनों के परिसर का कूड़ा उठाने के लिए प्रस्तावित प्रयोक्ता शुल्क/यूजर चार्ज

कं0सं0	उपभोक्ता की श्रेणी	यूजर चार्ज प्रतिमाह
1	भवन एक मंजिल (500 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	30–00 रू0
2	भवन दो मंजिल (500 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	40–00 रू0
3	भवन तीन मंजिल या उससे अधिक (500 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	50–00 रू0
4	भवन एक मंजिल (501 वर्ग फीट से 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	60–00 रू0
5	भवन दो मंजिल (501 वर्ग फीट से 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	80–00 रू0
6	भवन तीन मंजिल या उससे अधिक (501 वर्ग फीट से 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	100–00 रू0
7	भवन एक मंजिल (1001 वर्ग फीट क्षेत्रफल से अधिक तक)	70–00 रू0
8	भवन दो मंजिल (1001 वर्ग फीट क्षेत्रफल से अधिक तक)	90–00 रू0
9	भवन तीन मंजिल या उससे अधिक (1001 वर्ग फीट क्षेत्रफल से अधिक तक)	120–00 रू0
10	व्यवसायिक प्रतिष्ठान एक मंजिल (500 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	80–00 रू0
11	व्यवसायिक प्रतिष्ठान दो मंजिल (500 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	120–00 रू0
12	व्यवसायिक प्रतिष्ठान तीन मंजिल या उससे अधिक (500 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	150–00 रू0
13	व्यवसायिक प्रतिष्ठान एक मंजिल (501 वर्ग फीट से 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	100–00 रू0
14	व्यवसायिक प्रतिष्ठान दो मंजिल (501 वर्ग फीट से 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	120–00 रू0
15	व्यवसायिक प्रतिष्ठान तीन मंजिल या उससे अधिक (501 वर्ग फीट से 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल तक)	150–00 रू0
16	व्यवसायिक प्रतिष्ठान एक मंजिल (1001 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल तक)	120–00 रू0
17	व्यवसायिक प्रतिष्ठान दो मंजिल (1001 वर्ग फीट अधिक क्षेत्रफल तक)	150–00 रू0
18	व्यवसायिक प्रतिष्ठान तीन मंजिल या उससे अधिक (1001 वर्ग फीट अधिक क्षेत्रफल तक)	180–00 रू0
19	ऐसे भवन जिनमें दुकान/व्यवसाय हो रहा हो	उपरोक्तानुसार भवन एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान के क्षेत्रफल के अनुसार
20	कच्चे भवनों व अन्त्योदय कार्ड धारक परिवार हेतु	5–00 रू0
21	पथ विक्रेता, पान/चाय/खोखा/ठेले/सब्जी, फल आदि	50–00 रू0
22	रेस्टोरेन्ट (50 वर्ग मीटर तक)	500–00 रू0
23	रेस्टोरेन्ट (50 वर्ग मीटर से अधिक)	1000–00 रू0
24	होटल, गैस्ट हाउस 30 कमरे तक	2000–00 रू0
25	होटल, गैस्ट हाउस 30 कमरे से अधिक	2500–00 रू0
26	होटल तीन सितारा एवं उससे अधिक	3000–00 रू0
27	लाज 30 कमरे तक	2000–00 रू0
28	लाज 30 कमरे से अधिक	3000–00 रू0
29	धर्मशाला 30 कमरे तक	1500–00 रू0
30	धर्मशाला 30 कमरे से अधिक	2000–00 रू0
31	बैंक	1500–00 रू0
32	सिनेमा हॉल	1500–00 रू0
33	बारातघर/बैंकट हॉल (3000 वर्ग मीटर तक) प्रति बुकिंग	2000–00 रू0
34	बारातघर/बैंकट हॉल (3000 वर्ग मीटर से अधिक) प्रति बुकिंग	5000–00 रू
35	स्कूल जिसमें 500 विधार्थी से कम हों	500–00 रू0
36	स्कूल जिसमें 500 या उससे अधिक विधार्थी हों	800–00 रू0
37	मॉल	5000–00 रू0
38	क्लीनिक, डिस्पेन्सरी, डैन्टल क्लीनिक, होम्योपैथी क्लीनिक, मेडीकल स्टोर, डिस्पेन्सरी, आयुर्वेदिक क्लीनिक, मेडीकल स्टोर, डिस्पेन्सरी, पैथोलॉजी सेन्टर, एक्सरे क्लीनिक, अल्ट्रासाउन्ड क्लीनिक, एम0आर0आई0 सेन्टर, सी0टी0 स्कैन सेन्टर	1000–00 रू0
40	नर्सिंग होम/अस्पताल 30 षैय्या से कम	3000–00 रू0
41	नर्सिंग होम/अस्पताल 30 षैय्या व उससे अधिक	5000–00 रू0
42	छात्रावास 30 कमरे से कम	1500–00 रू0
43	छात्रावास 30 कमरे या उससे अधिक	2000–00 रू0
44	उच्च शिक्षण संस्थान, डिग्री कॉलेज आदि	2000–00 रू0
45	विश्वविद्यालय	5000–00 रू0
46	कोचिंग इन्स्टीट्यूट 100 से कम विधार्थी	2000–00 रू0
47	कोचिंग इन्स्टीट्यूट 250 व उससे अधिक विधार्थी	3000–00 रू0
48	वर्कशॉप/फैक्ट्री 1000 वर्ग मीटर से कम	1000–00 रू0
49	वर्कशॉप /फैक्ट्री 1000 वर्ग मीटर से अधिक	2000–00 रू0
50	पेट्रोल पम्प	1500–00 रू0
51	शोरूम 1000 वर्ग फुट से कम	1000–00 रू0
52	शोरूम 1000 वर्ग फुट से अधिक	1500–00 रू0
53	व्यवसायिक कार्यालय, सरकारी कार्यालय, बीमा कार्यालय आदि	1000–00 रू0
54	वाहन सर्विस सेन्टर (टू–व्हीलर)	1000–00 रू0
55	वाहन सर्विस सेन्टर (फोर–व्हीलर)	2000–00 रू0
56	लघु व कुटीर उद्योग (केवल गैर खतरनाक) अपशिष्ट 10 कि0ग्रा0 प्रतिदिन	500–00 रू0
57	गोदाम, कोल्ड स्टोरेज (केवल गैर खतरनाक) अपशिष्ट	3000–00 रू0
58	उत्सव हाल एवं मेला, प्रदर्शनी इत्यादि 3000 वर्गमीटर तक (प्रति दिन)	2000–00 रू0
59	उत्सव हाल एवं मेला, प्रदर्शनी इत्यादि 3000 वर्गमीटर तक (प्रति दिन)	5000–00 रू0
60	अन्य जो ऊपर चिन्हित नहीं है	नगर पालिका के आंकलन के अनुसार

नोट :–

1. प्रयोक्ता शुल्क भुगतान न करने की दशा में अधिशासी अधिकारी या उनके प्राधिकृत अधिकारी को इन उपविधियों में वर्णित की गयी दरों के अनुसार देय धनराशि के अतिरिक्त उसका 20 गुना तक शमन शुल्क (कम्पाउन्डिंग फीस) वसूल करने का अधिकार होगा।
2. यदि कोई उपभोक्ता एक वर्ष का प्रयोक्ता शुल्क अग्रिम (एडवांस) जमा करता है तो वह 01 माह के प्रयोक्ता शुल्क की छूट प्राप्त करने का अधिकारी होगा।
3. विधवा/बेसहारा महिला एकल रूप से (50 वर्ग गज मकान में स्वयं निवास करती हो) प्रयोक्ता शुल्क से मुक्त रखा जायेगा, जिसका प्रमाण–पत्र प्रत्येक वर्ष नगर पालिका परिषद् से प्राप्त करना होगा। यदि भवन अथवा भवन का आंशिक भाग किराये पर दिया गया है तो वह भवन स्वामी छूट प्राप्त करने हेतु पात्र नहीं होगा।
4. वह वरिष्ठ नागरिक जो आर्थिक रूप से कमजोर हो तथा 100 वर्ग गज तक के मकान में निवास करते हों, एवं शारीरिक अथवा मानसिक रूप से अस्वस्थ हो एवं उनके साथ वृद्ध पत्नी के अतिरिक्त अन्य कोई परिवारजन अथवा अनुरूप सहायक आवासित न हो उनको प्रयोक्ता शुल्क से मुक्त रखा जायेगा परन्तु ऐसे वरिष्ठ नागरिक को नगर पालिका परिषद् जहॉगीराबाद से इस सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र प्राप्त करना होगा तथा प्रतिवर्ष उसका नवीनीकरण कराना होगा।
5. जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपरोक्त अनुसूची–4 की सीमा में नहीं आयेंगे। इनका निस्तारण जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबन्धन नियम–2016 के अन्तर्गत होगा।
6. प्रयोक्ता शुल्क अनुसूची–4 में वर्णित शुल्क प्रत्येक 2 वर्ष में पालिका द्वारा पुनरीक्षित की जा सकेगी। पुनरीक्षण का अधिकार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद् जहॉगीराबाद में निहित होगा। उपरोक्त उपविधि में पुनरीक्षण के पश्चात् शुल्क में की गयी वृद्धि किसी भी दशा में 10 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

अनुसूची–5

निर्माण एवं विघ्वंष अपषिष्ट प्रबन्धन (निस्तारण नियमावली 2018)

1. परिभाषाएं :–

1. निर्माण का तात्पर्य विल्डिंग निर्माण के प्रोसर्स बिल्डिंग निर्माण सामग्री व सड़क नाला/नाली आदि के निर्माण से है
2. निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्ट का तात्पर्य बिल्डिंग/सड़क नाला/नाली निर्माण से उत्पन्न, बिल्डिंग जीर्णाद्धार, मरम्मत, बिध्वंश उत्पन्न अपशिष्ट से है।
3. विध्वंश का तात्पर्य जैवीय आपदा से बिध्वंश, मशीन/मजदूरों से तोडे जाने पर विध्वंश व विस्फोटक पदार्थ तोड़े जाने पर।
4. सेवा प्रदाता से तात्पर्य पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, विद्युत विभाग, दूरसंचार, सड़क नाली आदि के द्वारा कार्य कराये जाने पर उत्पन्न अपशिष्ठ से है।

2. निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली 2016 में दी गयी व्यवस्था जैसा है लागू होगी तथा इस उपविधि की धारा 3 के साथ किसी भी विवाद की स्थित में पढ़ा जायेगा।

3. अपशिष्ठ उत्पादनकर्ता के कर्तव्य :–

1. प्रत्येक अपशिष्ट उत्पादनकर्ता प्राथमिक रूप से उत्पन्न अपशिष्ठ के लिये जिम्मेदार होगा तथा इस नियमावली के प्रकाशन के दिनांक से कोई कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नगर पालिका परिषद सुलतानपुर से निर्माण एवं विध्वंश से उत्पन्न अपशिष्ठ निस्तारण के सम्बन्ध में अनुमति प्राप्त करेगा।
2. अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता जो 20 टन प्रतिदिन या 300 टन प्रतिमाह अपशिष्ठ उत्पन्न करते है उनके द्वारा अपने बाउण्ड्री युक्त स्थल में अपशिष्ट पृथक–पृथक जैसे मिट्टी, स्टील, लकड़ी, प्लास्टिक, ईंट, लोहा व ककंरीट का प्रबन्धन प्लान निकाय कार्यालय में प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त करना होगा।
3. कोई भी अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता निकाय द्वारा उपलब्ध कराये गये स्थल पर निर्माण एवं विध्वंश से उत्पन्न अपशिष्ठ को अनुमति लेकर निशुल्क दे सकेगा जो अवापसी योग्य अन्यथा नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा हटवाये जाने वाले पर उठाने से लेकर पहुचाने एवं निस्तारण तक के खर्च का वहन अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता से लिया जायेगा।
4. नगर के भवन स्वामी अपने मकान निर्माण, मरम्मत, जीर्णाद्धार से उत्पन्न अपशिष्ठ का निस्तारण स्वयं करेगा यदि सड़क सार्वजनिक स्थल पर अपशिष्ट डालते पाया जाता है तो अर्थदण्ड जुर्माना से दण्डित किया जायेगा।

4. ठेकेदार व सेवाप्रदाता के कर्तव्यः–

1. सेवाप्रदाता द्वारा कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से तीन माह पूर्व नगर पालिका परिशद सुलतानपुर से कार्य करने, उत्पन्न अपशिष्ट के निस्तारण के सम्बन्ध में अनुमति प्राप्त करेगा, अनुमति के समय उत्पन्न अपशिष्ट को रखने की व्यवस्था एवं उसके निस्तारण की समयबद्ध कार्ययोजना भी प्रस्तुत करनी होगी।
2. निर्माण स्थल कार्य कराये जाने के पश्चात् उत्पन्न अपशिष्ट हटाकर साइड क्लीन/पूर्व की भांति स्वच्छ करना होगा।
3. उपर्युक्त धारा 1 व 2 का अनुपालन न करने की स्थिति में अर्थदण्ड/जुर्माना के साथ नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा उठाये जाने/निस्तारण किये जाने पर, उठाये जाने से लेकर परिवहन व निस्तारण तक होने वाले व्यय की वसूली सेवाप्रदाता/भवन स्वामी से की जायेगी।

5. सभी अपषिष्ठ उत्पन्न कर्ता ऐसी उपयोगिता फीस का संदाय करेगें जो ठोस अपशिष्ठ प्रबन्धन के लिये स्थानीय निकायों का उपविधियों में विनिर्दिष्ट किया जाय।

क्र.सं.	जुर्माना/अर्थदण्ड	जुर्माने की दर प्रतिदिन रूपये में
1	**बिना अनुमति कार्य प्रारम्भ किये जाने पर**	**रूपया– 10000 प्रतिव्यक्ति**
2	कार्य के उपरान्त कार्य स्थल पर उत्पन्न अपशिष्ट छोडने पर अथवा अपशिष्ठ का निस्तारण न करने की स्थित में	रूपया– 30000 साथ ही निकाय द्वारा निस्तारण में आये समस्त व्यय की धनराशि वसूल की जायेगी।
3	नगर पालिका/पी0डब्ल्यू0डी0, जलनिगम/सेवा प्रदाता/समाज कल्याण निगम/डूडा द्वारा सड़क नाला/नाली का कार्य एवं अन्य मरम्मत कार्य कराये जाने के उपरान्त मौके पर अपशिष्ठ पाये जाने पर	रूप्या– 10000 व निकाय द्वारा अपशिष्ठ निस्तारण में आय–व्यय की वसूली की जायेगी।
4	उक्त के अतिरिक्त कार्यदायी संस्थाओं द्वारा अपशिष्ठ निस्तारण न किये जाने की स्थिति में ।	निकाय द्वारा अपशिष्ठ निस्तारण में आने वाले व्यय की वसूली भू–राजस्व की भांति वसूल की जायेगी।
5	नगर के भवन स्वामी मकान निर्माण मरम्मत, जीर्णाद्धार से उत्पन्न अपशिष्ठ सड़क सार्वजनिक स्थल पर डालने पर	1– रूपया 3000/– (0 किग्रा0 – 05 कु0 तक अपशिष्ठ पाये जाने पर) 2–05 कुन्तल से अधिक प्रत्येक कुन्तल पर रू0 1000/–प्रति कुन्तल की दर से वसूला जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सुलतानपुर

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 26 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नारी शक्ति सम्मान समारोह में डॉ. पल्लवी सम्मानित

सम्मानित की गईं डा. पल्लवी तिवारी।

सुलतानपुर, अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय महिला अपराध उन्मूलन दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश यूथ एसोसिएशन द्वारा सहकारिता भवन, हजरतगंज में आयोजित नारी शक्ति सम्मान समारोह में प्रदेशभर से चयनित 62 महिलाओं को उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ग्रामीण क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण, मासिक धर्म स्वच्छता और कैंसर जागरूकता को लेकर उल्लेखनीय कार्य करने के लिए डॉ. पल्लवी तिवारी, सहायक अध्यापक बेसिक शिक्षा परिषद को भी नारी शक्ति सम्मान से नवाजा गया। सम्मानित 62 महिलाओं में 25 सरकारी संस्थानों की महिलाएं तथा शेष सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय महिलाएं शामिल रहीं।

शादी समारोह में मोबाइल चोरी, केस

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : शेखपुर गांव में आयोजित शादी समारोह के दौरान एक व्यक्ति का मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जौनपुर जिले के अमावाखुर्द ईशापुर निवासी शिवकुमार वर्मा 23 नवंबर की शाम शेखपुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम के दौरान किसी ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया। पीड़ित द्वारा सोमवार को दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब के नशे में महिला से मारपीट, केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : शराब के नशे में घर पर पहुंचकर एक महिला से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के कलिकापुर गांव निवासी राधा देवी पत्नी शेर बहादुर ने आरोप लगाया कि 21 नवंबर की रात लगभग साढ़े आठ बजे विपक्षी शराब के नशे में उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने डंडे तथा लात-घूंसों से उनकी पिटाई कर दी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सोमवार को मिली तहरीर के आधार पर गांव के ही मनोज यादव के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अपहरण व दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष की कैद

स्पेशल कोर्ट ने 15 हजार का अर्थदंड भी लगाया, अर्थदंड न अदा करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट नीरज श्रीवास्तव की अदालत ने किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोषी पाए गए आरोपी मोहित को मंगलवार को 10 वर्ष की सश्रम कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उस पर 15 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड न अदा करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मामले में अदालत ने सोमवार को अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी मोहित को अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोषी ठहराया था। मंगलवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी करने के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया और दोषी को जेल भेजने का आदेश दिया। घटना कोतवाली लंभुआ क्षेत्र के एक गांव की है। पीड़िता किशोरी की मां ने आरोप लगाया था कि 10 सितंबर 2018 को आरोपी मोहित उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पखवाड़े भर बाद मुकदमा दर्ज कराया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने दुष्कर्म व पाक्सो समेत अन्य धाराएं बढ़ाकर चार्जशीट दाखिल की। मामले का ट्रायल स्पेशल कोर्ट में चला। विशेष लोक अभियोजक सीएल द्विवेदी ने कड़ी सजा की मांग की। अदालत ने आरोपी को अपहरण व दुष्कर्म का दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

संग्रह अमीन हत्याकांड में इंस्पेक्टर तलब

संवाददाता, सुलतानपुर : अमेठी के भद्दौर गांव में संग्रह अमीन सुरेश यादव व भतीजे बृजेश यादव की हत्या मामले में कोर्ट न्यायाधीश संध्या चौधरी के अवकाश पर होने से सुनवाई 1 दिसंबर तक टल गई। मामले में बचाव पक्ष के वकील संतोष पांडेय ने बताया आरोपी जलालुद्दीन व अन्य की अर्जी पर अदालत ने अभियोजन गवाह इंस्पेक्टर अमर सिंह को जिरह हेतु तलब किया है।

धोखाधड़ी व कूटरचना के गंभीर मामले में आरोपी की उन्मोचन अर्जी खारिज

- मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने 17 जनवरी को आरोप तय करने की तिथि निर्धारित की

संवाददाता, सुलतानपुर : मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की अदालत ने धोखाधड़ी, कूटरचना व जालसाजी संबंधी गंभीर आरोपों में कोतवाली नगर थानाक्षेत्र के घरहाखुर्द निवासी आरोपी मोहम्मद यूनुस द्वारा दायर उन्मोचन (डिस्चार्ज) अर्जी को खारिज कर दिया है। आरोपी ने दो साल पूर्व दर्ज हुए केस में यह कहते हुए उन्मोचन की मांग की थी कि प्राथमिकी गलत तथ्यों पर आधारित है और उसके विरुद्ध कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। आरोपी ने यह भी कहा कि मृतक युसुफ अली हस्ताक्षर करते थे, अत: वसीयत को फर्जी बताना गलत है तथा नायब तहसीलदार नगर द्वारा पूर्व में संपत्ति उसके नाम दर्ज की जा चुकी है। अधिवक्ता अब्बास अहमद खान ने वादी चांद बाबू की तरफ से उन्मोचन अर्जी पर विरोध दर्ज कराते हुए कहा आरोपी ने छल, धोखा और कूटरचना कर दो पृष्ठों की फर्जी वसीयत तैयार करवाई, जिस पर मृतक युसुफ अली के फर्जी हस्ताक्षर बनाये गये। वादी का कहना है कि आरोपी ने यह वसीयत तैयार कराकर वर्ष 1993 में अपने पक्ष में दाखिल खारिज करा ली थी, जबकि उस समय वादी नाबालिग था और उसकी नानी मुकदमेबाजी करने में असमर्थ थी। कोर्ट ने वादी पक्ष व बचाव पक्ष को सुनने के बाद पाया कि आरोप हेतु प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं और आरोपी के उन्मोचन का कोई आधार नहीं बनता है। कोर्ट ने आरोपी की उन्मोचन अर्जी खारिज कर आरोप तय करने के लिए 17 जनवरी की तारीख नियत की है।

पूर्व मंत्री के मुकदमे में गवाह के खिलाफ वारंट

संवाददाता, सुलतानपुर : एमपी- एमएलए कोर्ट में पूर्व मंत्री जंग बहादुर के खिलाफ चल रहे हत्या के मुकदमे में मंगलवार को कोर्ट न्यायाधीश राकेश ने अभियोजन गवाह जगदम्बा के गैरहाजिर रहने पर उसके खिलाफ जमानतीय वारंट जारी कर सुनवाई के लिए 1 दिसंबर की तारीख नियत की है। जामो थाना क्षेत्र के गौरा पूरे मतऊ निवासी शिव कुमार ने अपने भाई राजकुमार यादव की हत्या के आरोप में 17 अप्रैल 2001 को मुकदमा दर्ज कराया था।

पूर्व विधायक संतोष पांडेय के केस में बहस 5 को

- आदर्श चुनाव आचार संहिता से जुड़ा मामला

संवाददाता, सुलतानपुर : लंभुआ के पूर्व विधायक संतोष पांडेय सहित 12 के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में एमपी/ एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की विशेष अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। विधायक के वकील संतोष पांडेय ने बताया कोर्ट ने बहस के लिए 5 दिसंबर की तारीख नियत की है। लंभुआ के पूर्व सपा विधायक सन्तोष पांडेय व सह आरोपितों पर फरवरी 2022 में दो एफआईआर लंभुआ व कोतवाली देहात थाने में लिखाई गई थी। विधानसभा चुनाव के दौरान उड़नदस्ता प्रभारी रहे बीडीओ संदीप सिंह ने आरोप लगाया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व विधायक ने समर्थकों के साथ विधानसभा क्षेत्र में कई स्थानों पर बिना प्रशासन की अनुमति के जनसभा की। जिससे आदर्श चुनाव आचार संहिता और कोरोना महामारी के नियमों का उल्लंघन हुआ।

हिंदुओं की भावनाओं का प्रतीक है धर्म ध्वजा

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार: श्रीराम मंदिर पर फहराया गया धर्म ध्वज केवल धर्म ध्वजा ही नहीं, बल्कि विश्व का न्याय ध्वज है। हजारों कार्य सेवकों का बलिदान और करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का प्रतीक है। यह मंदिर और ध्वज उस ऐतिहासिक काल का संदेश भविष्य में देता रहेगा। उक्त बातें विहिप के जिलाध्यक्ष हृदय मणि मिश्र ने गायत्री मंदिर में ध्वज फहराने का लाइव प्रसारण देखने के बाद कहा कि इस अवसर पर प्रांत सह बौद्धिक प्रमुख आरएसएस अखिलेश, दिलीप, जिला संरक्षक राम आशीष, मीरा पांडे, बृजेश सिंह, आदित्य, संजय सहित नगर और प्रखंडों के प्रमुख पदाधिकारी सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोवंश के अवशेष मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश

- कोतवाल बोले- जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार: पिलखनी गांव के एक खेत में गोवंशों के कटे अवशेष मिलने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने पुलिस पर मिलीभगत और धनउगाही के आरोप भी लगाए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद अवशेषों को जमीन में गड्ढा खुदवाकर दफन कराया।

मामला लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के पिलखनी गांव का है, जहां खेत में सिर और पैर कटे गोवंश के कई अवशेष मिले। गांव वालों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने निरीक्षण करते हुए अवशेषों को दफन करवा दिया। उधर, व्यापारी नेता एवं ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष जयशंकर त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर पुलिसकर्मियों और कोतवाली इंचार्ज पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पुलिसकर्मियों की शिथिलता की वजह से ऐसे मामले सामने आते हैं, जिससे सरकार की छवि धूमिल होती है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि खेत में गोवंश के अवशेष मिले हैं जिन्हें दफन करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण से 11 फीट हुई 25 फीट की सड़क

सुलतानपुर, अमृत विचार : पयागीपुर के पास शंकर बिहार कॉलोनी में सड़क पर हुए अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप है कि अतिक्रमणकारी द्वारा सड़क पर कब्जा कर सरकारी नियमों को खुली चुनौती दी जा रही है। शंकर बिहार कॉलोनी में निवास कर रहे एक व्यक्ति पर आरोप है कि उन्होंने सड़क पर अवैध निर्माण कर दिया है। नगरपालिका अभिलेखों के अनुसार यहां 25 फीट चौड़ी सड़क दर्ज है, लेकिन उनके घर के सामने सड़क सिकुड़कर मात्र 11 फीट रह गई है। इतना ही नहीं, सड़क पर कंटीले वृक्ष भी लगा दिए गए हैं, जिससे मोहल्लेवासियों का आवागमन और भी बाधित हो रहा है। अधिवक्ता शिशिर कुमार सिंह, जो जनहित के मुद्दों को निर्भीकता से उठाने के लिए जाने जाते हैं, ने इस मामले की लिखित शिकायत अध्यक्ष नगर पालिका, डीएम, एसडीएम और सभासद पयागीपुर सहित उच्च अधिकारियों को भेजी है।

कार की टक्कर से व्यवसायी की मौत

अखंडनगर, सुलतानपुर

अमृत विचार: कादीपुर-अखंडनगर मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में टेंट हाउस व्यवसायी की मौत हो गई। घटना के बाद स्वास्थ्य केंद्र पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिसिर जमालपुर, थाना अखंडनगर निवासी कमलेश कुमार वर्मा 50 मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे दहलवा गेट के पास मिश्रीलाल के यहां टेंट लगा रहे थे। इसी दौरान कादीपुर की ओर से आ रही तेज़ रफ्तार अज्ञात कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के समय मृतक के पुत्र अजय वर्मा, अमन वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे। घायल कमलेश को लेकर परिजन सीएचसी अखंडनगर पहुंचे, जहां डॉक्टर विवेक वर्मा ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने स्वास्थ्य केंद्र पर हंगामा कर दिया। गुस्साए लोग खिड़कियां तोड़ने लगे और स्वास्थ्य कर्मचारियों व पुलिस से भी बदसलूकी की गई। बाद में पुलिस ने समझाकर स्थिति को सामान्य कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुत्र की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सीएचसी अखंडनगर में हंगामा करते परिजन व इनसेट में कमलेश की फाइल फोटो।

- घटना से गुस्साये परिजनों ने सीएचसी पर किया हंगामा

पेशकार व कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

- नजूल भूमि आवंटन में धोखाधड़ी का लगा आरोप

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार : नजूल भूमि को कूटरचना कर अपने नाम आवंटित कराने और राजकीय अभिलेखों एवं कंप्यूटर आईडी-पासवर्ड में छेड़छाड़ के गंभीर आरोप में तहसीलदार के पेशकार और कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला एसडीएम रीडर की तहरीर पर दर्ज हुआ है। प्राथमिक जांच के बाद डीएम पहले ही पेशकार को निलंबित कर कादीपुर अटैच कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक सुलतानपुर कोतवाली देहात क्षेत्र के बभनगवां गांव निवासी शरद सिंह करीब 15 वर्ष पहले मृतक आश्रित कोटे से लंभुआ तहसील में नियुक्त हुए थे। आरोप है कि उन्होंने लगभग दो वर्ष पूर्व तत्कालीन एसडीएम वंदना पांडेय को गुमराह कर अपने घर के बगल स्थित कीमती नजूल भूमि को अपने नाम आवंटित करा लिया। इसके बाद मौजूदा न्यायिक मजिस्ट्रेट मंजुल मयंक को भी भ्रमित कर सरकारी भूमि का परवाना खतौनी में अपने नाम दर्ज करा लिया। शिकायत के अनुसार पेशकार शरद सिंह ने अपने सहयोगी कंप्यूटर ऑपरेटर ध्रुव कुमार मिश्र के साथ मिलकर राजकीय अभिलेखों और कंप्यूटर पासवर्ड आईडी में भी छेड़छाड़ की। उपजिलाधिकारी के रीडर मो. खालिद की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दोनों के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। कोतवाली प्रभारी संदीप राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

केस वापस लेने के दबाव में मारपीट की

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के अन्दारायपुर गांव में मुकदमा वापस लेने के दबाव में मारपीट और नलकूप उपकरण जलाये जाने का गंभीर मामला सामने आया है। रागिनी पाठक पत्नी मंजीत पाठक ने आरोप लगाया कि 21 नवंबर को विपक्षियों ने उनके नलकूप की मोटर व केबिल में आग लगा दी। घटना का फुटेज सीसीटीवी कैमरे में दर्ज बताया गया है। आरोप है कि लाठी-डंडों से लैस विपक्षी घर पहुंचकर पहले दर्ज छेड़खानी का मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर उन्होंने रागिनी पाठक की पिटाई कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची उनकी सास को भी मारा-पीटा गया, जिससे दोनों घायल हो गईं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रमेश पाठक, रोहित पाठक तथा रमेश पाठक के साले के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दूल्हा बारात लेकर नहीं आया, पुलिस करती रही इंतजार

जलालपुर, अंबेडकरनगर

मिली मायूसी

- शादी का झांसा देकर शोषण के आरोपी पर दर्ज किया गया केस
- पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दे रही है दबिश

अमृत विचार। शादी का भरोसा देकर दो वर्ष तक दैहिक शोषण, मारपीट और धमकी देने के आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने पूरा जाल बिछाया, लेकिन आरोपी दूल्हा बारात लेकर ही नहीं पहुंचा। जिसके चलते पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी। कोतवाली पुलिस पूरे रात इंतजार करती रही, लेकिन आरोपी के न आने से कार्रवाई अधर में रह गई। यह मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है।

बता दें कि 22 वर्षीय पीड़िता ने तहरीर देकर बताया कि वह वर्ष 2022 से बेंगलुरु में निजी नौकरी कर रही थी। इसी दौरान उसकी पहचान अश्विनी कुमार निवासी नारायणपुर कला थाना दोस्तपुर जनपद सुल्तानपुर से हुई। आरोपी ने शादी का भरोसा दिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और दोनों साथ रहने लगे। आरोप है कि पीड़िता की नौकरी की पूरी सैलरी भी आरोपी अपने पास रखता था। पीड़िता के अनुसार पिछले दो वर्षों से संबंध बनाए रखने के बाद आरोपी का व्यवहार अचानक बदल गया। वह मारपीट, गाली-गलौज और जबरन दैहिक शोषण करने लगा। दीपावली पर घर लौटने पर पीड़िता को पता चला कि आरोपी अश्विनी की शादी 23 नवंबर को किसी अन्य युवती से तय कर दी गई है। यह सुनकर वह सदमे में आ गई। पीड़िता ने बताया कि उसके अश्विनी से बने संबंधों के चलते वह दो महीने की गर्भवती भी है। फोन करने पर आरोपी ने शादी से साफ इनकार कर दिया तथा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता ने आरोपी की शादी रुकवाने, मेडिकल परीक्षण कराने और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अश्विनी कुमार के विरुद्ध दैहिक शोषण, मारपीट, धोखा देने और धमकी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। रविवार को आरोपी बारात लेकर जलालपुर क्षेत्र में आने वाला था, जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने की पूरी तैयारी की थी, लेकिन दूल्हा बारात लेकर ही नहीं पहुंचा। इसके चलते आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

वहीं इस मामले में कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

हिंदुओं की भावनाओं का प्रतीक है धर्म ध्वजा

जलालपुर, अंबेडकरनगर

- श्रीराम मंदिर के कार्यक्रम को लेकर विहिप के जिलाध्यक्ष बोले

अमृत विचार। श्रीराम मंदिर पर फहराया गया धर्म ध्वज केवल धर्म ध्वजा ही नहीं, बल्कि विश्व का न्याय ध्वज है। हजारों कार्य सेवकों का बलिदान और करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का प्रतीक है। यह मंदिर और ध्वज उस ऐतिहासिक काल का संदेश भविष्य में देता रहेगा। उक्त बातें विहिप के जिलाध्यक्ष हृदय मणि मिश्र ने गायत्री मंदिर में ध्वज फहराने का लाइव प्रसारण देखने के बाद कहीं। कि इस अवसर पर प्रांत सह बौद्धिक प्रमुख आरएसएस अखिलेश, दिलीप, जिला संरक्षक राम आशीष, मीरा पांडे, बृजेश सिंह, आदित्य, संजय सहित नगर और प्रखंडों के प्रमुख पदाधिकारी सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राम मंदिर पर ध्वज धर्म, संकल्प और मर्यादा का प्रतीक : **जहांगीरगंज:** अयोध्या में राम मंदिर पर धर्म ध्वजा फहराए जाने के बाद बीजेपी और हिन्दूवादी संगठनों में खुशी का माहौल है। नेताओं ने इसे गर्व का पल और नए युग की शुरुआत बताते हुए कहा कि यह ध्वज धर्म, संकल्प और मर्यादा का प्रतीक है। यह आयोजन देश भर में उत्सव और खुशी का प्रतीक भी बन गया है। इस अवसर पर उत्सव का माहौल है और लोग इस ऐतिहासिक पल को मना रहे हैं।

बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर की धर्म ध्वजा स्थापित होने पर जनपद के आलापुर विधानसभा की पूर्व विधायक और एससी एसटी आयोग की सदस्य अनीता कमल ने अपने कार्यालय पर भगवा ध्वज फहराया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता के बीच जय श्री राम के नारे लगाकर मिष्ठान बितरित कर जश्न मनाया। पूर्व विधायक ने अयोध्या में हुई धर्म-ध्वजा स्थापना को देश की सांस्कृतिक पुनर्जागरण यात्रा का महत्वपूर्ण क्षण बताया। वहीं रामनगर में आनंद जायसवाल के नेतृत्व में युवाओं ने भगवा ध्वज फहराया और मिष्ठान वितरित कर जश्न मनाया।

चोरी हुई छह क्विंटल वजनी तिजोरी पुलिस ने की बरामद

टांडा, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। थाना अखंड नगर जनपद सुल्तानपुर क्षेत्र के कमियां गांव के बाजार से सर्राफा व्यासायी की दुकान से चोरी हुई लगभग छह क्विंटल तिजोरी टांडा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पियरेपुर तेंदुआ में एक खेत में पड़े पुआल में लावारिश हालत में बरामद हुई है। पुलिस जांच में उक्त तिजोरी बीते 21-22 नवंबर को रात्रि में अखंडनगर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की निकली। जानकारी के मुताबिक थाना अखंड नगर पुलिस उक्त तिजोरी को मंगलवार को लेकर गई। बता दें कि बीते सोमवार की शाम को ग्राम तेंदुआ पियरेपुर में जितेंद्र वर्म पुत्र राम प्रसाद वर्मा के खेत में रक्खे पुआल में गांव के बच्चे खेल रहे थे, तभी पुआल में बच्चों की तिजोरी नजर आई। लोगों को बच्चों से मिली जानकारी के बाद मौके पर भीड़ लग गई और लोगों ने कोतवाली टांडा पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लगभग छह क्विंटल वजनी तिजोरी को जेसीबी मशीन से कोतवाली टांडा लाई गई। मामले की जांच शुरू हुई तो पता चला कि उक्त संदिग्ध तिजोरी थाना अखंड नगर क्षेत्र से हुई सर्राफा व्यासायी सिकंदर की दुकान से हुई चोरी की यहां की निकली। सर्राफा व्यासायी ने चोरी की पूर्व में स्थानीय थाने में दी थी।

महिलाओं को उत्पीड़न से बचने के बारे में किया जागरूक

जलालपुर, अंबेडकरनगर

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को उनके हक के बारे में जागरूक करते पुलिसकर्मी।

आयोजन

अमृत विचार। मंगलवार को जैतपुर थाना क्षेत्र के जैतपुर गांव में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, अधिकारों और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव की बड़ी संख्या में महिलाएं और किशोरियां मौजूद रहीं।

जागरूकता अभियान के दौरान कांस्टेबल हरि श्याम, महिला कांस्टेबल डिंपल समेत अन्य पुलिसकर्मी ने प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न जैसी समस्याओं की स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। पुलिस कर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं को 1090 महिला हेल्पलाइन, 181 महिला सहायता, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्डलाइन सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और उन्हें मोबाइल में सेव रखने की अपील की।

आयोजन अपर जिला जज ने नि:शुल्क विधिक सहायता एवं टेली-लॉ पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को किया जागरूक

डिजिटल कानूनी सहायता से मजबूत होगा ग्रामीण न्याय तंत्र

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के क्रम में विकास भवन सभागार में मंगलवार को निःशुल्क विधिक सहायता एवं टेली-लॉ योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, परियोजना निदेशक अनिल कुमार सिंह, राज्य समन्वयक टेली ला स्कीम वागीश सिंह, वरिष्ठ नामिका अधिवक्ता रामचन्द्र वर्मा, जनपद के सीएससी वीएलई एवं पीएलवी द्वारा बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वागीश सिंह राज्य समन्वयक टेली ला स्कीम द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत कर किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद अपर जिला जज भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता व निदेशक अनिल कुमार सिंह।

कार्यक्रम में अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता ने बताया कि टेली-ला योजना विधिक सहायता प्रणाली से सीधे जुड़ी हुई है तथा आज के डिजिटल युग में न्याय तक पहुंच आसान बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि टेली-लॉ जैसी पहल न्याय व्यवस्था को जमीनी स्तर तक ले जाने का एक सशक्त माध्यम है। डिजिटल कानूनी सहायता से ग्रामीण न्याय तंत्र मजबूत होगा। विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता को जब डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ा जाता है, तो न्याय और अधिक सुलभ हो जाता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग बिना किसी शुल्क के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से सीधे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। अपर जिला जज ने 13 दिसंबर को जनपद न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, कलेक्ट्रेट, जनपद की समस्त तहसीलों में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के विषय में भी जानकारी दी।

विधिक सहायता को गांव-गांव तक पहुंचाना है लक्ष्य

टेली लॉ राज्य समन्वयक वागीश सिंह ने बताया कि डिजिटल कानूनी सहायता न केवल जागरूकता बढ़ाती है बल्कि कमजोर वर्गों को न्याय से जुड़ने में बड़ी सहायता करती है। भूमि विवाद, पारिवारिक समस्याएं, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, पुलिस कार्रवाई से जुड़ी समस्याएं, एफआईआर, जमानत संबंधी प्रश्न समेत अनेक मामलों में अब टेली-ला के माध्यम से त्वरित और स्पष्ट कानूनी सलाह उपलब्ध है। उन्होंने भारतीय संविधान की मूल भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता और समानता का अधिकार देता है। टेली-लॉ सेवा इन संवैधानिक मूल्यों को धरातल पर उतारने का एक अत्यंत प्रभावी साधन है। तकनीक के माध्यम से विधिक सहायता को गांव-गांव तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। कार्यक्रम में रामचन्द्र वर्मा वरिष्ठ नामिका अधिवक्ता और पुष्पा पाल पीएलवी द्वारा टेली लॉ और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता के विषय में जानाकरी प्रदान की गई।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया गुरु पर्व

टांडा, अंबेडकरनगर। गुरु तेग बहादुर महाराज के 350 साला शताब्दी शहीदी गुरु पर्व को समर्पित कार्यक्रम गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा टांडा में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पांच दिवसीय प्रभात फेरी सुबह नगर भ्रमण करते हुए गुरुद्वारा साहिब पर संपन्न हुई। 23 नवंबर को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में साहिब अखंड पाठ आरंभ किए गए, जिनकी समाप्ति मंगलवार की सुबह हुई। वहीं सुखमणि साहिब का पाठ भजन-कीर्तन का कार्यक्रम के बाद गुरु का लंगर लोगों ने छका। शाम के दीवान साहिब में बच्चों द्वारा शहीदी पर्व पर कथा विचार व भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। यहां संरक्षक राजेश सलूजा, प्रधान त्रिलोक सिंह, पूर्व प्रधान अमरजीत सिंह, बबलू, सेक्रेटरी अंशु बग्गा, सतपाल सलूजा, कुशाल सिंह, हरजिंदर सिंह, हरजीत सिंह, गुरदीप सिंह, हरनीश सिंह रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएलओ को मिला सम्मान

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

उपलब्धि

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत बूथ संख्या-244 प्राथमिक विद्यालय धौरहरा विधानसभा क्षेत्र-278 टांडा की बीएलओ आशा देवी आंगनवाड़ी कार्यकत्री ने अपने बूथ के सभी 735 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर समयबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत प्रपत्र एकत्रित किए तथा उन्हें बीएलओ ऐप पर पूर्णतः डिजिटाइज कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उनके इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े सभी बीएलओ और संबंधित कार्मिक आपसी समन्वय के साथ मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त कर निर्धारित समयसीमा में उनका शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी टांडा शशि शेखर सहित आदि उपस्थित रहे।

बीएलओ आशा देवी को सम्मानित करते जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला।

राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा लहराते ही छलक पड़े श्रद्धा के आंसू

भावुक होकर बोले श्रद्धालु - रामराज्य आंखों के सामने हुआ जीवंत, अब काशी व मथुरा में भी हो धर्म ध्वजा का आरोहण

कमर अब्बास, अयोध्या

अमृत विचार: एक ऐतिहासिक क्षण को देखने की आतुरता आमजनमानस के दिलों में हिलोर मारती महसूस हुई। मौका विवाह पंचमी का रहा जब अयोध्या के भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज लहराया। यह त्रेता युग में भगवान राम और माता सीता के विवाह की स्मृति को समर्पित रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने अभिजीत मुहूर्त में धर्म ध्वजारोहण किया तो आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालुओं की आंखों से आंसू छलक पड़े।

राम दरबार की आरती उतारते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

भावुक श्रद्धालु बरबस बोले पड़े- मानो राम राज्य आज आंखों के सामने जीवंत हो गया। कहा, अब काशी और मथुरा में भी धर्म ध्वजारोहण का आरोहण होना चाहिए। रामपथ पर ध्वजारोहण की प्रतीक्षा में उमड़े श्रद्धालुओं ने कहा यह ध्वजारोहण न केवल धार्मिक महत्व रखता है बल्कि यह हिंदू संस्कृति की विजय और एकता का संदेश भी देता है। दिल्ली से अयोध्या पहुंचे वृद्ध राम भक्त रामदास ने कहा राम मंदिर का यह ध्वज न केवल कपड़े का टुकड़ा है, बल्कि सदियों की प्रतीक्षा का फल है। बोले, आज सब कुछ साकार हो रहा है। राम-राज्य आज जीवंत हो रहा है। मणि माता मंदिर की पुजारी जगन्नाथदास ने कहा विवाह पंचमी पर यह ध्वजारोहण हमें याद दिलाता है कि राम-सीता का प्रेम अमर है। हर घर में राम राज्य होना चाहिए। मुंबई से अयोध्या ध्वजारोहण समारोह के लिए आयीं अंजलि ने कहा मन अयोध्या में है और यह ध्वज मेरी आस्था का नया अध्याय है। कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सनातन समाज के लिए बहुत कुछ कर दिया। पूर्व सैनिक अशोक कुमार ने कहा जैसे लक्ष्मण ने राम की रक्षा की, वैसे ही यह मंदिर हमारी संस्कृति की ढाल है। ध्वज लहराया, गर्व हुआ। भोपाल की गृहिणी शंकुतला ने बताया कि वह रोज रामचरितमानस पाठ करतीं हैं। धर्म ध्वजारोहण के बाद भी राम नाम जपते रहो, सब सिद्ध होगा। हरि अनंत, हरि कथा अनंता।

हनुमान दास ने कहा, भगवा ध्वज हवा में लहराया, तो लगा जैसे हनुमान जी स्वयं आ गए। राम भक्ति में कोई सीमा नहीं। आंखों से आंसू नहीं रुक रहे हैं। चेन्नई से आई छात्रा राधा ने कहा दक्षिण से उत्तर तक राम का संदेश पहुंचा। यह ध्वजारोहण हमें एकजुट करता है। भगवान राम की जय हो। लखनऊ के व्यवसायी शिवा शर्मा ने कहा सुरक्षा चाक-चौबंद, उत्सव भव्य— यह राम राज्य की शुरुआत है। ध्वज फहराया, तो आंखें नम हो गईं। नगर के रिकाबगंज से आईं मंजू कसौंधन ने कहा कि सुबह आने में कोई परेशानी नहीं हुई, ध्वजारोहण समारोह हम सबके लिए गौरव की बात है। कहा आज सांझ दीप प्रज्वलित कर अपनी आस्था व्यक्त करेगीं।

चलता रहे धर्म ध्वजारोहण का आरोहण

राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण के बाद तमाम लोगों ने बातचीत में काशी विश्वनाथ मंदिर और मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर में भी धर्म ध्वजारोहण की बात कही है। मंगलवार को रामपथ पर बातचीत में मध्यप्रदेश से आए श्रदालु मनमीत गंगवार ने कहा कि अयोध्या की प्रतिक्षा पूरी हुई अब मथुरा और काशी में भी धर्म ध्वजा का आरोहण हो। गोरखपुर से आए डॉ. चंद्र किशोर सिंह ने कहा कि निश्चित रूप से अब सनातन संस्कृति का संपूर्ण सपना तभी साकार होगा जब काशी और मथुरा में भी धर्म ध्वजा लहराए।

पुलिया से टकराई बाइक हादसे में 2 दोस्तों की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : मंगलवार दोपहर बाइक सवार दो दोस्त हादसे के शिकार हो गए। जिसमें दोनों की मौत हो गई। रफ्तार के चलते बाइक पुलिया से जा टकराई, दोनों घायलों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सरयू नदी के दूसरे छोर पर रहने वाले मृतक जिला मुख्यालय पर पेंटिंग का काम पूरा कर अपने मूल गांव जा रहे थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार यह हादसा मंगलवार की दोपहर जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में दरहरा पुलिया पर हुआ। टिकैतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बांसगांव निवासी सुनील पुत्र रामहरख व मजरा कमियार वासी देवा निषाद पुत्र रवीन्द्र मंगलवार को जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के कनौजिया गांव में पेंटिंग का काम पूरा करने के बाद अपने गांव वापस जा रहे थे। बताया जा रहा कि क्षेत्र में दरहरा गांव स्थित पुलिया से इनकी तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों युवक बाइक समेत नीचे जा गिरे। हादसा इस कदर गंभीर था कि कुछ ही पलों में इन दोनों की मौत हो गई। उधर से गुजरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस इन्हे सीएचसी लेकर गई जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मोबाइल के सहारे पड़ताल की तो दोनों का गांव सरयू नदी के दूसरी छोर का निकला। जहां पहुंचने के लिए गोण्डा जिला होकर जाना पड़ता है। परिजनों को सूचना देकर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आठ दिन पहले सूरत से आए थे गांव : पेंटिंग के काम में माहिर सुनील व देवा में गहरी दोस्ती थी, वहीं दोनों अपने घर के कमाऊ सदस्य भी थे।

भव्य सुंदरकांड एवं भजन संध्या का आयोजन

मसौली, बाराबंकी : अमृत विचार। बाबा रामशरण दास भागवत दास कुटी हनुमान मंदिर में हनुमान जी का श्रृंगार फूल मालाओं से किया गया और मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में बदल गया। मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास ने श्रीराम स्तुति और गणेश वंदना के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया। भक्तों ने सुंदरकांड का पाठ किया और रामभक्ति के मधुर भजनों से वातावरण मंत्रमुग्ध कर दिया। अंकित वर्मा और अन्य कलाकारों ने भजन प्रस्तुत कर दरबार में उपस्थित सभी लोगों के दुख-दर्द दूर किए। कार्यक्रम के अंत में हनुमान जी की भव्य आरती और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहित वर्मा, ऋषि सैनी, चंद्रपाल यादव, रजत वर्मा, दीपक नाग, पंकज वर्मा, शिवा नाग, डॉ. सत्रोहन लाल, अशोक काश्यप सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक अमृत विचार
की 6वीं वर्षगांठ पर
सभी जनपदवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

सोनू जायसवाल
प्रधान प्रतिनिधि
भिस्वा बाजार हाटा कुशीनगर।

हिन्दी दैनिक अमृत विचार
की 6वीं वर्षगांठ पर
सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ओम इण्टरप्राइजेज
SALE & SERVICE
नोटः हमारे यहाँ उड़ान कम्पनी का ई-रिक्शा उपलब्ध है।
प्रो. चन्दन कुमार जायसवाल
स्वयल पैलेस के ठीक सामने, उत्तर पटरी पर, हाटा-कुशीनगर
मो0रू 8726155311, 9450478790 7379398112

श्री रघुकुल महिला विद्यापीठ
सिविल लाइन्स-गोण्डा (उ0प्र0)
(सम्बद्धः मॉ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर)
9415458212, 9838989000, 9648469000, 9984223300
आवश्यकता
महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर माइक्रोबायलोजी, वनस्पति विज्ञान एवं प्राणि विज्ञान विषयों में प्राध्यापन कार्य हेतु सहायक आचार्य पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित है:-
अर्हता- सहायक आचार्य पद हेतु स्नातक उपाधि द्वितीय श्रेणी, सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंको सहित यू0जी0सी0 रेगुलेशन-2016 प्रमाणपत्र सहित पी-एच.डी उपाधि अथवा यू0जी0सी0 नेट प्रमाण पत्र।
वेतन- यू0जी0सी0/उत्तर प्रदेश शासन/मॉ. पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
नोट- यू0जी0सी0 द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार नियुक्ति हेतु चयन की कार्यवाही की जायेगी।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन की तिथि से 14 दिवस के अन्दर आवेदन-पत्र पर नवीनतम फोटोग्राफ चस्पा कर अपने शैक्षिक अंकपत्रों/प्रमाणपत्रों/उपाधिपत्रों एवं अनुभव की स्वच्छ छायाप्रति संलग्न कर आवेदन करें।
प्रबन्धक

नन्दिनी नगर पी0जी0 कालेज
नवाबगंज-गोण्डा (उ0प्र0)
(सम्बद्धः मॉ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर)
9415458212, 9838989000, 9648469000, 9984223300
आवश्यकता
महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत परास्नातक स्तर पर अंग्रेजी, रसायन विज्ञान, गणित एवं प्राणि विज्ञान विषयों में प्राध्यापन कार्य हेतु सहायक आचार्य पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित है:-
अर्हता- परास्नातक सहायक आचार्य पद हेतु स्नातक उपाधि द्वितीय श्रेणी, सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंको सहित, यू0जी0सी0 रेगुलेशन-2016/2018 प्रमाणपत्र सहित पी-एच0डी0 उपाधि अथवा CSIR or UGC NET CERTIFICATE.
वेतन- यू0जी0सी0/उत्तर प्रदेश शासन/मॉ. पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
नोट- यू0जी0सी0 द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार नियुक्ति हेतु चयन की कार्यवाही की जायेगी।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन की तिथि से 14 दिवस के अन्दर आवेदन-पत्र पर नवीनतम फोटोग्राफ चस्पा कर अपने शैक्षिक अंकपत्रों/प्रमाणपत्रों/उपाधिपत्रों एवं अनुभव की स्वच्छ छायाप्रति संलग्न कर आवेदन करें।
प्रबन्धक

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बहराइच।

प्रगति के पथ पर अग्रसर नगरपालिका परिषद बहराइच

धनराशि रु0 लाख में

क्र0सं0	कार्य का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत धनराशि	आवंटित धनराशि	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	अभ्युक्ति
	वन्दन योजना						
1	नगर पालिका परिषद बहराइच में अवस्थित गोलवाघाट के निकट मरीमाता मन्दिर के सामने सरयू नदी के तट पर अवस्थापना सुविधाओं छादक घाट, बेन्च का निर्माण एंव प्रकाश व्यवस्था हेतु एल0ई0डी0 लाईट (मय पोल फिक्सिंग सहित) एंव सौन्दर्यीकरण का कार्य।	2023-24	168.22	84.11 प्रथम किश्त	60 प्रतिशत	84.11	प्रथम किश्त के रूप में आवंटित धनराशि का पूर्ण उपभोग कर लिया गया है।
2	नगर पालिका परिषद, बहराइच के मो0 सलारगंज में गुल्लावीर मन्दिर के सामने काली मन्दिर के पास श्रद्धालुओं के लिए शेड (छादक) का निर्माण व प्रकाश व्यवस्था एंव बैठने हेतु बेंच लगवाये जाने का कार्य।	2023-24	63.039	31.519 प्रथम किश्त	70 प्रतिशत	23.30	
	मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना						
1	पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड में आशीष सिंह के मकान से श्री जय सिंह के मकान के आगे तक इंटरलाकिंग का कार्य।	2022-23	13.857	13.857	पूर्ण	11.72	आंशिक भुगतान शेष
2	पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर में श्री एस0वी0 तिवारी के मकान से कर्बला तक इंटरलाकिंग का कार्य।	2022-23	17.043	8.521	पूर्ण	10.606	
3	पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड के पटेल नगर कालोनी में श्री धर्मेन्द्र चौधरी के मकान से पवन वर्मा के मकान तक व श्री अखिलेश अवस्थी के मकान से नन्दू के मकान तक और श्री बाबूराम मौर्य के मकान से सूर्य लाल मौर्य के मकान तक नाली व सी0सी0 रोड का कार्य।	2023-24	18.587	18.587	पूर्ण	18.587	
4	पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड के पटेल नगर कालोनी में डा0 पी0के0 वर्मा के मकान से सुशील श्रीवास्तव के मकान तक नाली व सी0सी0 रोड का कार्य।	2024-25	29.986	14.993 प्रथम किश्त	पूर्ण	-	त्रिस्तरीय समिति से कार्य का स्थलीय निरीक्षण करवाकर भुगतान 5की कार्यवाही शीघ्र की जायेगी।
5	मो0 सरस्वती नगर में श्री अनिल सिंह के मकान से सन्नी श्रीवास्तव के मकान होते हुए मनोज सिंह के मकान तक सी0सी0 और नाली निर्माण कार्य।	2024-25	36.13	9.03 प्रथम किश्त	80 प्रतिशत	-	तदैव
6	मो0 रायपुर राजा में श्री धनंजय मिश्र के मकान से राकेश चौधरी के मकान तक सी0सी0 और नाली निर्माण कार्य।	2024-25	19.73	4.93 प्रथम किश्त	50 प्रतिशत	-	तदैव
7	मो0 पंडित दीनदयाल उपाध्याय में सर्वजीत के मकान से सुड्डू यादव के मकान तक सी0सी0 और नाली निर्माण कार्य।	2024-25	4.38	1.10 प्रथम किश्त	पूर्ण	-	तदैव
8	मो0 सरस्वती नगर में श्री अनिल सिंह के मकान से संतोष सिंह के मकान तक सी0सी0 और नाली निर्माण कार्य।	2024-25	4.31	1.08 प्रथम किश्त	पूर्ण	-	तदैव
9	मो0 सरस्वती नगर में श्री रंजीत सिंह राठौर के मकान से रामप्रीत के मकान तक सी0सी0 और नाली निर्माण कार्य।	2024-25	5.21	1.30 प्रथम किश्त	पूर्ण	-	तदैव
	सीवरेज एवं जल निकासी योजना						
1	लखनऊ-बहराइच मार्ग पर मौर्या ट्रैक्टर से राजस्थान मार्बल शाप तक आर0सी0सी0 नाला का निर्माण कार्य।		38.46		पूर्ण		
2	लखनऊ-बहराइच मार्ग पर ऐक्सिस बैंक से सैनिक किड्स बॉडिंग स्कूल के पास तक आर0सी0सी0 नाला का निर्माण कार्य।		40.00		50 प्रतिशत	-	
3	लखनऊ-बहराइच मार्ग पर सैनिक धर्मकांटा से होटल शगुन पैलेस के पास तक आर0सी0सी0 नाला का निर्माण कार्य।		39.82		30 प्रतिशत	-	
4	लखनऊ-बहराइच मार्ग पर सनी ट्योटा शाप से पुलिया तक आर0सी0सी0 नाला का निर्माण कार्य।		35.02		पूर्ण	-	
5	लखनऊ-बहराइच मार्ग पर बन्जारी मोड से अय्यूब के मकान तक आर0सी0सी0 गहरी नाली का निर्माण कार्य।		35.50		30 प्रतिशत	-	
	झील/पोखर/तालाब संरक्षण योजना						
1	वार्ड रायपुरराजा में स्थित समय बेरिया माता तालाब के सौन्दर्यीकरण का कार्य।	2023-24	50.00	25.00	पूर्ण	24.94	आवंटित धनराशि के सापेक्ष भुगतान की कार्यवाही की जा चुकी है।

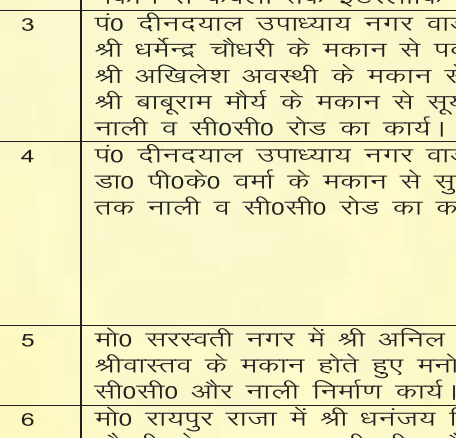

प्रमिता सिंह
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका परिषद, बहराइच

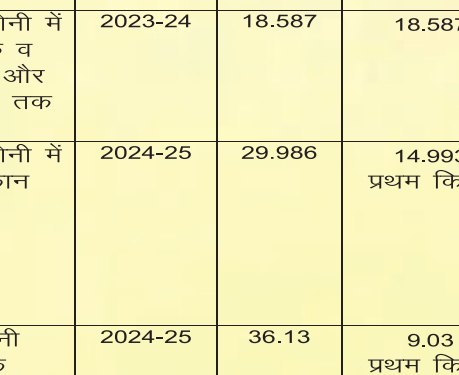

श्रीमती सुधा देवी
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद, बहराइच

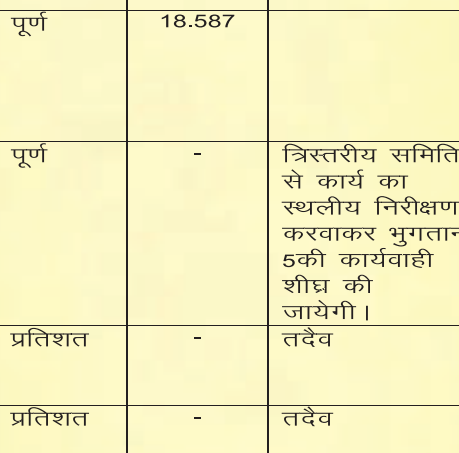

अक्षय त्रिपाठी
जिलाधिकारी, बहराइच

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है, मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। जिसका अनुक्रमांक- 1101786 एवं उत्तीर्ण वर्ष 2005 है। **नीलम यादव पुत्री राजबहादुर यादव ग्राम-लम्बुई, पो. मेजरगंज, जिला रायबरेली मो.नं. 9918760811**

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम कुमारी मानसी पुत्री मनीष तिवारी है। अब मेरा नाम परिवर्तित हो गया है। मेरा नाम **अनुष्का तिवारी पुत्री मनीष तिवारी, निवासी कुतुबपुर, शीसामऊ, जिला गोंडा पिन कोड नं0- 271502 से जाना पहचाना जाए।** उ0 प्र0

सूचना

मैं रशीदा पत्नी मुशताक खान निवासिनी-। शादाब कालोनी महानगर लखनऊ-226006, मेरा नाम पासपोर्ट में गलती से रशीदा बेगम (Rashida Begum) अंकित हो गया है जबकि मेरा सही नाम रशीदा (Rashida) है मुझे आजसे रशीदा के नाम से जाना व पहचान जाये।

सूचना

मैंने अपना नाम कमालुददिन से बदल कर कमालुद्दीन पुत्र श्री नसीर अहमद रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **कमालुद्दीन पुत्र श्री नसीर अहमद, निवासी- 494/30, सराय हसनगंज, डालीगंज, निराला नगर थाना-हसनगंज, लखनऊ**

सूचना

मैं ने अपना नाम SANTOSH KUMAR से बदल कर SANTOSH KUMAR YADAV रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: NANHKAU YADAV R/O:3/181, VINAMRA KHAND GOMTI NAGAR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226010

सूचना

सूचित किया जाता कि मै ABDUL HAQ से नाम बदलकर ABDUL HAQ FARIDI रख लिया है। अब भविष्य मे मुझे मेरे बदले हुए नाम से व पहचाना जाये। S/0-LATE ABDUL RASHID निवासी-एल-132 सेक्टर-L LDA कॉलोनी आशियाना कानपुर रोड लखनऊ उ0प्र0

मैं ALI JAHEER पुत्र मोहसिन अली नि0-390/56ख, न्यू नजफ रोड, रुस्तम नगर, लखनऊ। मेरा नाम की स्पेलिंग पासपोर्ट में ALI ZAHEER दर्ज हो गई है जोकि गलत है सही स्पेलिंग ALI JAHEER इसे ही सारे अभिलेखों में दर्ज किया जाये।

सार्वजनिक सूचना

सूचित हो कि मै **बद्री प्रसाद पुत्र विश्वनाथ निवासी- जयकरनपुर,मजरे बहरौली परगना कुर्सी तहसील फतेहपुर जिला-बाराबंकी,** अपने पुत्र कमलेश के किया कलापों से तंग आकर उसे तथा उसके परिवार के सदस्यों (बीबी व बच्चों) को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा उनसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगे।

सार्वजनिक सूचना

सूच्य हो कि मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम त्रुटिवश VIDYA WATI व जन्मतिथि 01/07/1972 अंकित हो गया है, जो गलत है। जबकि अन्य अभिलेखों में उनका नाम VIDYAVATI व जन्मतिथि 16/10/1970 है, जो सही है। मेरे पिता का सही नाम GANESH DEEN CHAURASIA है। अतः मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी और पिता का सही नाम दर्ज किया जाए। **फूल चंद्र चौरसिया पुत्र श्री गनेश दीन चौरसिया निवासी - निकट कबीर चौराहा, खोजनपुर ऊंचाहार - रायबरेली।**

बेदखली सूचना

मेरे पुत्र बशीर अख्तर का कार्य व्यवहार व चाल चलन ठीक नहीं है। बशीर अख्तर के गलत आचरण और उत्पीड़न से तंग आकर मैंने उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उससे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं है। **बिब्बो बानो पत्नी स्व. मो. शब्बीर निवासी ग्राम-इब्राहिमपुर, मजरे हेमनापुर थाना व तहसील बल्दीराय जिला सुलतानपुर**

सूचना

सूचित हो मैं अपने पुत्र **सुजीत कुमार व बहू मीना कनौजिया** के गलत आचरण व व्यवहार व उत्पीड़न से तंग आकर इन दोनों लोगों से अपने सभी प्रकार के सम्बन्ध समाप्त करते हुए इन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं तथा आज से इनके द्वारा किसी भी प्रकार के किये गये कार्यों के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होंगे और शपथी व उसका परिवार किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा। **-शिवकिशोर पुत्र स्व0 परीदीन** निवासी-म0नं0-538क/764, शिवपुरम्, त्रिवेणी नगर-3, जिला लखनऊ, उ0प्र0

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

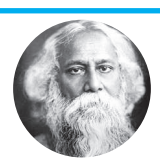

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

आमने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।
–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

सामने

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।
–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलनः जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आईरे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

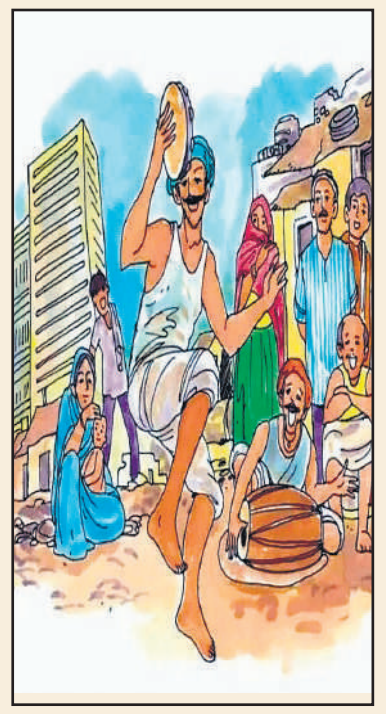

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

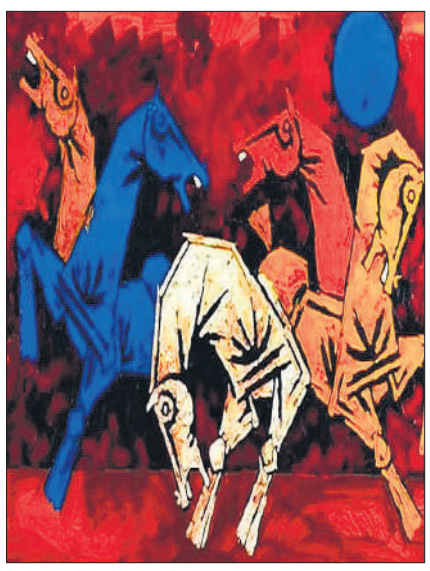

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।
कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।
सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

न्यूज ब्रीफ

हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव 2 व 3 को

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : स्थानीय हनुमान मंदिर में 44वां वार्षिकोत्सव 2 व 3 दिसम्बर को आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी देते हुए उमा प्रताप सिंह ने बताया कि 2 दिसम्बर को प्रात: 10 बजे मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा निकलेगी जो रानीबाग स्थित श्री राम जानकी मंदिर होकर वापस मंदिर परिसर पहुंचेगी। दोपहर 1 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। 3 दिसम्बर को देर शाम 7 बजे अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित होगा। आमंत्रित कवियों में रामकिशोर तिवारी ,गजेन्द्र प्रियांसू, अभय निर्भीक, डॉ. नीता सिंह, शिव किशोर तिवारी , देशराज सिंह मधुसूदन, निर्भय निश्चल, सन्तोष सिंह, भोला पागल और गौरव गौरवान्वित शामिल हैं।

तमंचा रखने के दो दोषियों पर जुर्माना

श्रावस्ती, अमृत विचार : गोंडा के खरगूपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कहला तेंदुआ निवासी अनवर को साल 1997 में कोतवाली भिनगा पुलिस ने 12 बोर के तमंचे व तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। सोमवार को अनवर को न्यायिक मजिस्ट्रेट गौरव द्विवेदी की कोर्ट पर पेश किया गया। जहां दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायाधीश गौरव द्विवेदी ने अनवर को दोषी करार देते हुए 1500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं एक अन्य मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने भिनगा के राजापुर निवासी शेषराम यादव को जेल में बिताई गई अवधि का कारावास व 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

नौवागांव में चकरोड पर कब्जे की कोशिश

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : तहसील नानपारा के नवागांव की पश्चिम-दक्षिण दिशा में स्थित एक चकरोड पर कब्जा किये जाने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। एक ग्रामीण ने बताया कि कब्जा पूरा होने के बाद रास्ता बंद हो जाएगा, जिससे आवागमन में भारी बाधा उत्पन्न हो सकती है। ग्रामीण के अनुसार इससे पहले भी इसी चकरोड के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया जा चुका है, लेकिन इस बार मामला गंभीर रूप ले रहा है अवैध कब्जे पर नींव भरी जा चुकी हैं ।

संविधान दिवस पर होंगे विविध कार्यक्रम

बहराइच, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने निर्देश दिया है कि संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर शासन की मंशानुसार हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर विभिन्न कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में विविध कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए कार्यक्रम की वीडियो एवं फोटोग्राफ्स वेबसाइट कांस्टिट्यूशन 75 डाट कॉम पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें।

अध्यापक समेत दो का वेतन बाधित

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) में लापरवाही बरतने पर की गयी कार्रवाई

सख्ती

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने पर एक सहायक अध्यापक और एक अनुदेशक का वेतन रोकने की कार्रवाई की गयी है।

सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किये गये क्षेत्र भ्रमण के दौरान चित्तौरा अन्तर्गत 325- प्रा.वि. मोहम्मद नगर काज़ीजोत के (क.न.-2) के लिए तैनात बीएलओ सहायक अध्यापक रूमाना कुद्दूस का वेतन तथा अनुदेशक संतोष कुमार का मानदेय तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक बाधित करते हुए अनुपस्थिति के सम्बन्ध मेंबीईओ चित्तौरा के माध्यम से स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मटेरा की संस्तुति पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह द्वारा सहायक अध्यापक रूमाना कुद्दूस का वेतन तथा अनुदेशक संतोष कुमार का मानदेय तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक बाधित करते हुए अनुपस्थिति के सम्बन्ध मेंबीईओ चित्तौरा के माध्यम से स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

के लिए तैनात बीएलओ शिक्षा अनुदेशक संतोष कुमार के क्षेत्र में अनुपस्थित पाये जाने पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मटेरा द्वारा सम्बन्धित कार्मिकों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की गयी थी।

तीन विभागों के कर्मचारियों को नोटिस जारी

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : उपजिलाधिकारीने मतदाता पुनरीक्षण अभियान में अपेक्षित सहयोग न करने पर तीन सरकारी विभागों के कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को तत्काल स्पष्टीकरण देने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस कार्य में गणना पुस्तकों के संकलन और डिजिटाइज़ेशन के लिए आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिका और सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि भाग संख्या 202 प्रावि-भूपगंज पश्चिम, भाग संख्या 204 प्रावि-कोट बाजार पयागपुर प्रथम तथा 205 प्रावि-कोट बाजार पयागपुर प्रथम की पुनरीक्षण गणना और सहायिका तथा आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सफाई कर्मी अनुपस्थित पाए गए। एसडीएम ने कहा कि उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा निर्वाचन जैसे अतिमहत्वपूर्ण कार्य में कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है। इस घोर लापरवाही को देखते हुए, उपजिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी वअधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे अपने विभाग के अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करें।

बीएसए द्वारा सम्बन्धित को सचेत किया गया है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण हेतु सौंपे गये दायित्वों का समय से निर्वहन करते हुए पुनरीक्षण कार्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बीएलओ उमा देवी को डीएम करेंगे सम्मानित

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार

: एसआईआर अभियान में कैसरगंज विस के बूथ संख्या 217 उच्च प्राथमिक विद्यालय दनावल कक्ष संख्या 1 की बीएलओ उमा देवी (आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री) ने अपने क्षेत्र का 100 प्रतिशत कार्य समय से पूर्व पूरा कर इतिहास रच दिया है। उमा ने न केवल अपने बूथ को आदर्श बनाया बल्कि कार्यकुशलता का नया मानदंड स्थापित किया। इस उपलब्धि के लिए डीएम द्वारा उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। यह उपलब्धि एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन व सुपरवाइज़र विश्वनाथ सिंह के पर्यवेक्षण में संभव हो सकी।

आत्महत्या को उकसाने के आरोप में दंपति गिरफ्तार

कार्रवाई

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : दूसरी पत्नी ने पहली पत्नी और पति के उकसाने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में वांछित चल रहे पति-पत्नी को नवाबगंज पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गत 7 नवंबर को नवाबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अवधूत गांव निवासी अली हुसैन उर्फ छोटकऊ की दूसरी पत्नी शबीना जो इसी ग्राम पंचायत की मजरा रामनगर निवासी जाहिद की पुत्री थी, ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। शबीना के पिता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश में जुटी थी। थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव ने बताया कि मंगलवार को गठित पुलिस टीम ने वांछित छोटकऊ उर्फ अली हुसैन तथा उसकी पहली पत्नी नजमुननिशा निवासी मजरा अवधूतगांव ग्राम पंचायत रामनगर सेमरा थाना नवाबगंज को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव ने बताया कि दोनों आरोपी वांछित चल रहे थे। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक चन्द्रिका प्रसाद, महिला उपनिरीक्षक इशरत जहां, हेड कांस्टेबल अर्जुन चौरसिया, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र राज सिंह मौजूद शामिल रहे।

एसएसबी के साथ सीमा पर गश्त करें पुलिसकर्मी

श्रावस्ती, अमृत विचार : एएसपी ने मंगलवार को सिरसिया थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्था की समीक्षा की। साथ ही एसएसबी के साथ मिलकर सीमा पर नियमित गश्त करने के निर्देश दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम ने सिरसिया थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, बैरक, भोजनालय और थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र का भ्रमण कर जायजा लिया। ड्यूटीरत कर्मियों से उनके कार्यों की जानकारी ली तथा कार्यालय अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई बनाए रखने, कार्य में किसी लापरवाही न करने की हिदायत दी। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र की कार्य प्रणाली, महिलाओं व बालिकाओं और बच्चों की सुरक्षा, कल्याण और केंद्र के संचालन व जागरूकता अभियान की समीक्षा की। ऑपरेशन क्लीन के तहत लावारिस वाहनों के निस्तारण के लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया। एएसपी ने कहा कि इंडो नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर सीमा पर नियमित गश्त करने का निर्देश दिया। इस दौरान एएसपी ने जनता की शिकायत सुनी और निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देशित किया।

धर्म रक्षा समिति कार्यालय का शुभारंभ

रुपईडीहा, बहराइच, अमृत विचार : दशहरा बाग परिसर में मंगलवार को धर्म रक्षा समिति के कार्यालय का उद्घाटन धार्मिक उल्लास के बीच संपन्न हुआ। श्रीअयोध्याधाम में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ के साथ हुई। इसके बाद हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। धर्म रक्षा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यालय उद्घाटन का उद्देश्य क्षेत्र में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, सामाजिक समरसता को मजबूत करना है।

बनकटा में लगेगी प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

सौगात

14 लाख रुपये की आएगी निर्माण कार्य में लागत

- परियोजना के लिए भूमि और अन्य प्रक्रियाएं कर ली गयीं पूरी
- वैज्ञानिक तरीके से होगा प्लास्टिक अपशिष्ट का संग्रहण और उपयोग

अमृत विचार : विकासखंड पयागपुर की ग्राम पंचायत बनकटा को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत एक बड़ी सौगात मिली है।

ग्रामीण क्षेत्र में कचरा निस्तारण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए यहां लगभग 14 लाख रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट स्थापित की जाएगी। ग्रामीण समग्र विकास विभाग ने इस परियोजना के लिए भूमि चयन और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। पयागपुर के खंड विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत ब्लॉक क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में से बनकटा को इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए चुना गया है। शासन से बजट आवंटित होने और यूनिट स्थापना से संबंधित दिशा-निर्देश जारी होने के बाद, प्रशासन ने तत्काल कार्यवाही शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, इस यूनिट का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से संग्रहित और निस्तारित करना है। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि निर्माण के लिए शासनादेश जारी हो चुके हैं और ग्राम पंचायत सचिव तथा ग्राम प्रधान को पत्र जारी कर तत्काल निर्माण कार्य शुरू करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस यूनिट से प्राप्त होने वाली प्रोसेस्ड सामग्री का उपयोग किसानों के खेतों में खाद के रूप में किया जा सकेगा, जो अपशिष्ट को संपदा में बदलने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इस यूनिट के चालू होने से गांव में खुले में पड़े प्लास्टिक कचरे से होने वाली गंदगी कम होगी, जिससे मच्छर-मक्खी और बीमारियों का प्रकोप भी घटेगा। अब तक प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट खुले में पड़े रहकर वातावरण को प्रदूषित कर रहे थे। प्रस्तावित यूनिट से प्लास्टिक कचरे को एक जगह एकत्र कर उसका वैज्ञानिक निस्तारण संभव हो पाएगा।

यूनिट के चालू होने के बाद, आसपास के गांवों से भी प्लास्टिक कचरा यहां लाकर प्रोसेस किया जा सकेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था में व्यापक सुधार की उम्मीद है।

धनुष टूटते ही जय श्रीराम से गूंजा पंडाल

संवाददाता, नवाबगंज बहराइच

अमृत विचार : नंदा गांव में चल रही चार दिवसीय धनुष यज्ञ मेले का समापन हो गया। श्रद्धालुओ ने ने सबसे पहले भगवान श्री राम दरबार की आरती उतारी। धनुष टूटते ही पंडाल जय श्रीराम के जयकारे से गूंज उठा।

कलाकारों ने फुलवारी लीला का मंचन किया। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्री राम छोटे भाई लक्ष्मण के साथ फुलवारी में पूजा के लिए फूल लेने जाते हैं। माली भगवान श्री राम व लक्ष्मण को फूल तोड़ने से रोकते हुए कहता है कि वह स्वयं फूलों को दे रहा है। इसी बीच जनक नंदिनी सीता अपनी सखियों के साथ गौरी पूजा के लिए फुलवारी में पहुंचती हैं। श्याम व गौर वर्ण शरीर वाले भगवान श्री राम व लक्ष्मण की सुंदरता को देखकर जनक नंदिनी की सहेलियां अपना सुध बुध खो बैठती हैं। सहेलियों की यह दशा देंखकर सीता अचंभित हो जाती हैं और पूछती हैं कि तुम लोगों ने ऐसा क्या देख लिया। जनकनंदिनी सीता की नजर श्रीराम पर पड़ती है, तो वह भी खुश हो जाती हैं। स्वयंवर में गुरु विश्वामित्र के साथ राम व लक्ष्मण पहुंचते हैं। भगवान राम के धनुष तोड़ते ही श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष पंकज वर्मा,नन्द किशोर वर्मा, प्रधान प्रतिनिधि रफीक अहमद, विजय कुमार,मालती प्रसाद, हेमराज व बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

लीला मंचन को जाते श्रीराम व लक्ष्मण के स्वरूप। ● अमृत विचार

खेतों में पराली न जलाएं किसान : उप कृषि निदेशक

बहराइच, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा ने जिले के किसानों से अपील की है कि पराली/फसल अवशेष को खेतों में न जलायें। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा इसका असर मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने पर सरकार द्वारा भी पराली जलाना प्रतिबन्धित किया गया है।

उन्होंने बताया कि पराली जलाये जाने पर 02 एकड़ तक पांच हजार रुपये, 2 से 5 एकड़ तक 10 हजार रुपये तथा 05 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में पराली जलाने पर30 हजार रुपये का अर्थदण्ड लगाये जाने के साथ कृषक को सरकारी योजनाओं के लाभ वंचित किया जा सकता है तथा गन्ना कृषक का सट्टा भी लॉक कर दिया जायेगा। उप कृषि निदेशक श्री वर्मा ने बताया कि फसल अवशेष जलाये जाने से कार्बन मोनोआक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड आदि गैसें उत्पन्न होने से श्वास एवं त्वचा सम्बन्धी बीमारियां पैदा होती है जो मानव जीवन एवं पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं।

सिटी डायरी

प्रसाद वितरित करते विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी।

राम मंदिर में ध्वजारोहण के उपलक्ष्य में भंडारा आयोजित

पयागपुर बहराइच, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम के उपलक्ष्य में मंगलवार को क्षेत्र में भी उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। मंगरे पुरवा मोड़ पर स्थानीय निवासियों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।। मुख्य आकर्षण भगवा ध्वज को फहराना रहा। इस अवसर पर विधान सभा संयोजक निशंक त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और पूरे विधि-विधान के साथ भगवा ध्वज को लहराया। ध्वजारोहण के साथ ही पूरा वातावरण 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंज उठा। ध्वजारोहण के पश्चात, स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित भंडारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संयोजक निशंक त्रिपाठी ने स्वयं प्रसाद वितरण में भाग लिया और भक्तों को प्रसाद वितरित किया।

छात्रों संग जागरूकता रैली निकालते एसएसबी के जवान।

धनुष तोड़ता भगवान श्रीराम के स्वरूप में कलाकार।

जागरूकता सप्ताह पर निकाली गई जन-जागरूकता रैली

श्रावस्ती, अमृत विचार : जन जागरण एवं सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसएसबी 62 वीं वाहिनी भिनगा जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम चला रही है। मंगलवार को जन-जागरूकता रैली निकाली गई। एसएसबी के जी समवाय भैंसाही नाका के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज गाबापुर तथा सी समवाय सुइयां की ओर से अबू आसिम आजमी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं के सहयोग से रैली निकाली गई। इसमें शामिल छात्रों, शिक्षकों व एसएसबी के जवानों ने यातायात नियमों का पालन, स्वच्छता एवं स्वच्छ भारत अभियान, पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया।

धनुष यज्ञ की मनोहारी लीला देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : नगर क्षेत्र अंतर्गत बस स्टॉप चौराहे पर आयोजित राम विवाह महोत्सव में धनुष यज्ञ की मनोहारी लीला की जीवंत प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया।महोत्सव के चौथे दिन स्थानीय कलाकारों ने धनुष यज्ञ की लीला का मंचन किया। राम विवाह महोत्सव समिति के कुलदीप शर्मा ने बताया कि मंगलवार को राम विवाह का मंचन होगा।कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने के लिये प्रबंधक संतोष गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष सिंह सहित समिति के प्रीतम शर्मा, रवि शर्मा, सज्जन श्रीवास्तव व पवन सिंह जुटे हैं।

नर्सिंग होम में ऑपरेशन के बाद फैले संक्रमण से महिला की मौत

श्रावस्ती, अमृत विचार : भिनगा के निजी नर्सिंग होम में गलत इलाज ने एक महिला की जान ले ली। नर्सिंग होम में महिला का ऑपरेशन किया गया था। इसके बाद उसके शरीर में इन्फेक्शन फैल गया। कई अस्पतालों में इलाज के बाद भी महिला की जान नहीं बचाई जा सकी।

सिरसिया के जोखवा बाजार निवासी ब्रह्मानंद तिवारी की पत्नी निर्मला को पथरी की शिकायत थी। उनका इलाज भिनगा के आकाश नर्सिंग होम में कराया गया। यहां 24 अक्टूबर ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दो तीन दिन बाद शरीर में संक्रमण फैलने से हालत बिगड़ने लगी। तब नर्सिंग होम संचालक ने निर्मला को न्यू हिंद हॉस्पिटल बहराइच भेज दिया। वहां कई दिनों तक इलाज चला, लेकिन सुधार नहीं हुआ। अंत में परिजन उसे संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा लाए। यहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया। वहां से परिजन सोमवार को उसे घर लाए थे, जहां देर रात महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पति ब्रह्मानंद ने कोतवाली भिनगा में तहरीर देकर संचालक व ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की ही।

ठंड से बचाव को एडवाइजरी जारी

श्रावस्ती, अमृत विचार: ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है। इसके साथ ही सुबह शा कोहरा भी पड़ने लगा है। इससे जिलेवासियों को बचाने के लिए डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने एडवाइजरी जारी की है। डीएम ने बताया कि कोयले की अंगीठी, मिट्टी तेल का चूल्हा, हीटर, ब्लोअर आदि का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। कमरे में हवा का आवागमन बनाए रखें, ताकि कमरे में विषाक्त/जहरीली धुआं इकट्ठा न हों।

कई स्तरों वाले गर्म कपड़े जैसे ऊनी कपडे, स्वेटर, टोपी, मफलर आदि का प्रयोग करें। अत्याधिक ठंड/कोहरा पड़ने पर छोटे बच्चों व बुजुर्गों को घर के अन्दर रखें।

सम्मान निधि का लाभ पाने को डाटा अपडेट कराएं किसान

श्रावस्ती, अमृत विचार: पीएम किसान सम्मान निधि 20 वीं किस्त के समय कुछ संदिग्ध लाभार्थियों की किस्त पर रोक लगाई गई थी। जिसमें कई प्रकार के लाभार्थी शामिल हैं। ऐसे किसान तत्काल अपना डाटा अपडेट करें, जिससे उन्हें सम्मान निधि का पैसा मिल सके।

यह जानकारी देते हुए उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी ने बताया कि पूर्व व वर्तमान भूस्वामी पंजीकृत हैं, पूर्व भूस्वामी की किस्तों पर रोक न लगाकर वर्तमान भू स्वामी भी किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। 01 फरवरी 2019 के बाद वरासत के अतिरिक्त अन्य कारणों से भूमि में नाम दर्ज हुआ है व पीएम किसान सम्मान निधि में लाभ प्राप्त कर रहे है। नाबालिग किसान माता या पिता के होते हुए पीएम किसान में पंजीकरण कराकर लाभ ले रहे हैं। पूर्व भूस्वामी का पूर्ण विवरण अंकित किए बिना पंजीकरण करा लेने, ऐसे पात्र कृषकों के पंजीकरण पर लगी रोक हटाने के लिए पीएम किसान पोर्टल पर भारत सरकार की ओर से अपडेशन मिसिंग इंफॉर्मेशन के लिंक के अन्तर्गत व्यवस्था दी गई है। किसान अपनी पात्रता की स्थिति में पीएम किसान पोर्टल पर जाकर स्वयं या जनसेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

प्लंबिंग कोर्स का समापन

श्रावस्ती, अमृत विचार : एसएसबी 62 वीं वाहिनी भिनगा की ओर से नागरिक कल्याण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार को प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग की शुरुआत हुई। वहीं प्लंबिंग कोर्स कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को एमएलसी साकेत मिश्र ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। एसएसबी की ओर से कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के निर्देशन में राजकीय इंटर कॉलेज गब्बापुर में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत मंगलवार से 250 युवाओं के लिए ट्रेनिंग की शुरुआत की गई।

राजकीय इंटर कालेज गब्बापुर में प्रमाण पत्र देते एमएलसी व कमांडेट। अमृत विचार

उपलब्धि डीएम ने समय सीमा में कार्य पूरा करने की कर्मचारियों से की अपील

एसआईआर कार्य पूरा करने वाले 3 बीएलओ सम्मानित

संवाददाता, श्रावस्ती

इकौना तहसील में बीएलओ को सम्मानित करते डीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिले के सभी मतदाताओं से अपील है कि वह गणना प्रपत्रों को भरकर समय से बीएलओ को उपलब्ध करा दें। ताकि एसआईआर का कार्य समय से पूरा किया जा सके।

ये बातें मंगलवार को जिले में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत इकौना तहसील क्षेत्र में अपने बूथों पर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले तीन बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) शिक्षामित्र रमेश चंद्र, हंसराज वर्मा व राजीव कुमार त्रिपाठी को सम्मानित करते हुए डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने कही। उन्होंने इकौना तहसील सभागार में उन्हें अंगवस्त्र व फल की टोकरी भेंट कर सम्मानित किया। उनके कार्य की सराहना करते हुए डीएम ने कहा कि समय से पूर्व और शत-प्रतिशत पुनरीक्षण कार्य पूर्ण करना निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति निष्ठा, लगन व अनुशासन का प्रतीक है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के माध्यम से निर्वाचक नामावलियों का अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा रहा है, ताकि किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटने न पाए। उन्होंने सभी बीएलओ, सुपरवाइजर व संबंधित अधिकारियों से अपेक्षा की कि वह निर्धारित समय सीमा के अंदर लक्ष्य प्राप्त कर मतदाता सूची को शत-प्रतिशत अद्यतन करने में योगदान दें। उन्होंने स्पष्ट किया मतदाता भ्रांतियों से बचें और कठिनाई हो तो संबंधित बीएलओ से सहयोग लें। इस दौरान एसडीएम इकौना पीयूष जायसवाल सहित संबंधित क्षेत्र के सुपरवाइजर व अन्य बीएलओ मौजूद रहे।

एमएस फार्मा पर की गयी कार्रवाई

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : मेसर्स एम.एस. फार्मा पर कोडिन मिश्रित सिरप और नशीली दवाओं की बिक्री के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। औषधि निरीक्षक ने 19 नवंबर को यहां जांच की थी। प्रोप्राइटर मौजूद तो था, लेकिन वह कोडिवा सिरप और नॉरकोटिक कैप्सूल के लेन-देन से जुड़े किसी भी रिकॉर्ड को प्रस्तुत नहीं कर सका। फर्म द्वारा 29,760 बोतल कोडिवा सिरप और 3,88,800 कैप्सूल की खरीद की गई थी, जबकि इससे संबंधित बिल उपलब्ध नहीं कराए गए। औषधि निरीक्षक ने पूरी रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को भेज दी। जवाब न मिलने पर पुलिस ने फर्म के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

बिजनेस ब्रीफ

यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

राष्ट्रीय

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय उप कृषि निदेशक बहराइच

प्रिय कृषक भाईयों और बहनों,

जनपद बहराइच के सभी किसान भाइयों और बहनों को सूचित किया जाता है कि फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब तक जिले के 508600 किसानों में से 332676 किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। यह योजना किसानों के लाभ के लिए है, जिससे आपको सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, और अनुदानों का लाभ आसानी से मिल सके। फार्मर रजिस्ट्री के लाभ सटीक पहचान आपकी भूमि और फसल का सही रिकार्ड दर्ज किया जाएगा। कृषि संबंधित सभी सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। डिजिटल सुविधा की यह प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। सब्सिडी, फसल बीमा, केसीसी, धान खरीद, और अन्य लाभ सीधे आपके बैंक खाते में पहुंचेंगे। फार्मर रजिस्ट्री कराने हेतु कृषक भाइयों को अपना आधार कार्ड, आधार कार्ड से लिंक मोबाइल फोन व नम्बर, भूमि रिकार्ड (खसरा, खतौनी की प्रति) के साथ अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री करा सकते है। अधिक जानकारी के लिये कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों, अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के लेखपाल से सम्पर्क कर सकते है। सभी किसान भाइयों और बहनों से अनुरोध है कि जल्द से जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा लें। क्योंकि फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराये जाने से आप बीज, खाद, किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि योजनाओं से वंचित हो सकते हैं।

उप कृषि निदेशक बहराइच ने जिले के किसानों से अनुरोध किया है कि कृपया पराली/फसल अवशेष न जलायें। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा इसका असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। सरकार द्वारा पराली जलाना प्रतिबन्धित किया गया है। पराली जलाये जाने पर 02 एकड़ तक रू0 5000/-, 02 से 5 एकड़ तक रू0 10000/- तथा 05 एकड़ से अधिक पराली जलाने पर रू0 30000/- अर्थदण्ड लगाये जाने का प्राविधान है। यदि कृषकों द्वारा पराली जलाई जाती है, तो सरकारी योजनाओं के लाभ वंचित किया जा सकता है। साथ ही गन्ना कृषक का सट्टा लाक कर दिया जायेगा। फसल अवशेष जलाये जाने से कार्बन मोनोआक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड आदि जहरीली गैसें तथा सूक्ष्मकणिका तत्व उत्पन्न होने से श्वास एवं त्वचा सम्बन्धी बीमारियां पैदा होती है जो मानव जीवन एवं पर्यावरण हेतु अत्यन्त ही हानिकारक होता है तथा मृदा में पाये जाने वाले लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते है, जिससे फसल की उत्पादकता कम हो जाती है। फसल अवशेष को खेत में सड़ाकर कम्पोस्ट खाद बनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। पराली को अपने नजदीकी गौशालाओं में दान कर पुण्य कमा सकते है। सरकार एवं जिलाधिकारी महोदय द्वारा पराली जलाने वाले 56 किसानों पर 182500 अर्थ दण्ड लगाया गया है। अपील की जाती है कि कृपया पराली न जलायें अन्यथा सरकार द्वारा सरकारी योजनाओं के लाभ वंचित किये जा सकते है।

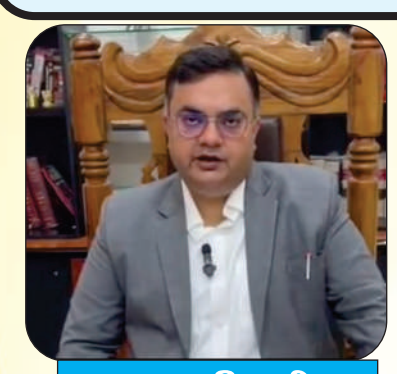

अक्षय त्रिपाठी
जिलाधिकारी, बहराइच

विनय कुमार वर्मा
उप कृषि निदेशक बहराइच।

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम

अयोध्या, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सुमित नागला

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी।

स्पेन, जापान को जूनियर हॉकी विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था। स्पेन को पूल डी में बेल्जियम, नामीबिया और मिस्र के साथ रखा गया है।

मंधाना के अकाउंट से शादी से पहले के पोस्ट गायब

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ अपनी शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी 0अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा जिसमें स्मृति भारतीय टीम की अपनी कुछ साथियों के साथ 'लगे रहो मुन्नाभाई' के गाने 'समझो हो ही गया' पर नाच रही थीं।

साइकिलिस्ट मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोत्तोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बनाएं

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की शृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद शृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में भारतीय बल्लेबाज के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह शृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली शृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट शृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली शृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी शृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम शृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3 .5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28 .3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0,रेड्डी 4-0-24-0

जायसवाल को कट शॉट से करना पड़े परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा शृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस शृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

हैदराबाद, एजेंसी

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 शृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह व रीवा को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम | 15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना सामना

भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

डब्ल्यूपीएल में दीप्ति, गौड़, चरणी को मोटी राशि मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था।